वार्षिक विवरण लेखन

मान्यवर,

मेरा यह दृढ़ विश्वास है कि किसी भी संस्था के वर्तमान स्वरूप के पीछे वास्तव में उसके पूर्व पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सहयोगियों का योगदान और शुभाशीष होती है, जिसके लिए मैं आज कॉलेज के सभी पूर्ववर्ती प्राचार्यों, प्रशासकीय समिति के अध्यक्षों और सदस्यगणों को अत्यंत श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ, जिनके आशीर्वाद से हमारा कॉलेज निरंतर प्रगति कर रहा है और शिक्षा जगत में एक विशेष स्थान बनाने में सफल हुआ है ।

कॉलेज का यह वार्षिकोत्सव उस समय हो रहा है जब विश्व के सबसे बड़े और मजबूत लोकतंत्र भारत में चुनाव का महापर्व, महोत्सव चल रहा है। यह लोकतंत्र में हमारी गहरी आस्था का ही परिणाम है कि जब यूरोपीय और विकसित कहे जाने वाले देशों में वोट का अधिकार कुछ सीमित लोगों को ही था और महिलाओं को इस अधिकार से दूर रखा गया था, उस समय हमने केवल आयु को आधार मानकर ही सभी भारतीय नागरिकों को यह अधिकार दिया। ऐसे विशेष अवसर पर मैं आपसे अनुरोध करना चाहूंगा कि इसे एक अवकाश का दिन ना माने और एक जिम्मेदार भारतीय नागरिक के नाते देश हित में अपने वोट का उपयोग कर भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाएं और अपनी देशभक्ति का परिचय दें।

कॉलेज के लिए यह अत्यंत प्रसन्नता और गर्व का विषय है कि आज हमारे बीच मुख्य अतिथि के रूप में महर्षि वाल्मीकि संस्कृति यूनिवर्सिटी के माननीय वाइस चांसलर प्रोफेसर रमेश भारद्वाज जी उपस्थित हैं। आप प्रसिद्ध शिक्षाविद् तो हैं ही, समाज सेवा के अनेक कार्यों में भी आप संलग्न रहते हैं। शिक्षा और समाज- सेवा दोनों ही क्षेत्रों में आपने नए सफल प्रयोग किए हैं। पूरे कॉलेज की ओर से आज के इस वार्षिकोत्सव में मैं आपका हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूँ।

पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी आप सभी के सहयोग से अनेक ऐसे प्रयास और कार्यक्रम हुए हैं जो कॉलेज में प्रथम बार किये गए हैं जो8 उल्लेखनीय हैं। विस्तृत विवरण पढ़ने से पहले उनमें से कुछ प्रयासों और नई सफलताओं का मैं उल्लेख करना चाहूंगा।

हम सभी जानते हैं कि पिछले वर्ष G20 की अध्यक्षता भारत के द्वारा की गई थी। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा G20 संबंधित कार्यक्रम करने के लिए 15 कॉलेजों का चयन किया गया। अत्यंत गौरव व प्रसन्नता का विषय है कि इन 15 कॉलेजों में हमारा कॉलेज भी एक था। कॉलेज में इस अवसर पर जर्मनी से संबंधित भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी प्रकार भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर किए जाने वाले कार्यक्रमों के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जिस कमेटी का गठन किया गया उस कमेटी में भी हमारे कॉलेज का प्रतिनिधित्व हुआ।

हमारे कॉलेज की डिबेटिंग सोसायटी ने दिल्ली विश्वविद्यालय में सर्वाधिक पुरस्कार जीतकर एक रिकॉर्ड स्थापित किया है। इसी प्रकार फरवरी 2024 में नागपुर में आयोजित National Environment Youth Parliament में कॉलेज के छात्र जितेंद्र सिंह ने National finalist के रूप में भाग लिया। कॉलेज के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि KIIFA द्वारा दो दिवसीय short film screening का सफल आयोजन किया गया जिसमें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिल्में दिखाई गई। कॉलेज विद्यार्थियों द्वारा निर्मित एक फिल्म को पुरस्कार भी प्राप्त हुआ ।

हम सबके लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि कॉलेज में परम पूज्य शारदा पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी अमृतानंद देवतीर्थ महाराज जी का पावन आगमन हुआ। उनके श्री वचनों से हम सभी लाभान्वित तो हुए ही, कॉलेज की सात्विकता और सकारात्मकता में भी वृद्धि हुई, ऐसा मैं मानता हूं।

MCD द्वारा Zero Waste Management पर बनाई गई फिल्म के लिए हमारे कॉलेज का चयन किया गया। हम सभी को जानकर अत्यंत ख़ुशी होगी कि आकाशवाणी और टीवी चैनल पर अपने कॉलेज के लगातार कार्यक्रम प्रसारित हो रहे हैं। जहां हमारे कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में आकाशवाणी द्वारा होली के अवसर पर हास्य कवि सम्मेलन प्रसारित किया गया वहीं Sansad TV channel पर 'आवाज देश की' कार्यक्रम श्रृंखला में Beat the Heat to Vote शीर्षक से Panel Discussion पर मुझे panelist के रूप में निमंत्रित किया गया। कॉलेज के विद्यार्थियों और coordinator डॉ. करिश्मा को भी इस telecast में भाग लेने का अवसर प्राप्त हुआ।

इस वर्ष भी Spiritual and Value Education Summit में Indian Institute of Ecology and Environment द्वारा कॉलेज को *'Value-Based Academic Achievement Award'* प्रदान किया गया।

पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी आप सभी के सहयोग से ऐसे अनेक प्रयास और कार्यक्रम हुए हैं जो कॉलेज में पहली बार हुए हैं । उन कार्यों का विस्तृत विवरण पढ़ने से पहले मैं कुछ प्रयासों और नई सफलताओं का आप के सामने उल्लेख करना जरूरी समझता हूँ ।

शिक्षक वर्ग की उपलब्धियाँ

- हिन्दी विभाग

प्रो.आशा रानी, इस वर्ष आपके “कोरोना काल में मज़दूर स्त्री की पीड़ा” व “ चेतना : अभिप्राय एवं उत्स” शीर्षक से दो आलेख प्रकाशित हुए ।आपने NCERT के पाठ्यक्रम में सम्मिलित 6 पाठों का अंग्रेजी से पंजाबी में अनुवाद किया । इसी वर्ष NCERT द्वारा आयोजित 'भारतीय भाषा उत्सव' में एक पाठ का अनुवाद किया और वर्कशॉप में वक्ता के रूप में भाग लिया । इस वर्ष आपको दिल्ली विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से दो शोधार्थियों के पीएच.डी. शोधकार्य हेतु निर्देशक के रूप में चयनित किया गया । आपने दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकीदेवी मेमोरियल कॉलेज की 'भाषा समिति' द्वारा आयोजित भारतीय भाषा सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया व कविता की रचना प्रक्रिया पर वक्तव्य दिया । गुरु नानक देव खालसा कॉलेज के “कला एवं संस्कृति के कार्यक्रम” में निर्णायक के रूप में हिस्सा लिया । पीडिया फाउंडेशन और गूगल इंडिया के सहयोग से गुरुग्राम में 'हिंदी विकिपीडिया-गूगल सहभागिता बैठक में वक्ता के रूप में भाग लिया । आपने दिल्ली विश्वविद्यालय के अकेडमिक काउंसिल के सदस्य के रूप में निष्ठापूर्वक 2 वर्ष तक अपनी सेवाएं दीं और कई महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य के रूप में काम किया, जिसके लिए उन्हें सम्मान पत्र भी मिला ।

प्रो. हरीश अरोड़ा, इस वर्ष हिन्दी विभाग के प्रो. हरीश अरोड़ा ने 23 जून, 2023 को दिल्ली विश्वविद्यालय के कालिंदी कॉलेज में एक सप्ताह के संकाय संवर्धन कार्यक्रम में 'राजभाषा हिन्दी और तकनीकी' विषय पर अपना व्याख्यान दिया । 8 जुलाई, 2023 को शिवाजी आर्ट्स एण्ड कॉमर्स कॉलेज, कारवार (कर्नाटक) द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'Environmental concern in global perspective' विषय पर विशिष्ट अतिथि के रूप अपना वक्तव्य दिया । इनके द्वारा 21 नवंबर, 2023 को लखनऊ विश्वविद्यालय के HRD Centre द्वारा आयोजित रेफ़रेशर कोर्स में 'भक्तिकालीन आंदोलन और वैष्णव मत' तथा 'भक्ति आंदोलन की प्रासंगिकता' विषयों पर अपने वक्तव्य दिए गए । इन्होंने 24 दिसंबर, 2023 को केन्द्रीय हिन्दी संस्थान (आगरा, विश्व हिन्दी सचिवालय (मॉरीशस) तथा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में 'हिन्दी शोध की चुनौतियाँ : संभावनाएँ और समाधान' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार रखे । आपने International Council for Education, Research and Training तथा कॉलेज के संयुक्त तत्त्वावधान में 12 जनवरी, 2024 को 'Recent Advancement in Education, Research, Social Sciences & Engineering' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की । इन्होंने भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा जापान में 2 से 4 फरवरी, 2024 को 'दक्षिण पूर्ण एवं मध्य एशिया में हिन्दी की स्थिति' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट वक्ता के रूप में हिस्सा लिया । विश्व पुस्तक मेला में 'ऑथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया' द्वारा 11 फरवरी, 2024 को 'बहुभाषी भारतीय संस्कृति' विषय पर आयोजित परिचर्चा में हिस्सा लिया । आपने 13 फरवरी, 2024 को किरोड़ीमल कॉलेज द्वारा 'पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र' द्वारा आयोजित संकाय संवर्धन कार्यक्रम में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा' विषय पर अपने

विचार रखे । आपने 19 फरवरी, 2024 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह कॉलेज में आयोजित कार्यशाला में Multidisciplinary Education in Indian Universities विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया । प्रो. अरोड़ा ने 'ऑथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया' तथा सत्यवती कॉलेज (सांध्य) के संयुक्त तत्वावधान में 13 मार्च, 2024 को आयोजित संगोष्ठी में 'भारतीय संस्कृति और भारत बोध' विषय पर बीज वक्ता के रूप में अपना वक्तव्य दिया । आपने 'भारतीय भाषा समिति', शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा जगद्गुरु आदि शंकराचार्य व्याख्यानमाला के अन्तर्गर 14 मार्च, 2024 को हंसराज कॉलेज, 17 मार्च, 2024 को पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) तथा 21 मार्च, 2024 को इंदौर क्रिश्चियन कॉलेज, में 'आदि शंकराचार्य के जीवन-दर्शन' पर अपने विचार रखे । इस वर्ष प्रोफेसर हरीश अरोड़ा की मीडिया लेखन, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा जनसंचार और रचनात्मक लेखन पुस्तकें प्रकाशित हुईं ।

डॉ. अनिरुद्ध कुमार, (एसोसिएट प्रोफेसर) ने हैदराबाद में 28-30 अप्रैल, 2023 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी “विकि कॉन्फ्रेंस इंडिया 2023” में हिंदी विकिपीडिया का प्रतिनिधित्व किया । 3 नवंबर, 2023 को मिजोरम विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के साथ मिलकर उन्होंने “हिंदी ई-सामग्री निर्माण एवं कौशल विकास कार्यशाला” का आयोजन किया । डॉ. जगमोहन राय के गज़ल संग्रह “आइने अक्स और साये” में उनका “हिंदी गज़ल और सजल” शीर्षक नाम से आलेख प्रकाशित हुआ । अप्रैल माह में आपने बर्लिन मे “विकि कॉन्फ्रेंस” में हिंदी विकिपीडिया का प्रतिनिधित्व किया । आप लगातार विकिपीडिया को हिन्दी में अधिक प्रामा?णक व नवर्धक बनाने में काय?रत हैं ।

डॉ. डिम्पल गुप्ता, (सहायक प्रोफेसर) का इस वर्ष 'सहृदय' शोध पत्रिका में 'गुरु नानक देव के साहित्य में मानवीय मूल्य' आलेख प्रकाशित हुआ । आपने महात्मा हंसराज संकाय संवर्द्धन केंद्र व कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 15 से 28 जुलाई, 2023 तक आयोजित होने वाले दो सप्ताह के संकाय-संवर्द्धन कार्यक्रम "New perspective on North East India : A Multidisciplinary Approach" में भाग लिया । आपने टीचिंग लर्निंग सेंटर रामानुजन कॉलेज द्वारा 21 अगस्त से 19 सितंबर, 2023 तक आयोजित चार सप्ताह के संकाय प्रेरणा कार्यक्रम (Faculty Induction Programme) में भाग लिया । 3 जून, 2023 को ICERT, Debre Tabor University, NIILM University एवं हमारे कॉलेज द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन में भाग लिया । यूनाइटेड नेशनस (UN) अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर 12 अगस्त, 2023 को ICERT, Aloysius College और हमारे कॉलेज द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । आपने 12 जनवरी, 2024 को ICERT और PGDAV (सांध्य) द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन में भाग लिया । इन्होंने एनडीटीएफ और पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्टडी सर्कल द्वारा 10 अप्रैल, 2024 को "पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दर्शन की वर्तमान भारत में प्रासंगिकता " विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और "राष्ट्रवाद की अवधारणा और पंडित दीनदयाल उपाध्याय" शीर्षक पर शोध आलेख प्रस्तुत किया । श्याम लाल कॉलेज, गांधी स्टडी सर्किल, आई क्यू ए सी और गाँधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 24 अप्रैल, 2024 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "गांधी और हिंदी साहित्य" में भाग लिया और "गांधी और राष्ट्रभाषा हिंदी का प्रश्न" विषय पर शोध आलेख प्रस्तुत किया ।

श्री विकास शर्मा (सहायक प्रोफेसर), ने 13 जुलाई, 2023 से 27 जुलाई, 2023 तक दो सप्ताह के संकाय संवर्धन कार्यक्रम में भाग लिया । आपने जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज द्वारा 27 अक्टूबर, 2023 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'भारतीय चिंतन परंपरा : विश्व बंधुत्व का आधार' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया । 1 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आयोजित एफ.आई.पी. में भाग लिया ।

❖ राजनीति विज्ञान विभाग

प्रो. शुभेन्दु रंजन राज, ने 26 जून, 2023 को मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 20वीं ISA वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ सोशियोलॉजी में Environmental Crisis/Justice, Global Frameworks and Local Actions: An Agenda for Sustainable Development विषय पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्षता की ।आपने 26 जून 2023 को Increasing Hunger & Poverty UNDER COVID 19 Progression in India” शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया । आपने 30 जून 2023 को “ Assessing COVID 19 Challenges to Public Health in

India" विषय पर एक प्रपत्र प्रस्तुत किया । 30 जून, 2023 को "Fostering Federalism, Decentralization and People Participation to Cope with Resurgent Authoritarianism and Strengthen and Sustain Democracies, Development and Good Governance" विषय पर हुई चर्चा में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया । आपने नवंबर माह में 'मध्यप्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान' द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "समकालीन भारत में क्षेत्रीय मुद्दों की चिंता" के विषय पर सत्र में अध्यक्षता की । उसी संस्थान में आपने "Salience and Treatment of Socio-Political, Economic and Ecological Dimensions of Regional Issues in Odisha" विषय पर एक पेपर भी प्रस्तुत किया । आपने "Role of Civil Society and Action Groups" विषय पर आयोजित सत्र की अध्यक्षता की । आईसीएसएसआर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उन्होंने 1 मार्च, 2024 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में "75 years of Federalism and Democracy in India: Some Reflections" विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया ।

❖ संस्कृत विभाग

डॉ. योगेश शर्मा (सहायक प्रोफेसर), ने 26 अगस्त, 2023 को देववाणी परिषद्- दिल्ली, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'संस्कृतसाहित्ये पद्मश्रीरमाकांतशुक्लस्य अवदानम्' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र का संचालन किया । 22 अक्टूबर से 20 नवंबर 2023 तक शिक्षा मंत्रालय के अधीन 'पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन' के अन्तर्गत रामानुजन महाविद्यालय के शिक्षण अधिगम केंद्र एवं कुमारी मायावती सरकारी बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में चार साप्ताह का संकाय प्रेरण' पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण किया । आपने 21 नवंबर से 5 दिसंबर, 2023 तक रामानुजन महाविद्यालय के शिक्षण अधिगम केंद्र के द्वारा 'उन्नत अनुसंधान पद्धति' विषयक 2 सप्ताह का अंतर्विषयक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण किया । 22 दिसंबर, 2023 से 10 जनवरी, 2024 तक रामानुजन महाविद्यालय के शिक्षण अधिगम केंद्र के अंतर्गत 'श्रीमद्भगवद्गीता: ज्ञानोदय एवं प्रासंगिकता' विषय पर भारतम्-भारतीय ज्ञान परंपरा: अध्ययन,अध्यापन एवं अनुसंधान केंद्र के द्वारा 20 दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण किया । आपको 26 दिसंबर, 2023 से 30 दिसंबर, 2023 तक दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय दक्षिण- पश्चिम जिला, नई दिल्ली द्वारा टीजीटी संस्कृत के प्राध्यापकों के 5 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु 'सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम' के अन्तर्गत 5 दिनों तक विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया । 21 से 22 मार्च, 2024 को माता सुंदरी महिला महाविद्यालय एवं वैश्विक संस्कृत मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'संस्कृत साहित्य में महिलाओं का योगदान-अनसुनी गाथाएं' इस विषय पर आयोजित 2 दिवसीय 'प्रथम वैश्विक विदुषी सम्मेलन 2024' में सत्र संचालक व मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया । 27 से 28 मार्च, 2024 को श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'विश्वपथप्रदर्शिका भारतीय ज्ञानपरंपरा' विषय पर आयोजित 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रिय संगोष्ठी में 'भारतीय ज्ञानपरंपरा के मौलिक सिद्धांतों की व्यावहारिकता' विषय पर विषय विशेषज्ञ के रूप में शोधपत्र वाचन किया ।

डॉ. कुलदीप सिंह (संस्कृत विभाग), आपका एक शोधपत्र "श्रीकरभाष्य में प्रयुक्त न्याय एवं उनके प्रयोग" वेदांजलि, इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड रेफरीड जर्नल ऑफ़ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च में प्रकाशित हुआ । 22 अगस्त 2023 को, "ग्रीन स्किल्स फ़ॉर यूथ : टुवर्ड्स ए सस्टेनेबल वर्ल्ड" विषय पर "इंटरनेशनल काउंसिल फॉर एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग, सेंट अलॉयसियस महाविद्यालय त्रिशूर, केरल, जन विकास शक्ति फाउंडेशन, नई दिल्ली एवं पीजीडीएवी (सांध्य)" द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । संकाय प्रेरणा कार्यक्रम दिनांक 20 अगस्त 2023 को, शिक्षा मंत्रालयाधीन, पंडित मदनमोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक मिशन के तत्त्वावधान में संचालित टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन महाविद्यालय द्वारा आभासी पटल के माध्यम से आयोजित 4 सप्ताह का "फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम पूर्ण किया ।

❖ वाणिज्य विभाग

श्री रमेश कुमार (एसोसिएट प्रोफेसर) को (Device to Analysis Consumer Psychology during shopping) पर भारत सरकार की ओर से पेटेंट अधिकार प्राप्त हुआ । इस वर्ष रमेश जी के (Customers

Perception with respect to Mobile Wallet in Rural areas of Haryana), (Customers Perspective with respect to payment Apps in rural areas: A study of selected villages of Sonipat), (Achieving Sustainability in India through Modern Payment System: An Empirical study), (Investor Buying Behavior towards Gold Investment: A Descriptive Study), (Modern Payment System: A study of Customers Perspective towards Payment Apps in Rural Area), (Investor's Perception with respect to corporate Governance: A study of selected IT Firms), (Modern Payment System - A Comparative study of G20 Countries), (Customers Perception towards Home loan Apps an Empirical Study), (Innovation in Higher Education: A Study of NEP 2020), (Gold price and inflation relationship in India: Empirical study), (Financial Literacy: Needs, Challenges and Prospects in rural areas) शीर्षकों से अनेक जर्नल्स में शोधपत्र प्रकाशित हुए । इसके अलावा आपने कई शिक्षण संस्थाओं में पत्र प्रस्तुत किये जिनमें कुक प्रमुख हैं, "एंटरप्रेन्योरशिप: वन स्टेप टुवर्ड्स आत्मनिर्भर भारत", "इकनॉमिक्स ग्रोथ ऑफ हरियाणा थ्रू एंटरप्रेन्योरशिप इनिशिएटिव" जो हरियाणा में प्रस्तुत किये । "इंडियन इकोनॉमी बिफोर एंड ऑफ्टर द डिकेड ऑफ ट्रांसफॉरमेटिव ग्रोथ" विषय पर 5 अप्रैल, 2024 को अर्थशास्त्र विभाग NM College, Pillayanmanai Nazareth. Tamil Nadu में पेपर प्रेजेंट किया । वर्चुअल वर्कप्लेस एम्पोवेरिंग द एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी :चैलेंज एंड ऑपरचुनिटीज़" (बिहार),"अचीविइंग द विकसित भारत @2047 विद हायर एडुकेशन रिफॉर्म" आदि विषयों में लगभग 20 पेपर प्रेजेंट किये ।

डॉ.पलविंदर कौर (एसोसिएट प्रोफेसर) आपका एक आलेख What's Breawing up? Inventing a new Contemporary Leadership Model in the Era of the Fourth Industrialization and Global Trade wars, शीर्षक से Agile Leadership for Indusry 4.0 पुस्तक में छपा व “इम्पैक्ट ऑफ़ ब्लॉक चेन ऑन ई कॉमर्स” आलेख 'ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी एंड एप्लीकेशनस फॉर डिजिटल मार्केटिंग' पुस्तक में छपा । आपके विभिन्न जर्नल्स में शोधपत्र प्रकाशित हुए जिनमें "डाटा इंवेलिपमेंट एनेलिसिस एंड सुपर एफिशिएंसी असेसमेंट ऑफ हेल्थकेयर इंडस्ट्री", "सिगनीफिकेन्स ऑफ ग्लोबल वैल्यू चेन फ़ॉर द फोर्थ इंडस्ट्रियल रेवोलुशन", "कैज़ुअल रिलेशनशिप बिटवीन क्लाइमेट एंड फाइनेंशियल सेक्टर: ए सिस्टेमैटिक लिटरेचर रिव्यूड पालिसी रिकमेंडेशन्स", "प्रिडिकटिंग द एन्टीसिडेंट ऑफ कंज्यूमर इंटेंशनस टुवर्डज परचेज ऑफ म्यूचअल फंड्स", "सिगनीफिकेन्स ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स इन द एरा ऑफ जीवीसी" मुख्य हैं । आपने अपने विषय अर्थशास्त्र में बार्सिलोना यूनिवर्सिटी, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से ऑनलाइन प्रशिक्षण कोर्स भी किये ।

श्रीमती सोनिया ढींगरा (एसोसिएट प्रोफेसर), ने महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर के सहयोग से 'उधमोद्या फाउंडेशन एंड इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस', दिल्ली विश्वविद्यालय और समर्थ भारत के सहयोग से 11-18 सितंबर, 2023 तक आयोजित 'Design thinking and Innovation' विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम पूर्ण किया । आपने कॉलेज की ओर से 31 जनवरी, 2024 को आयोजित Centre for Innovative skill Based courses के उद्घाटन समारोह में भाग लिया । इस केंद्र को स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग व दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड असेसमेंट के सहयोग से लॉन्च किया गया ।

डॉ. सोनिका नागपाल (सहायक प्रोफेसर), दिल्ली विश्वविद्यालय के CPDHE द्वारा 1-8 दिसंबर, 2023 तक आयोजित (Pedagogical Imperatives for Creating Quality Learning Environment for All - Capacity Building Programme for Teachers in Higher Education.)'सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण बनाने के लिए शैक्षणिक अनिवार्यताएँ-उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम' विषय पर एक सप्ताह की एफ.डी.पी. में भाग लिया । आपने 21 नवंबर से 5 दिसंबर, 2023 तक टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत अनुसंधान पद्धति पर आयोजित दो सप्ताह के अंतःविषय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया और ग्रेड ए+ प्राप्त किया । 20 सितंबर से 19 अक्टूबर, 2023 तक टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित चार सप्ताह के फैकल्टी इंडक्शन/ओरिएंटेशन प्रोग्राम में भाग लिया और ए+ ग्रेड प्राप्त किया । अपने 11-18 सितंबर, 2023 तक महात्मा हंसराज फैकल्टी डेवलपमेंट सेंटर द्वारा डिजाइन 'थिंकिंग और इनोवेशन' विषय पर आयोजित एक सप्ताह की एफ.डी.पी. में भाग लिया ।

श्री रजनीश शर्मा (सहायक प्रोफेसर), वाणिज्य विभाग ने टीचर लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20 सितंबर से 19 अक्टूबर, 2023 तक आयोजित चार सप्ताह का फैकल्टी इंडक्शन/ओरिएंटेशन प्रोग्राम Faculty in Universities /Colleges/ Institutes of Higher Education "विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय" पूरा किया ।आपने टीचर लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 21 से 5 दिसंबर, 2023 तक "एडवांस्ड रिसर्च मेथडोलॉजी" में दो सप्ताह का इंटरडिसिप्लिनरी रिफ्रेशर कोर्स पूरा किया ।कॉलेज द्वारा 8- 9 मार्च, 2024 को "Nurturing Startup and Entrepreneurial Cultural in Viksit Bharat@2047 : Conquering Challenges and Embracing Opportunities" "विकसित भारत@2047 में स्टार्टअप और उद्यमशील संस्कृति का पोषण: चुनौतियों पर विजय प्राप्त करना और अवसरों को अपनाना" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय शेयर बाजार पर संस्थागत निवेश का प्रभाव" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया ।

❖ अर्थ शास्त्र विभाग

डॉ. दीपिका शर्मा, (सहायक प्रोफेसर), का एक शोधपत्र "कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग में किसानों की भागीदारी को प्रभावित करने वाले कारक: पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों पर एक अध्ययन" शीर्षक से जर्नल- इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च में प्रकाशित हुआ । 8अप्रैल, 2024 को कॉलेज (सांध्य) द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "अनुबंध खेती के प्रति किसानों के दृष्टिकोण का अवधारणात्मक मानचित्रण: पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चुनिंदा किसानों से साक्ष्य" विषय पर प्रपत्र प्रस्तुत किया । आपने 12 जनवरी, 2024 को आईसीईआरटी और कॉलेज द्वारा आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन में "अनुबंध खेती के कथित लाभ: एक अनुभवजन्य अध्ययन" पेपर प्रस्तुत किया ।आपने टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 28 जुलाई, 2023 से 10 अगस्त, 2023 तक "अनुसंधान पद्धति और डेटा विश्लेषण" पर दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया और ए ग्रेड प्राप्त किया । टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 22 जून, 2023 से 21 जुलाई, 2023 तक आयोजित "विश्वविद्यालयों / कॉलेजों / उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय" के लिए चार सप्ताह के संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया व ए ग्रेड प्राप्त किया ।इसके अलावा आपने इग्नू-बीईसीसी-131, बीईसीसी-132, मार्च, 2024 के लिए पेपर सेटिंग का कार्य भी किया ।

❖ इतिहास विभाग

डॉ. श्रुति विप, सहायक प्रोफेसर, ने आपने एक व्याख्यान माला के अंतर्गत "स्वतंत्र भारत की अर्थव्यवस्था की नींव " विषय पर 19 जून को वक्तव्य दिया ।आपने 6 जुलाई, 2023 को "प्रारंभिक भारत में पितृसत्ता", 10 जुलाई, 2023 को '23वीं हरित क्रांति' व 12 जुलाई, 2023 को "स्वतंत्र भारत में शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का विकास" विषय पर अपना वक्तव्य दिया । 1 अगस्त, 2023 को "स्वतंत्र भारत में नवाचार और प्रौद्योगिकी" विषय पर वक्तव्य दिया । आपने1 सितंबर, 2023 को सीईसी, यूजीसी में समकालीन भारत के निर्माण पर आयोजित व्याख्यान श्रृंखला में "भारत में लोकतंत्र काम कर रहा है-पिछड़ा वर्ग आंदोलन" विषय पर अपने विचार रखे । 12 फरवरी और 21 फरवरी, 2024 को 'NEP 2020'विषय पर कॉलेज व CPDHE द्वारा आयोजित एक वेबिनार में भाग लिया ।

❖ गणित विभाग

डॉ. हरिप्रताप, (एसोसिएट प्रोफेसर) ने "Analytical Aspects of Some Fractional Derivatives and Their Applications" विषय पर गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नॉएडा से पीएच.डी. की उपाधि अर्जित की । मार्च, 2024 में 'माइग्रेशन लेटर्स' नामक पत्रिका में 'Brief History of Fractional Calculus: A Survey' विषय पर एक शोध लेख प्रकाशित हुआ । आप 3 पी.जी.डी.ए.वी.कंपनी में सहायक राष्ट्रीय कैडेट कोर अधिकारी के रूप में कार्यरत है ।

❖ पर्यावरण अध्ययन विभाग:

डॉ. मयंक पाण्डेय (असिस्टेंट प्रोफेसर) जी का एक शोधपत्र "असेसमेंट ऑफ़ एयर क्वालिटी बिफ़ोर एंड ड्यूरिंग कोविड-19 इंडस्यूड लॉकडाउन इन जयपुर" विषय पर 'इंडिया मापन' जर्नल में प्रकाशित हुआ । Concepts of circular economy for sustainable management of electronic wastes: challenges and management options." कॉनसेप्ट्स ऑफ़ सर्कुलर इकॉनमी फॉर सस्टेनेबल मैनेजमेंट ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट्स: चैलेंजेज़ एंड मैनेजमेंट ऑप्शंस" नाम से शोधपत्र एनवायर्नमेंटल साइंस एंड पोल्युशन रिसर्च, 2023 में प्रकाशित हुआ ।"नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन" शोधपत्र 'कुरुक्षेत्र पत्रिका-मेक इन इंडिया विशेषांक' सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, के सितंबर 2023 के अंक में प्रकाशित हुआ ।आपने 23 मई से 21, जून 2023 तक टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)और आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन द्वारा संयुक्त रूप से "विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/उच्च शिक्षा संस्थानों में संकाय" विषय पर चार सप्ताह का फैकल्टी इंडक्शन/ओरिएंटेशन विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया व ए+ ग्रेड प्राप्त किया । टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय) और रघुनाथ गर्ल्स पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, मेरठ द्वारा संयुक्त रूप से 29 अगस्त से 12 सितंबर, 2023 तक पर्यावरण विज्ञान में दो सप्ताह के अंतःविषय पाठ्यक्रम पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया व ए+ ग्रेड प्राप्त किया ।आपने सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय, यूजीसी और आईकेएस डिवीजन, शिक्षा मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस)' पर 16 से 21 अक्टूबर, 2023 तक छह दिवसीय आमने-सामने लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया । दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा 1 दिसंबर, 2023 से 8 दिसंबर, 2023 तक Pedagogical Imperatives for Creating Quality Learning Environment for All – Capacity Building Programme for Teachers in Higher Education(उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम - सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षण वातावरण बनाने के लिए शैक्षणिक अनिवार्यताओं) पर आठ दिवसीय संकाय प्रेरण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. जयपाल जी (सहायक प्रोफेसर), ने शिक्षा मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के टीचिंग लर्निंग सेंटर में आयोजित (22 जून से 21 जुलाई)ओरिएंटेशन कोर्स में A+ ग्रेड प्राप्त किया । शिक्षा मंत्रालय के पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन के अंतर्गत दिल्ली विश्वविद्यालय के रामानुजन कॉलेज के टीचिंग लर्निंग सेंटर में आयोजित (31 अक्टूबर-06 नवंबर,2023) 'उन्नत शैक्षणिक तकनीक' पर संकाय विकास कार्यक्रम में 'ए' ग्रेड प्राप्त किया । विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून 2023) के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक संघ की परिषद और राष्ट्रीय स्वच्छता शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा नई दिल्ली में राष्ट्रीय पर्यावरण शिक्षा एवं जागरूकता पुरस्कार दिया गया ।

मान्यवर,

महाविद्यालय में इस समय 11 विभागीय समितियां, लगभग 26 स्टाफ काउंसिल द्वारा पारित समितियाँ, 20 के करीब प्रकोष्ठ और क्लब बनाये गये हैं । कॉलेज में 3 एड ऑन कोर्स चलाये जाते है और कई सारी योजनाएँ शुरू की गयी हैं जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों का सवा?गीन विकास करना है और महाविद्यालय को ऊँचा उठाना है । कॉलेज हर नई योजना का दिल से स्वागत करता है । अब मैं आपके सामने वीभागीय समितियां द्वारा वर्ष भर की गयी विभिन्न शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा देना चाहता हूँ, जे इस प्रकार है :-

हिन्दी साहित्य सभा **(** हिन्दी विभाग**)**

संयोजिका **:** डॉ.डिम्पल गुप्ता छात्र प्रतिनिधि **:** जयंती

इस वर्ष 'हिंदी साहित्य सभा' और 'डब्लू. यू. एस.', 'गांधी स्टडी सर्कल' एवम् 'सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया' के संयुक्त तत्वावधान में 3 नवंबर, 2023 को 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के अंतर्गत एक अन्तय?हाविद्यालयी स्तर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें उपक्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रीतम लाल गंगवानी जी और सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया की मैनेजर सुश्री शिप्रा काया जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । प्राचार्य प्रोफेसर रवींद्र कुमार गुप्ता जी ने ॐ द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया । समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों को

प्रमाण पत्र,पेन एवं पुरस्कृत विजेताओं को धनराशि प्रदान की गई । सभा ने 17 नवंबर, 2023 को हिंदी साहित्य सभा एवं राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा 'एक दिवसीय साहित्य उत्सव' का आयोजन किया, जिसके अंतर्गत तीन प्रतियोगिताएं-- प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन एवं स्वरचित कविता आयोजित की गई । जिसमें कुल 55 विद्यार्थियों ने भाग लिया । कार्यक्रम के दौरान माननीय प्राचार्य प्रो. रवींद्र कुमार गुप्ता जी ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए एवं हिंदी भाषा की प्रासंगिकता व महत्व बताते हुए कार्यक्रम से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण तथ्यों से विद्यार्थियों को अवगत कराया । समापन सत्र में पुरस्कृत विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान की गई । 23 नवंबर, 2023 को राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी साहित्य सभा के संयुक्त तत्वाधान में महाविद्यालय के प्राध्यापकों, प्रशासनिक कर्मियों और विद्यार्थियों के लिए 'राजभाषा हिंदी के कार्यान्वन' संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचार्य ने राजभाषा प्रकोष्ठ की स्थापना के उद्देश्य को रेखांकित करते हुए माननीय अतिथि महोदय का स्वागत किया । इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में श्री रघुवीर शर्मा (सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार) ने राजभाषा हिंदी के प्रयोग में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयां एवं उनके समाधान पर अपने विचार रखें । 5 दिसंबर, 2023 को हिंदी साहित्य सभा, आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन समिति और पोएट्स ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में 'कविता लेखन कार्यशाला' का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में सुप्रसिद्ध हास्य, व्यंग्य कवि श्री विनीत पांडेय जी एवं श्री नीर गोरखपुरी (हास्य कवि) का सान्तिध्य प्राप्त हुआ । दोनों कवियों ने सफल कविता लेखन के लिए अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं व कविता की रचना प्रक्रिया को बताया । 19 मार्च, 2024 को हिंदी साहित्य सभा एवं 'राजभाषा कार्यान्वन समिति' के संयुक्त तत्वाधान में महादेवी वर्मा जी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में भाषण एवं काव्य वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । अंत में सभी पुरस्कृत विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान की गई । सभा की ओर से सत्र के अंत में तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए शुभकामनाएं समारोह का आयोजन किया गया ।

संस्कृत परिषद् **(**संस्कृत विभाग **)**

संयोजक **:**डॉ**.**तरुण कुमार दीप छात्र प्रतिनिधि**:**नितेश कुमार गुप्ता

26 अगस्त, 2023 को देववाणी परिषद् दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय(नई दिल्ली) व हमारे महाविद्यालय के संस्कृत विभाग तथा आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्त्वावधान में 'संस्कृत साहित्य में पद्मश्री रमाकान्त शुक्ल का अवदान' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया ।इसमें संस्कृत विभाग (दिल्ली विश्वविद्यालय)के प्रोफसर भारतेन्दु पाण्डेय, प्रोफेसर मीरा द्विवेदी, सेन्ट स्टीफन्स महाविद्यालय, डॉ. पंकज कुमार मिश्र, एसोसिएट प्रोफसेर, प्रोफेसर रवीन्द्र कुमार गुप्ता (प्राचार्य) महोदय का सान्निध्य प्राप्त हुआ । संगोष्ठी के संयोजक डॉ. ऋषिराज पाठक (देववाणी परिषद्, महासचिव) व सहसंयोजक डॉ. योगेश शर्मा (देववाणी परिषद्, सहसचिव) रहे । तत्पश्चात 1 सितम्बर, 2023 को संस्कृत सप्ताह के उपलक्ष्य में संस्कृत परिषद् के द्वारा 'अन्तथ?क्षीय श्लोकोच्चारण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया । समिति की ओर से 18 अक्टूबर, 2023 को आजीविका मार्गदर्शन समिति एवं संस्कृत-परिषद् के संयुक्त तत्त्वावधान में 'संस्कृत में आजीविका के अवसर' विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया । मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. दिनेश यादव, सहायकाचार्य, शिक्षा विभाग, श्रीलालबहादुरशास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, ने उद्बोधन दिया । 23 फरवरी को संस्कृत परिषद् के द्वारा मन्त्रोच्चारण प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गयी, जिसमें डॉ. योगेश शर्मा, सहायकाचार्य ने विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया । 7 मार्च, 24 को महर्षि दयानंद सरस्वती जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 'स्वामी दयानन्द सरस्वती का दार्शनिक चिन्तन' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया । वक्ता के रूप में डॉ. रामेश्वर, (सहायकाचार्य) संस्कृत विभाग, रामजस महाविद्यालय का सान्निध्य प्राप्त हुआ ।कार्यक्रम में पत्रवाचन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया । 4 अप्रैल, 2024 को प्रतिवर्ष की भांति महाविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक समारोह (प्रवाह) में संस्कृत परिषद् के सहयोग से 'संस्कृत गीतगायन' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । भारतीय नववर्ष के उपलक्ष्य में 9 से 25 अप्रैल, 2024 तक संस्कृत भारती के सहयोग से संस्कृत संभाषण शिविर का आयोजन किया गया, जिसके समापन समारोह में छात्रों ने संस्कृत में अनेक मनमोहक व सुंदर प्रस्तुतियां दीं । 27 अप्रैल, 2024 को वार्षिक संस्कृत प्रतियोगिता में 'श्लोकोच्चारण व प्रश्नमंच प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया । सत्र समापन पर विभाग की

ओर से 4 मई 2024 को पुरस्कार वितरण एवं आशीर्वाद समारोह का आयोजन प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता महोदय की उपस्थिति में किया गया ।

इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी डॉ. रुचिता माछल

कॉलेज की इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी एक जीवंत और गतिशील छात्र संगठन है जो अपने सदस्यों के बीच साहित्य, भाषा और कला के प्रति प्रेम को बढ़ावा देता है । विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को शामिल करते हुए, सोसायटी साहित्यिक उत्साही लोगों के लिए अपने कौशल को निखारने, अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने और सार्थक चर्चाओं में शामिल होने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है । सोसायटी नियमित रूप से अपने सदस्यों के साहित्यिक और सांस्कृतिक अनुभव को समृद्ध करने के उद्देश्य से गतिविधियों और कार्यक्रमों की एक विस्तृत Ük`aखला आयोजित करती है । इनमें बहस, चर्चा, कविता पाठ, साहित्यिक प्रश्नोत्तरी, लेखन और सार्वजनिक भाषण पर कार्यशालाएं शामिल हैं । सोसायटी व्यापक स्तर पर दर्शकों के लिए संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कॉलेज के भीतर अन्य विभागों और सोसायटियों के साथ भी सहयोग करती है । सोसाइटी ने नेपथ्य-ड्रामेटिक्स सोसाइटी और अरुंधति सेंटर फॉर भारतीय ज्ञान परम्परा के सहयोग से, स्कूल ऑफ लेटर्स के अंग्रेजी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. विक्रम सिंह ठाकुर, डॉ.बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा "द बार्ड एंड द इंडियन स्टेज" पर एक वार्ता की मेजबानी की । यह कार्यक्रम 23 फरवरी, 2024 को ओल्ड सेमिनार हॉल में हुआ । डॉ. विक्रम ने एक भारतीय नाटककार के रूप में भारत में शेक्सपियर के परिचय पर चर्चा की और बताया कि कितने आधुनिक भारतीय नाटककार शेक्सपियर के कार्यों से प्रभावित थे । बातचीत विशेष रूप से शेक्सपियर के किंग लियर,आगा 'हश्र' कश्मीरी और हबीब तनवीर द्वारा मैकबेथ की भारतीय प्रस्तुतियों पर केंद्रित थी । पूरे वर्ष,इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी विभिन्न सहयोगी आयोजनों में लगी रहती है । 7 नवंबर, 2023 को, इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन द्वारा प्रायोजित NSS के साथ मिलकर "कोई भ्रष्टाचार नहीं, राष्ट्र की सेवा करने का सबसे अच्छा तरीका है" विषय पर एक बहस आयोजित की । कार्यक्रम बेहद सफल रहा और डॉ. पुनीत चांदला ने धन्यवाद ज्ञापन दिया । राजभाषा प्रकोष्ठ, आईक्यूएसी और फ्रैक्टल्स - द मैथमेटिक्स सोसाइटी के सहयोग से 23 नवंबर 2023 को एक और कार्यक्रम आयोजित किया गया । डॉ. रघुबीर शर्मा ने पीजीडीएवी कॉलेज (सांध्य) के छात्रों और कर्मचारियों के लिए "प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए राजभाषा के रूप में हिंदी का कार्यान्वयन: तार्किक समस्याएं और समाधान" विषय पर व्याख्यान दिया, जिसे खूब सराहा गया । अंत में, 4 मार्च, 2024 को संस्कृति और नैतिकता सेल, आईक्यूएसी, कौटिल्य परिषद, विकसित भारत समिति और फिनिक्स के सहयोग से "विकसित भारत के लिए गीता-आधारित “नीडोनॉमिक्स की प्रासंगिकता" पर एक वार्ता आयोजित की गई । मुख्य वक्ता के रूप में कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एम. एम. गोयल ने व्याख्यान दिया, जो एक शानदार सफलता भी रही ।

संप्रभु सोसाइटी (राजनीति विज्ञान विभाग)

संयोजक : डॉ. मनोज कुमार छात्र प्रतिनिधि : मुन्ना शर्मा

संप्रभु सोसाइटी, विभिन्न शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन करके सभी छात्रों के बहुमुखी विकास को बढ़ावा देने के दृढ़ उद्देश्य से काम करती है । संप्रभु द्वारा 21 अक्टूबर, 2023 को "बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की भूमिका" शीर्षक पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें राज्यसभा के प्रतिष्ठित सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा विशेष अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित रहे । 26 अक्टूबर, 2023 को एक अंतर-कॉलेज (हाइब्रिड) पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने "भारत- जर्मनी संबंधों की खोज" विषय में अपने पेपर प्रस्तुत किये । सोसायटी कीओर से 8 नवंबर, 2023 को "सेवा शिक्षा के मूल में है" शीर्षक विषय पर एक चिंतनशील संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में, सेवा भारती, दिल्ली प्रदेश की उपाध्यक्ष श्रीमती निधि आहूजा जी उपस्थित रहीं । 11 फरवरी, 2024 को, संप्रभु सोसायटी व कॉलेज की अभिव्यक्ति- युवा संसद सोसाइटी ने नेहरू युवा केंद्र, दक्षिण पूर्वी दिल्ली, के साथ मिलकर एक जिला स्तरीय पड़ोस युवा संसद का आयोजन किया । 20 मार्च, 2024 को, संप्रभु सोसाइटी ने कॉलेज के गांधी अध्ययन केंद्र के साथ मिलकर कॉलेज पुस्तकालय में "स्वच्छता-जीवन शैली का एक तरीका" पर एक प्रस्तुति प्रतियोगिता का आयोजन किया ।

फिनिक्स समिति (बी.ए.प्रोग्राम)

संयोजिका : प्रो. आशा रानी छात्र प्रतिनिधि : कुनाल यादव

महाविद्यालय के छात्रों में एक बहुत बड़ा वर्ग कला में स्नातकों का होता है जिनके लिए अलग से कुछ गतिविधियों का आयोजन किया जाता है । बी.ए. प्रोग्राम की 'फिनिक्स' सोसाइटी ने सत्रारंभ में नये पदाधिकारियों के लिए "बैज समारोह" और पूर्व पदाधिकारियों के लिए "आभार समारोह" का आयोजन किया । समिति ने महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति कलांजलि व अन्य समितियों के साथ मिलकर 26 जुलाई, 2023 को 24वां कारगिल विजय दिवस मनाया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदम श्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर थे और सम्मानित अतिथि कर्नल के.के.शर्मा थे । आधुनिक कार्यप्रणाली से मानव जीवन में जिस प्रकार तनाव ने जन्म लिया है उसे कम करने की दिशा में फिनिक्स ने 'सांस्कृतिक एवम नैतिक मूल्य समिति', एवम इस्कॉन के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26 अप्रैल,2024 को 'तनाव प्रबंधन' विषय पर वक्तव्य का आयोजन किया जिसमें श्री अनन्त राघव प्रभु जी का प्रेरक एवम अत्यंत उपयोगी व्याख्यान सुनने को मिला । सोसाइटी ने अप्रैल माह में तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के सम्मान में "विहान" नाम से कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें विदाई के साथ-साथ फिनिक्स के नये पदाधिकारियों को आने वाले समय में दायित्व निभाने के लिए बिल्ले पहनाये गए । इस कार्यक्रम में कई तरह की प्रतियोगिताओं के साथ-साथ गीत, संगीत और नृत्य का पुट भी सम्मिलित किया गया । कार्यक्रम में प्राचार्य जी के साथ-साथ समिति के सभी सदस्यों और अन्य शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही

कॉमर्स एसोसिएशन (वाणिज्य विभाग)

संयोजक : डॉ. सोनिका नागपाल छात्र प्रतिनिधि: रिया अरोड़ा

वाणिज्य परिषद् कॉलेज की एक सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की प्रमुख सोसाइटी है, जो वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों में पढ़ाई के अलावा अन्य क्षेत्रों में नवीन विचारों, सूचनाओं और महत्त्वपूर्ण जानकारियों को प्रदान करती है । कॉमर्स एसोसिएशन ने वर्षभर विभिन्न कार्यक्रमों, सेमिनारों, वेबिनार, अनुभवात्मक यात्राओं और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया । 22 जुलाई, 2023 को स्किल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल (SIEC), इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (IIC), करियर गाइडेंस कमेटी और एनेक्टस के सहयोग से कॉमर्स एसोसिएशन द्वारा "लीन स्टार्ट-अप: जर्नी की बारीकियों को समझना" पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था । श्री अरविंद देशमुख, एक उद्यमिता शिक्षक और नेतृत्व कोच, देशमुख ग्लोबल मैनेजमेंट सॉल्यूशंस के संस्थापक और प्रमुख सलाहकार को मु?य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया । वक्ता द्वारा स्टार्ट-अप से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण अवधारणाओं जैसे लीन स्टार्ट-अप, न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद आदि को समझाया गया । कॉमर्स एसोसिएशन ने अभिव्यक्ति, इंस्टीट्यूशनल इनोवेशन सेल (आईआईसी),स्किल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल (एसआईईसी), कौटिल्य परिषद, सृष्टि और सेवी के सहयोग से 28 अगस्त, 2023 को एक इंटर-कॉलेज बिजनेस पिचिंग प्रतियोगिता इनोवेशन एरिना का आयोजन किया । इसका उद्देश्य स्थायी लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से युवा दिमागों को अपने नवीन विचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है । इस कार्यक्रम ने रचनात्मकता, उद्यमिता और स्थिरता के एक रोमांचक अंतर्संबंध को चिह्नित किया ।

28 अगस्त, 2023 को एसआईईसी/आईआईसी और उधमोद्या फाउंडेशन (दिल्ली विश्वविद्यालय का स्टार्ट-अप इकोसिस्टम) के सहयोग से एसोसिएशन द्वारा 'एक्सीलेटर्स फैसिलिटेटिंग अर्ली स्टेज स्टार्ट-अप्स' पर एक वार्ता आयोजित की गई । डॉ. संजय कुमार, इनक्यूबेशन ऑपरेशंस मैनेजर उधमोद्या फाउंडेशन को कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया । सत्र का उद्देश्य भारत में उन संगठनों और सरकारी निकायों के बारे में जानकारी प्रदान करना है जो नवाचार को बढ़ावा देते हैं और उभरते उद्यमियों को उनके व्यावसायिक विचारों को विकसित करने और उनके स्टार्ट-अप को विकसित करने में सहायता करते हैं ।एसोसिएशन ने कौटिल्य परिषद के सहयोग से 26 सितंबर, 2023 को सहकारी व्यवसाय मॉडल पर एक इंटरैक्टिव जागरूकता सत्र का आयोजन किया । भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) के निदेशक राजीव शर्मा को मुख्य वक्ता के रूप में

आमंत्रित किया गया था । वक्ता ने इस क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न कैरियर अवसरों पर प्रकाश डालने के साथ-साथ भारत में सहकारी समितियों के व्यवसाय मॉडल की व्याख्या की ।

30 सितंबर, 2023 को IIC/SIEC ने उधमोद्या फाउंडेशन के सहयोग से 'समस्या, समाधान और विचार' पर एक वेबिनार आयोजित किया । उधमोद्य फाउंडेशन में नवाचार और उद्यमिता के कार्यकारी अधिकारी और शिक्षा मंत्रालय आईआईसी के नवाचार राजदूत प्रोफेसर रविंदर कौर को वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया । उन्होंने इस प्रक्रिया में उपयोग की जाने वाली तकनीकों और प्रभावी तरीके से समस्या की पहचान करने के लिए उपयोग की जाने वाली विधियों पर प्रकाश डालते हुए विचार-विमर्श की प्रक्रिया को विस्तृत किया । एसोसिएशन द्वारा 'उद्यमिता और नवाचार को करियर के अवसर के रूप में' विषय पर एक और सहयोगी वेबिनार आयोजित किया गया था जिसमें टी.आई.एम.ई. की प्रशिक्षक सुश्री अदिति शर्मा ने वक्ता के रूप में हिस्सा लिया । उन्होंने उद्यमिता के विभिन्न पहलुओं पर गहराई से विचार किया और एक व्यवहार्य करियर अवसर के रूप में उद्यमिता के आकर्षक कारणों पर प्रकाश डाला । 3 नवंबर, 2023 को एसोसिएशन द्वारा सहकारी मेले और इन्क्यूबेशन सेंटर का दौरा आयोजित किया गया । छात्रों को अपसाइक्लिंग प्रक्रिया में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों और मशीनों से परिचित कराया गया । छात्रों को एनसीयूआई हाट में वंचित महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टालों से भी प्रेरणा मिली । 22 नवंबर, 2023 को, एसोसिएशन ने नए पदाधिकारियों और विभाग प्रमुखों को बैज प्रदान करने और प्रस्ताव पत्र देने के लिए एन्थ्रोन- अलंकरण समारोह का आयोजन किया, जिन्हें साक्षात्कार की एक कठोर प्रक्रिया के माध्यम से चुना गया था । इस कार्यक्रम में एसोसिएशन का वार्षिक समाचार पत्र 'वाणिज्य' भी जारी किया गया । 13 फरवरी, 2024 को, एसोसिएशन ने 'कैरियर जागरूकता' पर एक वार्ता आयोजित की जिसमें सुश्री के. सत्यवर्धनी, एक प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी, एक लॉ ग्रेजुएट और एक करियर काउंसलिंग कोच को वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया । उन्होंने एक कंपनी सचिव के लिए भारत के साथ-साथ विदेशों में उपलब्ध विभिन्न अवसरों को प्रस्तुत करने के साथ-साथ सही करियर चुनने के महत्व पर प्रकाश डाला ।

26 फरवरी, 2024 को एसोसिएशन द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड का दौरा आयोजित किया गया था । इसने छात्रों को भारत में सेबी के दायरे और कामकाज के बारे में एक व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया । इसके अलावा इसने नैतिक निवेश और बाज़ार की अखंडता के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया और शेयर बाजार की स्थिरता बनाए रखने और भारत में निवेशकों के हितों की रक्षा करने में सेबी की महत्वपूर्ण भूमिका के लिए सराहना की । एसोसिएशन ने एसआईईसी/आईआईसी के सहयोग से 1 मार्च, 2024 को 'डिजाइन थिंकिंग एंड इनोवेशन' पर एक वेबिनार का आयोजन किया । प्रो. रविंदर कौर, जो उधमोद्या फाउंडेशन में इनोवेशन और उद्यमिता की कार्यकारी अधिकारी और शिक्षा मंत्रालय आईआईसी के इनोवेशन एंबेसडर हैं, उन्हें बातचीत के लिए आमंत्रित किया गया । उन्होंने डिज़ाइन थिंकिंग की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया कि यह प्रक्रिया एक सफल स्टार्ट-अप बनाने में कैसे मदद करती है । 12 मार्च, 2024 को एसोसिएशन ने 'मास्टर्स अब्रॉड' विषय पर एक सहयोगात्मक वार्ता का आयोजन किया । जंबूरी एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री विनीत गुप्ता को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया । उन्होंने लोकप्रिय अध्ययन स्थलों, विभिन्न देशों की शिक्षा प्रणालियों, विदेशी विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आवश्यक परीक्षणों आदि जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी अंतर्दृष्टि प्रदान की । 20 मार्च, 2024 को कॉलेज में कॉमर्स एसोसिएशन का एक इंटर-कॉलेज वार्षिक कार्यक्रम COMMANTRA आयोजित किया गया । वाणिज्य के बहुमुखी पहलुओं को शामिल करते हुए कुल छह प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया ।

विरासत-सोसाइटी **(** इतिहास विभाग**)**

संयोजिका **:** प्रो**.** मृदुला अरोड़ा छात्र प्रतिनिधि **:** अनुज पाण्डेय

परिषद की ओर से 16 मार्च, 2024 को कॉलेज से बी.ए. प्रोग्राम के लगभग 100 विद्यार्थियों के साथ नेशनल म्यूजियम (दिल्ली) में “स्टडी टूर” के लिए ले जाया गया । इस म्यूजियम में प्राक – ऐतिहासिक से लेकर आधुनिक समय तक की कलाकृतियां देखने को मिली । विद्यार्थियों को जो किताबों में पढ़ाया जा रहा था उनका कुछ अंश साक्षात देखने का अवसर मिलने पर रुचिकर लगा । 16 अप्रैल, 2024 को 'विरासत' ने बी.ए.प्रोग्राम के सभी विद्यार्थियों के लिए “इतिहास प्रश्नोत्तरी “का आयोजन किया गया । कई पड़ावों को पार कर तीन टीमों के बीच

प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान को लेकर कड़ा मुकाबला हुआ । यह काफी रोचक व ज्ञानवर्धक प्रतियोगता रही जिसमें विद्यार्थियों ने बहुत बढ़िया प्रदर्शन किया । 19 अप्रैल, 2024 को 'विरासत' की ओर से सत्यजित रे की फिल्म "शतरंज के खिलाड़ी" दिखायी गई क्योंकि यह Issues in world History: the 20th Century के पाठ्यक्रम का हिस्सा है ।

फ्रैक्टल्स (गणित विभाग)

संयोजिका : डॉ. कामिनी रावत छात्र प्रतिनिधि : तनीषा गोला

प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी फ्रैक्टल्स, ने 2023-24 में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया ।18 से 24 दिसम्बर, 2023 तक मनाये राष्ट्रीय गणित सप्ताह के अंतर्गत 21 दिसम्बर को गणित विभाग द्वारा आई. क्यू. ए. सी., फिल्म ऐप्रीसीएशन समिति व शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के गणित में अभूतपूर्व योगदान को स्मरण करते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अनिल ठाकुर, स्टेट कोऑर्डिनेटर, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास दिल्ली का सान्निध्य प्राप्त हुआ, तथा गणित विभाग की प्रभारी श्रीमती उदिता अग्रवाल का मार्गदर्शन मिला । कार्यक्रम में महान गणितज्ञ रामानुजन के जीवन चरित्र एवं गणित में किये गए उनके अभूतपूर्व योगदान को प्रदर्शित कराती लगभग 41-42 मिनट्स की फिल्म का बड़ी स्क्रीन पर प्रदर्शन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार ठाकुर जी ने अपने वक्तव्य में आज के समय में वैदिक गणित की प्रासंगिकता की ओर सभी का ध्यान आकृष्ट कराया, साथ ही रामानुजन के गणित में योगदान की महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं । उन्होंने वैदिक गणित के सूत्रों का बड़ी सरलतापूर्वक उपयोग करना बताया । तत्पश्चात एक शार्ट क्विज का आयोजन किया गया, जो दिखलाई गयी फिल्म रामानुजन के जीवन एवं गणित के क्षेत्र में उनके द्वारा किये गए उल्लेखनीय कार्य पर आधारित थी । सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को पुरुस्कृत किया गया । इस कार्यक्रम के दौरान लगभग 150 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही । फ्रैक्टल्स द्वारा 13 मार्च, 2024 को आई.क्यू.ए.सी. व रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल के संयुक्त तत्वावधान में Research Methodology for Undergraduate Students विषय पर वक्तव्य का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अनुराधा गुप्ता, दिल्ली कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स, दिल्ली यूनिवर्सिटी का सान्निध्य प्राप्त हुआ । प्रो. अनुराधा गुप्ता ने अपने व्याख्यान में शोध प्रविधि के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डाला व अनुसन्धान के विभिन्न चरणों का सूक्ष्म विवरण दिया । उन्होंने शोध के दौरान आने वाली विभिन्न चुनौतियों के बारे में जानकारी साझा की । इस कार्यक्रम के दौरान लगभग 76 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही ।

कौटिल्य परिषद् (अर्थ शास्त्र विभाग)

संयोजिका : डॉ. दीपिका शर्मा छात्र प्रतिनिधि : शिवम त्रिपाठी

18 सितम्बर, 2023 को ' G-20 का अर्थशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य' (Economics perspective of G-20) विषय पर एक महत्त्वपूर्ण वक्तव्य का आयोजन किया गया ।दिनांक 26 सितम्बर, 2023 को कोआपरेटिव बिज़नस मॉडल्स पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री राजीव शर्मा, निदेशक ऐन.सी. यू. आई. की गरिमामयी उपस्थिति रही ।13 मार्च,2024 को सेवी का दौरा किया गया |अन्य समितियों के संयुक्त तत्वावधान में एनवायरमेंटल डीग्रेडेशन एंड ग्लोबल वार्मिंग (Environmental Degradation and Global Warming) विषय पर रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । परिषद् की ओर से 18 सितम्बर,2023 को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । 13 फरवरी, 2024 को करिअर अवेयरनेस पर ओरिएंटेशन सेशन का आयोजन किया गया । कौटिल्य परिषद् द्वारा 3 नवम्बर,2023 को कोआपरेटिव फेयर और इन्क्यूबेशन सेंटर का दौरा किया गया ।28 अक्टूबर, 2023 को (Entrepreneurship and Innovation as Career Opportunity) विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया । 4 मार्च, 2024 को (Relevance of Geeta-Based Needonomics for Viksit Bharat) विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया ।

सृष्टि समिति (पर्यावरण विभाग)

संयोजक : डॉ. मयंक पाण्डेय छात्र प्रतिनिधि : शरण्यं सिंह

कॉलेज में मनोनीत पर्यावरण परिषद् एक ऐसा सक्रिय समूह है, जो कॉलेज परिवार के सहयोग से प्रत्येक व्यक्ति, विशेषकर विद्यार्थियों में पर्यावरणीय जागरूकता एवं संवेदना पैदा करने के लिए निरंतर विविध प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करता है । पर्यावरण कमेटी वर्ष भर बहुत ही अहम कार्य करती है । यमुना पारिस्थितिक बहाली परियोजना का अध्ययन करने के लिए 29 छात्रों के एक समूह ने 3 जुलाई, 2023 को यमुना जैव विविधता पार्क का भ्रमण किया । दिनांक 6 जुलाई, 2023 को दिल्ली के अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क में पर्यावरण अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और डीडीए बायोडायवर्सिटी पार्क द्वारा संयुक्त रूप से Evolution of Lung Loss in Terrestrial Vertebrates विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें प्रोफेसर जेम्स हैंकेन, हार्वर्ड प्राणीशास्त्र संग्रहालय के पूर्व निदेशक और हर्पेटोलॉजी के वर्तमान क्यूरेटर सेमिनार के प्रमुख वक्ता थे । विश्व ओजोन दिवस 2023 के उपलक्ष्य में ओजोन परत के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस (विश्व ओजोन दिवस - 16 सितंबर) पर, पर्यावरण समिति सृष्टि ने IQAC के सहयोग से 18 सितंबर, 2023 को भारत में मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन पर एक वेबिनार का आयोजन किया । श्री आदित्य नारायण सिंह, अतिरिक्त निदेशक, ओजोन सेल, पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे, जिन्होंने ओजोन परत के क्षरण को रोकने के लिए मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल की प्रासंगिकता और महत्व पर जोर दिया । 'श्रवस्यम' सृष्टि का वार्षिक कार्यक्रम 14 अक्टूबर, 2023 को आयोजित किया गया, जिसमें सोसायटी ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की और विहंग - फ्लाइंग विजिटर्स टू द कॉलेज नामक पक्षी विविधता का संग्रह जारी किया । सोसायटी के नए पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की गई और उन्हें बैज दिए गए । कॉलेज की वानस्पतिक विविधता का आकलन करने के लिए, डॉ. मयंक धर

द्विवेदी, प्रिंसिपल प्रोजेक्ट एसोसिएट, प्रौद्योगिकी सक्षम केंद्र, हैदराबाद विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को 17 जनवरी, 2024 को महाविद्यालय में आमंत्रित किया गया । महाविद्यालय की वानस्पतिक विविधता पर रिपोर्ट तैयार करने का कार्य प्रगति पर है । कॉलेज के छह छात्रों को वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा वाल्मिकी टाइगर रिजर्व, बिहार में एक महीने के लिए वजीफा आधारित इंटर्नशिप के लिए चुना गया । पर्यावरण सोसायटी ने 2 फरवरी, (विश्व वेटलैंड्स दिवस 2024) को 'Conserving Wetlands for Our Well-beings' विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. समीर कुमार सिन्हा आमंत्रित वक्ता थे, जिन्होंने मानव जाति की भलाई में आर्द्रभूमि की भूमिका के बारे में बात की । इस कार्यक्रम को विश्व वेटलैंड्स दिवस की आधिकारिक वेबसाइट पर ऐड योर इवेंट सेक्शन के तहत भी पंजीकृत किया गया था ।

कैंपस बर्ड काउंट 2024: सृष्टि - कॉलेज की पर्यावरण सोसायटी और विहंग - सृष्टि के तहत बर्डिंग क्लब ने 19 फरवरी, 2024 को सीबीसी 2024 में भाग लिया । इसके लिए कॉलेज को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया । पर्यावरण समिति ने सृष्टि 18 मार्च, 2023 को Google मीट के माध्यम से Sustainability Reporting: Introduction and Future Prospects पर एक वेबिनार का आयोजन किया । गेल इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधक श्री आनंद आचार्य कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ता थे । वेबिनार के दौरान चौंतीस प्रतिभागी (छात्र और संकाय सदस्य) उपस्थित थे । सृष्टि की जैव विविधता संरक्षण गतिविधियों को प्रोत्साहित करते हुए, भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट (डब्ल्यूटीआई) ने सृष्टि सोसाइटी के लिए 10 दूरबीन और भारतीय स्तनधारियों पर एक फील्ड गाइड दिया जिसकी कुल कीमत लगभग 1.5 लाख है ।

शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विज्ञान विभाग संयोजक : प्रो. प्रमोद सेठी

महाविद्यालय का शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद विज्ञान विभाग दो प्रकार के कार्यों में संलग्न है । बी.ए.प्रोग्राम में सभी सत्र में DSE विषय 'शारीरिक शिक्षा' पढ़ाने के अतिरिक्त शारीरिक शिक्षा विभाग महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सभी प्रकार के खेल प्रशिक्षण संबंधी सुविधाओं को व्यवस्थित रूप से

उपलब्ध कराना, खेलों से जुड़ी स्कॉलरशिप और खेल संबंधी सभी गतिविधियों में खेल छात्रवृत्ति, प्रेरणा प्रदान के क्रियान्वन और निरीक्षण आदि कार्य देखता है । इस वर्ष 16 विद्यार्थियों ने खेल कोटे से विभिन्न खेलों में प्रवेश लिया । इस वर्ष 100 छात्रों ने एथलेटिक्स, बास्केट बॉल, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल, जूडो, वॉली बॉल, कबड्डी, तायक्वोंडो और वेटलिफ्टिंग जैसे 11 खेलों में कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया और दिल्ली विश्वविद्यालय अंतर कॉलेज खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया । कॉलेज के छात्रों ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर आमंत्रण और ओपन खेल प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया, जिसके लिए खिलाड़ियों ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत और अनुशासित तरीके से काम किया ।

वर्ष 2023-24 के दौरान, बी.ए. (प्रोग.) तृतीय वर्ष के विनीत कुमार ने दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 100 मीटर दौड़ में दूसरा स्थान (रजत पदक) हासिल किया व दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में 400X100 मीटर रिले रेस में भाग लिया । कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (KIIT), ओडिशा में इंटर यूनिवर्सिटी एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लिया ।बी.ए. (प्रोग.) तृतीय वर्ष के चेतन ने दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज बॉक्सिंग चैंपियनशिप में प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक) हासिल किया और दिल्ली विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी में नॉर्थ-ईस्ट जोन इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भाग लिया ।

उन्होंने दिल्ली सीनियर स्टेट बॉक्सिंग चैंपियनशिप में तीसरा स्थान (कांस्य पदक) भी हासिल किया ।बी.ए. (प्रोग) प्रथम वर्ष के रौनक ने दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक) हासिल किया । उन्होंने दिल्ली स्टेट वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में दूसरा स्थान (रजत पदक) भी हासिल किया । एथलेटिक स्पर्धाओं में बी.ए. (प्रोग.) तृतीय वर्ष के गुरुदेव ने दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज एथलेटिक चैंपियनशिप में भाला फेंकने पर प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक) और डिस्कस थ्रो में दूसरा स्थान (रजत पदक) हासिल किया । बी.ए. (प्रोग.) प्रथम वर्ष के प्रथम सिंह ने दिल्ली ओलंपिक ताइक्वांडो खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान (स्वर्ण पदक) हासिल किया । इस वर्ष हमारे कॉलेज की वॉलीबॉल (पुरुष) टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और महाराज अग्रसेन ओपन इनविटेशनल इंटर कॉलेज वॉलीबॉल चैंपियनशिप में प्रथम स्थान हासिल किया । टीम ने कॉलेज की ओर से दिल्ली यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज, दिल्ली ओलंपिक, सीनियर्स दिल्ली स्टेट, प्रथम डॉ. के.पी भट्ट मेमोरियल, वाई.एम.सी.ए और डॉ. भरत राम स्पोर्ट्स आमंत्रण वॉली बॉल टूर्नामेंट में भी भाग लिया । इसके अलावा इस वर्ष कॉलेज की क्रिकेट, बैडमिंटन, बास्केट बॉल और फुट बॉल टीमों ने दिल्ली विश्वविद्यालय टीम के चयन ट्रायल में भाग लिया । इस वर्ष कॉलेज की खेल समिति, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग ने ऐसे छात्रों के लिए नकद पुरस्कार के रूप में कॉलेज खेल छात्रवृत्ति की पेशकश की, जो दिल्ली विश्वविद्यालय के अंतर कॉलेज टूर्नामेंट में स्थान रखेगा, अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता, राज्य, जूनियर और में भाग लेगा या स्थान सुरक्षित करेगा । वरिष्ठ राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में नकद पुरस्कार 8000/- रुपये, 5,000/- रुपये, 3,000/- रुपये था और उत्कृष्ट खिलाड़ियों को ट्रैक सूट, टी. शर्ट, ट्रॉफी, स्पोर्ट्स किट दी गई । कॉलेज के शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान विभाग ने कॉलेज के पुरुष और महिला छात्रों के लिए इंट्रा कॉलेज शतरंज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया ।

स्टाफ काउंसिल द्वारा पारित महत्त्वपूर्ण समितियां और प्रकोष्ठ

कॉलेज को सुचारू रूप से चलाने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक समितियों का गठन किया जाता है जो वर्ष भर नाना प्रकार से अकादमिक, सांस्कृतिक व अन्य गतिविधियों का आयोजन करती है ।

टाईमटेबल कमेटी संयोजक : श्री जसपाल सिंह

किसी भी संस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए समय सारिणी बहुत आवश्यक अंग होती है । श्री जसपाल जी पिछले कई वर्षों से इस कार्य को बड़ी निपुणता से समय पर करते आये हैं । वे विश्वविद्यालय के बदलते नियमानुसार शिक्षकों को समय-समय पर उचित समयसारणी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहते हैं । उनका यह कार्य निर्बाध रूप से वर्षभर चलता है ।

कलांजलि-सांस्कृतिक परिषद्

संयोजिका : श्रीमति उदिता अग्रवाल छात्र प्रतिनिधि : सक्षम जैन, रणवीर एवं साक्षी

यह समिति किसी भी संस्था की एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण समिति होती है जिसमें बच्चों का पढाई के अलावा विभिन्न कलाओं के माध्यम से सर्वागीण विकास होता है । प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी महाविद्यालय की सांस्कृतिक परिषद् ने वर्षभर अनेक कार्यक्रमों का अत्यंत उल्लास एवं जोश से सफलतापूर्वक आयोजन किया । महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति कलांजलि ने 26 जुलाई, 2023 को कॉलेज की विभिन्न समितियों जैसे एनसीसी, संकल्प, एनएसएस, युवा, बीए प्रोग सोसाइटी के सहयोग से जम्मू-कश्मीर पीपुल्स फोरम के संयुक्त तत्वाधान में 24वां कारगिल विजय दिवस मनाया । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदम श्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर थे और सम्मानित अतिथि कर्नल के.के.शर्मा थे । इस कार्यक्रम में फोरम के लगभग 150 सदस्यों और कॉलेज के 200 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया । कार्यक्रम में सांस्कृतिक समिति के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सबके दिलों को छू लिया । कारगिल विजय को दर्शाती भव्य रंगोली ने भी सभी को आकर्षित किया। सितम्बर माह में 20 तारीख़ को कलांजलि की एथेना सोसाइटी ने 'भारत द्वारा G -20 के संदर्भ में " वसुधैव कुटुम्बकम" की प्रासंगकिता'विषय पर एक अंतरमहाविद्यालयी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया।फ्रेशर्स की छुपी हुई प्रतिभाओं की पहचान करने के लिए, सांस्कृतिक समिति 'कलांजलि' ने 5 अक्टूबर, 2023 को प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक टैलेंट हंट (2023-24) का आयोजन किया जिसमें प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 12 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । इसके द्वारा 'कलांजलि' को बहुत अच्छी नयी प्रतिभायें मिली । कार्यक्रम के आरंभ में कलांजलि और उसके अंतर्गत 5 समितियों षड्ज, इंद्रधनुष, तरंग, एथेना और रेवा के विद्यार्थी पदाधिकारियों को बैज दिये गये । टैलेंट हंट प्रोग्राम के बाद महाविद्यालय द्वारा प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमें कलांजलि की सभी सोसायटियों के सदस्यों ने अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया ।

दिल्ली विश्वविद्यालय की संस्कृति परिषद के अंतर्गत भारत के G20 की अध्यक्षता का जश्न मनाने के लिए 31 अक्टूबर, 2023 को G20 Indo-German Symposium and Cultural Extravaganza नाम से कॉलेज परिसर में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया । कलांजलि सोसाइटी के सदस्यों ने न केवल इस कार्यक्रम के आयोजन में स्वेच्छा से भाग लिया, बल्कि भारतीय पौराणिक कथाओं की कहानियों को दर्शाते हुए शास्त्रीय नृत्य व रामचरितमानस चौपाई गायन को भी खूबसूरती से प्रस्तुत किया । कार्यक्रम में सभी अतिथियों द्वारा प्रदर्शन की बहुत सराहना की गई । साथ ही सुंदर रंगोलियां और आर्ट एंड क्राफ्ट सोसाईटी के विद्यार्थियों द्वारा बनाई सुंदर व भव्य पेंटिंग्स से बनी 'जी20' वॉल आकर्षण का केंद्र रही ।

कलांजलि सोसाइटी ने 10 नवंबर, 2023 को वार्षिक दीपावली उत्सव कार्यक्रम "दीप उत्सव " का आयोजन किया । पूरे महाविद्यालय परिसर में दिये जलाये गये, दियों से आलोकित परिसर में इंद्रधनुष द्वारा बनायी सुंदर रंगोली, षड्ज द्वारा भजन और रामचरितमानस चौपाई गायन तथा तरंग द्वारा प्रस्तुत भक्ति नृत्य ने दीपावली उत्सव को परिपूर्ण कर दिया । यह दिवाली उत्सव पूरे दिल्ली विश्वविद्यालय में अपनी तरह का एकदम् अनूठा उत्सव रहा । सांस्कृतिक समिति कलांजलि को 22 जनवरी, 2024 को कॉलेज परिसर में आयोजित भव्य "रामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव" के आयोजन में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों के रूप में विभिन्न क्षेत्रों से विशेषज्ञ और विद्वान उपस्थित थे । विद्यार्थियों द्वारा राम भजन और रामचरितमानस चौपाई गायन और नृत्य नाटिका द्वारा राम कथा प्रस्तुति ने वातावरण को राममय कर दिया । फूलों द्वारा सुंदर सजावट और राममंदिर प्रभू श्रीराम की सुंदर छवि को दर्शाती भव्य रंगोली ने सबका मन मोह लिया ।

कलांजलि की एथेना सोसाइटी द्वारा 29 जनवरी, 2024 को राष्ट्रीय कवि संगम, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के युवा कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की । सांस्कृतिक समिति ने 4 और 5 अप्रैल, 2024 को वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव "प्रवाह" का आयोजन किया । इस वर्ष महोत्सव का थीम "विकसित भारत: पुरानी नींव, नया निर्माण" रखा गया । इसमें दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-एनसीआर के अन्य कॉलेजों से 2500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया । इसके अंतर्गत कॉलेज परिसर में 28 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जो एक रिकार्ड है । प्रतियोगिताओं में 900 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया । उत्सव में पिछले 3 वर्ष से आयोजित भारतीय संस्कृति से जुड़ी प्रतियोगिताओं जैसे रामचरित मानस चौपाई गायन, लोक चित्रकला, लोक गायन, योग, मेहंदी आदि का आयोजन किया गया व साथ ही इस वर्ष संस्कृत गीत गायन प्रतियोगिता का भी शुभारम्भ किया गया । फोटोग्राफी सेल और आर्ट एंड क्राफ्ट सोसाइटी द्वारा प्रदर्शनी भी लगायी गयी । 4 अप्रैल को महोत्सव के उद्घाटन समारोह में भाजपा दिल्ली इकाई के महासचिव,पूर्व महापौर, ईडीएमसी और अध्यक्ष, दधीचि देहदान समिति के माननीय श्री हर्ष मल्होत्रा जी मुख्य अतिथि के रूप में और प्रसिद्ध पंजाबी गायक, संगीतकार और संगीत निर्देशक श्री कुलदीप संधू जी सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । पहले दिन का समापन कॉलेज के ही पूर्व छात्र के सम्मोहन बैंड की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति से हुआ । 5 अप्रैल को संगीत पर नाच गा कर 'प्रवाह-24' का भव्य समापन हुआ । इसके अतिरिक्त सांस्कृतिक समिति के विद्यार्थी कॉलेज में पूरे वर्ष होने वाले लगभग सभी कार्यक्रमों में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते हैं और रंगोली और सजावट का दायित्व भी निभाते हैं । छात्रा नुपुर की हम हर कार्यक्रम में भव्य रंगोली बनाने के लिये सराहना करते हैं । साथ ही ये विद्यार्थी अ?त?महाविद्यालय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते है और पुरुस्कार भी जीत कर लाते हैं । इस वर्ष कलांजलि की साहित्यिक समिति एथेना के विद्यार्थियों ने विभिन्न अंतरमहाविद्यालय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में 180 से अधिक पुरुस्कार जीत कर कॉलेज का नाम रौशन किया है । प्राचार्य कक्ष में उनके द्वारा लायी गयी 3 रनिंग ट्रॉफी भी शोभायमान हैं । सभी गतिविधियों में छात्र शरण्यम सिंह, दिव्य प्रताप और रजनीश शुक्ल का विशेष योगदान रहा । इस प्रकार कलांजलि समिति वर्ष भर सांस्कृतिक गतिविधियों में संलग्न रहती है ।

नाट्य समिति **'नेपथ्य'**

संयोजिका **:** डॉ**.** मीनाक्षी यादव छात्र प्रतिनिधि **:** संजना आज़ाद

थियेटर एक बड़ा ही जीवंत और शक्तिशाली जन माध्यम है जो दर्शकों के साथ सीधा संवाद करता है व जिसका प्रभाव चिरस्थाई होता है । इसीलिए तो रंगकर्मी सामाजिक प्रतिबद्धता महसूस करते हुए थियेटर को सामाजिक परिवर्तन के लिए एक कारगर औजार की तरह इस्तेमाल करते हैं । अपने नाटकों के माध्यम से विशाल जनसमूह को आनंद से आप्लावित करते हुए वे सामाजिक को रूढ़ियों और कुसंस्कारों से मुक्त करने में सार्थक हस्तक्षेप करते हैं । कॉलेज की नाट्य संस्था " नेपथ्य" ने 6 अप्रैल, 2024 को आयोजित वार्षिक कार्यक्रम उमंग, जिसकी थीम 'विकसित भारत : पुरानी नींव नया निर्माण' थी, में मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध थिएटर निर्देशक और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता श्री लोकेंद्र त्रिवेदी जी को मुख्यातिथि के रूप में आमंत्रित किया । लोकेंद्र त्रिवेदी ने अपने वक्तव्य में रंगकर्मियों को उद्भोधित करते हुए कहा कि 'भारत भूमि को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाने में विभिन्न सांस्कृतिक कलाओं का योगदान है और रंगमंच उनमें से एक है । रंगमंच एक स्वदेशी कला है जिसके माध्यम से प्राचीन काल से भारतीय अपनी संस्कृति को सौंदर्य के साथ सभी के समक्ष प्रस्तुत करते आ रहे हैं ।' प्राचार्य प्रो. रवींद्र कुमार गुप्ता जी ने मुख्य अतिथि, निर्णायक मंडल सहित कार्यक्रम में उपस्थित सभी

प्राध्यापकों, प्रतिभागियों और विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया तथा रंगमंच की महत्ता और आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए । महाविद्यालय की नाट्य समिति द्वारा समय-समय पर होने वाले विभिन्न रंगमंच कार्यक्रमों का भी उन्होंने संक्षिप्त परिचय कराया । साथ ही उन्होंने प्रतिभागियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया । इस अवसर पर नेपथ्य नाट्य समिति के मुख्य सदस्य प्रो. हरीश अरोड़ा ने अपने सम्बोधन में कहा कि रंगमंच केवल मंच तक सीमित नहीं रहता, अपितु वह आम जन के जीवन को बेहतर बनाता है । उन्होंने जोर देकर कहा कि रंगमंच एक ऐसी कला है जो जीवन को सकारात्मक दृष्टि प्रदान करता है । कॉलेज विद्यार्थियों को अवसर देता है कि वे इस रंगमंच का लाभ उठाएं और रंगमंच के क्षेत्र में अपने भविष्य की नई दिशाएं तय करें । कार्यक्रम में नेपथ्य नाट्य समिति के मुख्य सदस्य प्रो. शुभेंदु रंजन राज ने 'घासीराम कोतवाल' और 'तमस' जैसे सयक्त नाटकों की प्रस्तुतियों की चर्चा करते हुए अपने विचार रखते हुए कहा कि एक अच्छा अभिनय करने वाला कलाकार अपने अभिनय में इतना तल्लीन हो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि वह कब अभिनय करते-करते उस किरदार में बदल जाता है जिसका अभिनय वह कर रहा था । यही रंगमंच की विशेषता है । अभिनेता के साथ साथ सहृदय भी उस किरदार में स्वयं को महसूस करते हैं । नेपथ्य नाट्य समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम उमंग में 'चौपाल', 'रंगमंच', 'सब बिकता है' और 'मेरी आवाज' शीर्षक से चार प्रकार के मंचन कार्यक्रम हुए । इन सभी में दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों के 120 से भी अधिक विद्यार्थियों ने सामूहिक और एकल रूप में भाग लिया । कार्यक्रम में निर्णाणक मंडल के रूप में डॉ. कनिका पुरी, डॉ. अन्वी भटनागर, श्री सिद्धांत तलवार, श्री आशीष और श्री विनोद की गरिमामयी उपस्थिति रही । नेपथ्य की पूरी टीम ने एक पूरा दिन नाटकों को समर्पित करते हुए भरी दोपहरी में बड़े ही सहज रूप से इस कार्यक्रम को सफल बनाया । नुक्कड़ नाटकों के अदाकारों की इस बात के लिए भी तारीफ़ की जानी चाहिए कि वे ख़ुद गाते-बजाते, अभिनय करते हर मौसम की ताब को झेल जाते हैं । सारा दिन कड़ी धूप में बैठकर इन नुक्कड़ नाटकों को देखने के लिए शिक्षकों और छात्रों के रूप में जो दर्शकों की भूमिका में बने रहे, उनके धैर्य और रुचि को भी प्रणाम । समसामयिक मुद्दों पर हुई इन प्रस्तुतियों को देखकर एक संतुष्टि का भाव आया कि इस देश में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से परिवर्तन की जो आग जल रही है उसे और प्रज्वलित करने की जरूरत है । इस अवसर पर समसामयिक मुद्दों पर रंगकर्मियों की रचनात्मकता को देखकर दुष्यंत शायर की पंक्तियाँ याद आती रहीं ....

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,

मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए ।

करियर गाइडेंस समिति संयोजिका : प्रो.आशा रानी

करियर गाइडेंस समिति ने निर्धारित कार्यक्रमों की शुरुआत करते हुए अक्टूबर माह में 'कॉमन इंटरेक्शन कार्यक्रम' का आयोजन किया जिसमें कॉलेज के वाणिज्य विभाग से डॉ. जय शंकर शर्मा व अन्य शिक्षकों ने विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को मार्गदशन किया और परामर्श दिया । कॉलेज के सभी अनुशासनों से विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी शंकाओं का समाधान पाया । समिति ने 22 जुलाई, 2023 को स्किल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल (SIEC), इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (IIC), एनेक्टस व कॉमर्स एसोसिएशन के सहयोग से "लीन स्टार्ट-अप: जर्नी की बारीकियाँ " पर एक वेबिनार आयोजित किया । श्री अरविंद देशमुख, एक उद्यमिता शिक्षक और नेतृत्व कोच, देशमुख ग्लोबल मैनेजमेंट सॉल्यूशंस के संस्थापक और प्रमुख सलाहकार को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया । वक्ता द्वारा स्टार्ट-अप से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण अवधारणाओं जैसे लीन स्टार्ट-अप, न्यूनतम व्यवहार्य उत्पाद आदि को समझाया

गया, जिससे विद्यार्थियों को अपने जीवन में आगे बढ़ने के लिए कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुईं । समिति की ओर से 18 अक्टूबर, 2023 को संस्कृत-परिषद् के संयुक्त तत्त्वावधान में 'संस्कृत में आजीविका के अवसर' विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में आये डॉ. दिनेश यादव, सहायकाचार्य, शिक्षा विभाग, श्रीलालबहादुरशास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, ने अपने में उद्बोधन में संस्कृत के विद्यार्थियों के लिए अनेक क्षेत्रों में उपलब्ध होने वाले अवसरों की विस्तृत जानकारी दी ।13 फरवरी, 2024 को,करियर गाइडेंस कमिटी कई कमेटियों के साथ मिलकर 'करियर जागरूकता' पर एक वार्ता आयोजित की जिसमें सुश्री के. सत्यवर्धनी, जोकि एक प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी, एक लॉ ग्रेजुएट और एक करियर काउंसलिंग कोच हैं,को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया । उन्होंने एक कंपनी सचिव के लिए भारत के साथ-साथ विदेशों में उपलब्ध विभिन्न अवसरों को प्रस्तुत करने के साथ-साथ सही करियर चुनने के महत्व पर प्रकाश डाला । इस प्रकार यह कमेटी लगातार विद्यार्थियों को आजीविका के अवसरों से परिचित करवाती रहती है ।

कंप्यूटराइजेशन एवं ऑटोमेशन समिति संयोजक : डॉ. अजय कुमार गर्ग

यह समिति सूचना एवं प्रौद्योगिकी से सम्बंधित समस्त आवश्यकताओं के सफल संचालन और संरक्षण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कार्य करती है । यह एक सतत प्रक्रिया है जिसे कॉलेज में वार्षिक स्तर पर पूर्ण रूप से संपन्न किया जाता है । कॉलेज के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि समिति द्वारा ई - प्रमाणपत्र के संबंध में एक नवीन पहल की गयी है । ई - प्रमाणपत्र वितरण की दिशा में उठाया गया यह प्रयास विगत व्यवस्था को परिवर्तित करके एक नए आयाम स्थापित करता है । इस ई - व्यवस्था से विद्यार्थी अपने सभी महत्त्वपूर्ण प्रमाणपत्रों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न प्रयोगों में ला सकते हैं । यह प्रयास संसाधनों के सक्षम एवं समुचित उपयोग की दिशा में वह सराहनीय प्रयास है, जिससे समय की बचत के साथ-साथ स्वयं को वर्तमान के संसाधनों और ई-सुशासन की ओर कॉलेज द्वारा बढ़ाया गया सार्थक क़दम है । कॉलेज वेबसाइट को निरंतर अद्यतन किया जाता है । समिति मौजूदा वेबसाइट को लगातार नवीन, आकर्षक, अव्यवस्था मुक्त और उपयोगी बनाने की दिशा में भी कार्य करती है । इस अवधि के दौरान समिति द्वारा पुस्तकालय में कोहा साफ्टवेयर संस्थापित किया गया तथा पुस्तकालय कर्मचारियों का नए साफ्टवेयर से संबंधित प्रशिक्षण पूरा किया गया । टीचिंग स्टाफ के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड जेनरेट किया गया, जिसे ई-मेल के जरिए फॉरवर्ड किया गया । डेटा का बैकअप व्यवस्थापक, खातों और पुस्तकालय द्वारा लिया जाता है और संबंधित लोग इसकी पुष्टि करते हैं । प्रशासन विभाग द्वारा ऑनलाइन उपस्थिति और असाइनमेंट मार्क्स का बैकअप लिया जा रहा है । वेबसाइट का अद्यतन साप्ताहिक आधार पर किया जाता है । महाविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों, वार्ता, सेमिनार, वेबिनार आदि की समस्त सूचनाओं को समय पर वेबसाइट पर रिकार्ड करने एवं अद्यतन करने के लिए गूगल फॉर्म बनाया गया है । कॉलेज ने पाठ्येतर गतिविधियों के विजेताओं और प्रतिभागियों व वेबिनार आदि के प्रतिभागियों और वक्ताओं के लिए ई - प्रमाणपत्र जारी करना शुरू कर दिया है । यह कम्प्यूटरीकरण और स्वचालन समिति के प्रमुख कार्यों में से एक है । समिति गूगल ड्राइव के साथ-साथ बाहरी हार्ड ड्राइव में ई-प्रमाणपत्र से संबंधित सभी अभिलेखों का बैकअप लेती है । समिति द्वारा वर्ष भर अत्यंत सजगता से इसके नवीनीकरण और रखरखाव की ज़िम्मेदारी निभायी जाती है । समिति को सौंपी गई जिम्मेदारी में यह सुनिश्चित किया गया है कि कॉलेज में उपयोग किए गए विभिन्न सॉफ्टवेयर के माध्यम से उत्पन्न विभिन्न डेटा की आवधिक बैकअप की निगरानी रखी जाए । अत: यह सराहनीय प्रयास वर्ष भर अत्यंत ज़िम्मेदारी के साथ कुशलतापूर्वक नियंत्रित और संचालित किया जाता है । कॉलेज की 'कम्प्यूटरीकरण और स्वचालन समिति' ने पूरे वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों और आयोजनों के लिए कुल 338 ई - प्रमाण पत्र जारी किए । महाविद्यालय की वेबसाइट को समय - समय पर आवश्यकताओं के अनुसार नियमित रूप से अपडेट और संशोधित किया जाता है । समिति ने कॉलेज पुस्तकालय के स्वचालन के लिए काम किया । समिति ने कॉलेज में प्रमुख कंप्यूटरों का बैकअप भी सुनिश्चित किया है । फिलहाल कमेटी कॉलेज की वेबसाइट को अपडेट और रीस्ट्रक्चर करने का काम कर रही है ।

फिल्म एप्रिसिएशन समिति संयोजक : डॉ. नीतीश बागड़ी

इस समिति का उद्देश्य कॉलेज के विद्यार्थियों में श्रेष्ठ फिल्मों के माध्यम से राष्ट्र प्रेम, कर्तव्यपरायणता, संवेदनशीलता, परोपकारिता की भावना विकसित करने के साथ-साथ उन्हें देश का एक अच्छा नागरिक बनाना है । फिल्मों द्वारा छात्र-छात्राओं में रचनात्मकता के गुण का विकास भी किया जा सकता है ।

फिल्म एप्रिसिएशन समिति की भूमिका विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए केवल मंच प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि उनकी बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए एक स्रोत के रूप में भी काम करना है । यह समिति समसामयिक मुद्दों से संबन्धित फिल्मों और वृत्तचित्रों के माध्यम से छात्रों के बीच सिनेमा में रुचि को प्रोत्साहित करने की कोशिश करती है । समिति ने इसी क्रम में साक्षात्कार के माध्यम से फिल्म एप्रिसिएशन समिति के प्रतिनिधियों में ऑफ़िस बेयरर पोस्ट्स का गठन किया गया जिसमें समन्वयक, सह समन्वयक आदि पद दिए गए हैं । समिति ने विद्यार्थियों को एनिमेशन फिल्मों के तकनीकी पक्ष की जानकारी देने के लिए "एनिमेशन की दुनिया से एक मुलाक़ात" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया । फिल्म एप्रिसिएशन समिति के द्वारा दिल्ली फ़िल्म सोसायटी (सम्बद्ध-भारतीय चित्र साधना) के संयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय "लघु फिल्म प्रदर्शनी समारोह" का आयोजन किया गया । इस अवसर पर भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष, स्वाधीन भारत के 75 वर्ष, वोकल फ़ॉर लोकल, भारतीय संस्कृति और मूल्य, इनोवेशन (नवाचार), परिवार, पर्यावरण, ऊर्जा, शिक्षा एवं कौशल विकास आदि विषयों पर लघु फिल्में प्रदर्शित की गयीं । समय-समय पर समिति ने पाठ्यक्रम में निर्धारित फिल्मों को भी बड़ी स्क्रीन पर दिखाया । दिसम्बर को गणित विभाग के साथ मिलकर फिल्म ऐप्रीसीएशन समिति ने गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के गणित में अभूतपूर्व योगदान को स्मरण करते लगभग 41-42 मिनट्स की फिल्म का बड़ी स्क्रीन पर प्रदर्शन किया ।इस कार्यक्रम के दौरान लगभग 76 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही ।

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रोग्राम ऑफिसर :श्री बलवंत सिंह छात्र प्रतिनिधि :यशोदा शर्मा

महाविद्यालय की एन. एस. एस. इकाई ने वर्ष 2023-2024 में अनेक योजनाओं के साथ काम किया है । 21 जून को एनएसएस, संकल्प और एनसीसी ने 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' पर एक सेमिनार आयोजित किया । योग-विशेषज्ञ कु. विदुशी गुप्ता द्वारा विभिन्न योगासन को समझाया गया । कॉलेज के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गैर- शिक्षक कर्मचारियों द्वारा जीवन में योग के महत्व' व इससे मिलने वाले लाभ को सभी ने योग-आसनों द्वारा ग्रहण किया । 26 जुलाई को 'कारगिल विजय दिवस' मनाया गया, मुख्य अतिथियों के रूप में कर्नल के. के. शर्मा और कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ की गरिमामयी उपस्थित थी । दीप प्रज्वलन, सरस्वती वंदना, डी.ए.वी (सांध्य) गान के पश्चात् सैनिकों की बहादुरी और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करने वाली भावपूर्ण व संवेदनात्मक अभिव्यक्ति प्राचार्य जी एवं आमंत्रित अतिथियों द्वारा प्रकट की गई । 5 अगस्त, 2023 को इकाई द्वारा 'उल्लास' वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें नृत्य व गायन की प्रस्तुतियों के साथ-साथ मुख्य अतिथि श्री जसवंत अग्रवाल व प्राचार्य दवारा एनएसएस वार्षिक पत्रिका 'कर्तव्य' के तीसरे अंक का लोकार्पण किया गया । 5 अगस्त को इकाई ने 'नशा मुक्ति' विषय पर एक रैली आयोजित की गई जिसमें स्वयंसेवक व पाठशाला के बच्चे शामिल थे । महाविद्यालय से नेहरू नगर के स्लम एरिया तक यह रैली निकाली गई । नशा-मुक्त भारत की प्रतिज्ञा के साथ इस रैली का समापन हुआ । 14 अगस्त को 'अखंड भारत संकल्प दिवस' के पावन अवसर पर स्वयंसेवकों दवारा अत्यंत हर्ष के साथ रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया गया । हाथ से बनी राखियों का निर्माण स्वयंसेवकों दवारा किया गया और सैनिकों के लिए छात्राओं द्वारा भावपूर्ण पत्र लिखे गए । यह हमारे वीर सैनिकों के अमर बलिदान और उनकी बलिदान भावना को प्रतिष्ठित करता है । 5 सितंबर 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया गया जहां स्वयंसेवकों ने शिक्षकों को हाथ से बने अभिवादन-आशीर्वाद कार्ड में सभी शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति अभिव्यक्त किए गए । इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर रविंद्र कुमार गुप्ता द्वारा अपने विचार अभिवादन कार्ड पर प्रकट किए गए । नवंबर 2023 को इकाई ने 'गांधीजी की भूमिका' पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें भारत के इतिहास और समाज पर गांधीजी के प्रभाव का मूल्यांकन किया गया । गांधीजी के योगदान और उसके आदर्शों का अनुकरण किया जाए, इसी विचार को प्रतियोगिता द्वारा विद्यार्थियों में प्रेरित किया गया । जनवरी, 2024 को महाविद्यालय में 'स्वच्छता प्रतिज्ञा कार्यक्रम' का आयोजन किया गया । स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देते हुए स्वास्थ्यपूर्ण व सतत् भविष्य के लिए व्यक्तिगत स्तर पर स्वच्छता के महत्व पर प्रतिज्ञा ली गई । 17 सितंबर को 'गांधी स्मृति संग्रहालय' की यात्रा के अंतर्गत गांधीजी के जीवन और सिद्धांतों के प्रति निरंतर सम्मान भाव रखने और उनके आदर्शों पर अनुकरण करने का संकल्प लिया गया । 1 अक्टूबर को सफाई अभियान का आयोजन किया गया जिसमें 9:30 से 11:00 बजे तक स्वयंसेवकों और समस्त शिक्षकों की आगीदारी की गई ।

महाविद्यालय के निकट 'प्रताप कैम्प जाकर स्वच्छता और जन-समाज को इस विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई । कैंप की ओर से स्वयंसेवकों को समुदाय से समर्थन भी प्राप्त हुआ । 10 अक्टूबर को 'मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता' कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. गणेश कुमार मीणा ने मानसिक स्वास्थ्य के विषय में अपने विचार प्रकट किए । इस अवसर पर 'नैतिकला और भ्रष्टाचार' जैसे समकालीन विषय पर भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया । प्रकाश का त्यौहार दिवाली के शुभ अवसर पर 10 नवंबर को इकाई ने भव्य आयोजन किया गया । प्राचार्य जी ने इस त्योहार के महत्व के साथ सभी विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी ।1 दिसंबर को 'विश्व विकलांगता दिवस' के उपलक्ष्य में सेमिनार कक्ष में अनेक मुददों पर चर्चा की गई । सक्षम इंद्रप्रस्थ के योगदान को उजागर करते हुए स्त्री के अधिकारों और जागरूकता को अभिव्यक्त किया गया । दिसंबर 11 को नवागंतुक उत्साही छात्रों द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक बनने हेतु सफल साक्षात्कार दिया गया । स्वयंसेवक गरिमा, राहुल, ताजदार, आदित्य, अजय ने गांधी दर्शन, राजघाट पर हुए कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भागीदारी की । 14 जनवरी को राष्ट्रीय स्वाभिमान आंदोलन और महाविद्यालय द्वारा एक रैली संयुक्त रूप से आयोजित की गई, जिसमें स्वयंसेवकों और सामाजिक कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी की । मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर एक रैली भी निकाली गई इसका अंत उदासीन हरिहर आश्रम में किया गया । जहां सभी विद्यार्थियों व शिक्षकों ने मिल-बैठकर मकर संक्रांति के भोज का आनंद लिया । 20 मार्च को 'रक्तदान शिविर' का सफल आयोजन मेडिकल, युवा, रोटारैक्ट, रेड रिबन, संकल्प, एनसीसी व शुभाशीष आदि समितियां के साथ मिलकर किया गया । इस 'रक्तदान शिविर' में लगभग 90 विद्यार्थियों, कॉलेज-शिक्षकों व गैर शिक्षक कर्मचारियों द्वारा रक्तदान किया गया । 22 मार्च को 'राष्ट्रीय स्वाभिमान आंदोलन' एवं 'कॉलेज' के संयुक्त तत्वावधान में 'जल की उपयोगिता' जैसे महत्वपूर्ण विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया । कॉलेज के वरिष्ठ प्रोफेसर बी.एन. चौधरी द्वारा इस महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार रखे गए । राष्ट्रीय सेवा योजना के बहुउद्देशीय प्रोजेक्ट पाठशाला में कॉलेज के स्वयंसेवक प्रत्येक रविवार को कॉलेज में आकर महाविद्यालय के निकट बने स्लम एरिया के विद्यार्थियों को अनवरत रूप से शिक्षा देने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं ।

राष्ट्रीय कैडेट कोर **(N.C.C.)** ए. एन. ओ. लेफ्टिनेंट हरि प्रताप सिंह

लेफ्टिनेंट हरि प्रताप के मार्गदर्शन में 3 PGDAV COY. द्वारा कॉलेज में एकता और अनुशासन का प्रतीक झंडा ऊंचा रखा गया । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री रैली 2023 में 3 PGDAV COY के 5 कैडेट्स ने छत्रसाल स्टेडियम में मार्च किया ।अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर 2023-जूओ में ध्रुव जोशी और सीक्यूएमएस रिपांशु ने 19 से 30 सितंबर तक डीई एन सी सी में आयोजित 'अखिल भारतीय थल सैनिक शिविर' में भाग लिया । एनसीसी भवन में11 अक्टूबर, 2023 को "एक भारत श्रेष्ठ भारत" शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 7 कैडेटों ने भाग लिया । एक विशेष 'राष्ट्रीय एकता शिविर' 17 अक्टूबर, 2023 को केवडिया, गुजरात में आयोजित किया गया । 2 नवंबर, 2023 -जूओ शिविर' में वर्ष कुमार ने भाग लिया । एन सी सी कैडेटों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने प्रदर्शन करने का अवसर मिला । 'पैराबेसिक कोर्स 2023' पैराड्रपर्स ट्रेनिंग स्कूल, आगरा में 1 नवम्बर,2023 से आयोजित किया गया,जिसमें 22 नवम्बर, 2023-एसजीटी हरीश सिंह का चयन हुआ और उन्होंने सफलतापूर्वक शिविर में भाग लिया । 'शिवाजी ट्रायल ट्रेक' 18 नवंबर,2023 से 25 नवंबर,2023 तक कोल्हापुर, महाराष्ट्र में आयोजित किया गया था, कैडेट आशीष तिवारी और सीडीटी अभिषेक कुमार शिविर में शामिल हुए । 'एडवांस लीडरशिप कैंप 4' आनंद इंजीनियरिंग कॉलेज, कीठम में यूपी द्वारा आयोजित किया गया । गर्ल्स बटालियन, आगरा ग्रुप मुख्यालय द्वारा 19 नवंबर से 30 नवंबर तक का कार्यक्रम सीपीएल द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।'सरदार पटेल नर्मदा ट्रेक' 19नवंबर,2023 से 27 नवंबर,2023 तक केकेवदिया, गुजरात में आयोजित किया गया, जिसमें सार्जेंट प्रभु एक्का ने भाग लिया । 1 दिसंबर,2023 से 12 दिसंबर,2023 तक आर्मी अटैचमेंट कैंप 19 बिहार रेजिमेंट, शिविर नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें हमारे 14 कैडेटों ने भाग लिया । एसयूओ रितेश कुमार और सीएचएम रोहन ने रिपब्लिक डे कैम्प - 2024,को सफलतापूर्वक पूरा किया ।एनसीसी का सबसे प्रतिष्ठित शिविर जो 29 दिसंबर,2023 से 29जनवरी,2024 तक डीजी एनसीसी में आयोजित किया गया था जिसमें सुओ रितेश कुमार को दिल्ली निदेशालय के वरिष्ठ के रूप में नियुक्त किया गया । पीएम रैली कल्चर विशेष एकीकरण शिविर 19 जनवरी,2024 को आयोजित किया गया, 3 कैडेट ने शिविर में भाग लिया ।3 PGDAV COY को PGDAV के उन कैडेटों के नाम की घोषणा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है जो अब भारतीयों की सेवा करेंगे ।सेनापूर्व एलसीपीएल अभयदीप सिंह को एनसीसी विशेष प्रवेश 53 पाठ्यक्रम के

माध्यम से अनुशंसित किया गया था । इंटरप्लाटून प्रतियोगिता का आयोजन 3 पी.जी.डी.ए.वी. सीओवाई द्वारा किया गया जिसमें कई कार्यक्रमों वॉलीबॉल, ड्रिल, एथलेटिक्स, एनसीसी रन, क्विज़ का आयोजन किया गया । 3 PGDAV COY ने 8 अप्रैल, 2024 को अपने वार्षिक उत्सव "प्रबल" का सफलतापूर्वक आयोजन किया,जिसमें एडीजी संजय विश्वास राव सर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए ।

कॉलेज कैडेट कोर **'संकल्प' SANKALP (सी. सी. सी.)**

संयोजक **:** श्री मनोज कुमार छात्र प्रतिनिधि **:** जुगराज भदोरिया

कॉलेज संस्था 'संकल्प' College Cadet Corps आन्तरिक निकाय के रूप में छात्रों को राष्ट्रीय कैडेट कोर के अनुरूप शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक मंच प्रदान करता है । यह उन छात्रों के लिए है जो NCC में शामिल नहीं हो पाते । इस वर्ष, संकल्प कॉलेज कैडेट कोर की गतिविधियाँ केवल राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) के समकक्ष पारंपरिक शारीरिक प्रशिक्षण तक ही सीमित नहीं थीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक शिक्षण की प्रक्रियाओं में सक्रिय थी । संकल्प कॉलेज कैडेट कोर - 21 जून, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन पर योग विशेषज्ञ सुश्री विदुषी गुप्ता ने 'योग की महत्ता ' विषय पर एक सत्र आयोजित किया । संकल्प ने कॉलेज की अन्य समितियों एवं 'जम्मू कश्मीर पीपल्स फोरम' (दिल्ली) के संयुक्त तत्वावधान में 26 जुलाई, 2023 को "कारगिल विजय दिवस: पराक्रमी भारत- विजयी भारत" का आयोजन किया,जिसमें कर्नल के के शर्मा (एससी, एसएम बीएआर) और कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, एवीएसएम, संसद सदस्य मुख्य अतिथि थे । समिति ने 1 अक्टूबर, 2023 को कॉलेज के निकटवर्ती क्षेत्र, प्रताप कैंप स्लम में 'स्वच्छता ही सेवा' के आदर्श वाक्य के साथ एक सफाई अभियान (एक तारीख, एक घंटा) का आयोजन किया ।

2 नवंबर, 2023 को, संकल्प ने स्टूडेंट्स एसोसिएशन फॉर वर्बल इंटरेक्शन (SAVI) एवं भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) के साथ मिलकर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया और एक अंतर-कॉलेज भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया । संकल्प ने 20 मार्च, 2024 को कॉलेज के पोर्च क्षेत्र में ब्लड बैंक चंद्रा लक्ष्मी अस्पताल के साथ संयुक्त रूप से आयोजित रक्तदान शिविर में सक्रिय रूप से भाग लिया । अंत में, सभी शारीरिक प्रशिक्षण सत्र एनसीसी के साथ आयोजित किए गए ।

सेवी

(SAVI Student Association for Verbal Interaction) संयोजक **:** डॉ**.** मयंक पांडेय

इस विद्यार्थी समूह की शुरुआत प्राचार्य प्रो.आर. के. गुप्ता (संरक्षक) और डॉ. एस. सी. शर्मा (संयोजक) के संयुक्त निर्देशन में दो विद्यार्थियों के द्वारा 2016 में की गयी थी । सवी (SAVI) कॉलेज की एक महत्त्वपूर्ण पहल है जिसमें विद्यार्थी अपनी शब्दावली, व्यक्तित्व विकास और समसामयिक मुद्दों को आधार बनाकर अपनी कक्षाओं का संचालन करता है । इस समय SAVI से जुड़े विद्यार्थियों की संख्या लगभग 30-35 के बीच है । इसके सदस्यों की चयन प्रक्रिया व्यक्तिगत साक्षात्कार पर आधारित होती है, जो वरिष्ठ छात्रों द्वारा आयोजित की जाती है । SAVI के द्वारा विभिन्न अंतः और अंतर महाविद्यालय प्रतियोगिताओं एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है ।

कॉलेज के स्टूडेंट्स एसोसिएशन फॉर वर्बल इंटरेक्शन (एसएवीआई) और संकल्प (कॉलेज कैडेट कोर) ने भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) के सहयोग से सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 मनाया । SAVI और संकल्प ने मिलकर 2 नवंबर, 2023 को कॉलेज के पुराने सेमिनार हॉल में अंतर-कॉलेज भाषण प्रतियोगिताएं

आयोजित कीं । SAVI ने अपना वार्षिक कार्यक्रम पहल का आयोजन किया जहां नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई ।

एनपीएस समिति संयोजक :डॉ. रमेश कुमार

एनपीएस समिति ने इस योजना के तहत कर्मचारियों की शिकायतों और प्रश्नों को संबोधित करने के लिए साल भर काम किया । कालेज की नई पेंशन स्कीम समिति के गठन का मुख्य उद्देश्य शिक्षक और गैर-शिक्षक की NPS से संबंधित विभिन्न प्रकार की शिकायतों का निदान करना है । वर्ष 2023-24 में महाविद्यालय में बडी संख्या में शिक्षक और गैर-शिक्षक कर्मचारियों की नियुक्तियां हुई हैंकर्मचारियों समिति और अकाउंट स्टाफ ने कर्मचारियों को नई पेंशन स्कीम में नामांकन करने के लिए विभिन्न स्तर पर मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान किया ।

अनुशासन समिति संयोजक : डॉ. हरि प्रताप

अनुशासन समिति महाविद्यालय की सभी गतिविधियों के सुचारू संचालन से संबंधित एक महत्वपूर्ण घटक होती है । महाविद्यालय किसी भी छात्र के जीवन में अनुशासन को सर्वोच्च स्थान देता है । महाविद्यालय की प्रसिद्धि मुख्य रूप से छात्रों के व्यवहार पर निर्भर करती है । प्रत्येक पंजीकृत छात्र को कॉलेज के आंतरिक नियमों और विनियमों का पालन करना होता है, उनकी निगरानी के लिए ही इस समिति का गठन किया जाता है । वर्षभर अनुशासन समिति ने परिसर में सभी छात्रों की गतिविधियों पर पैनी नज़र रखी । समिति ने नियमित रूप से बैठक कर अनुशासन भंग से संबंधित मामलों पर चर्चा की और तदनुसार त्वरित कार्रवाई भी की । इसके अलावा, अनुशासन समिति ने इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान आयोजित कॉलेज के सभी कार्यक्रमों के दौरान समग्र अनुशासन बनाए रखा, जिससे कार्यक्रमों की सफलता निसंदेह रही ।

आंतरिक शिकायत समिति संयोजिका : डॉ. राज कुमारी पाण्डेय

यह कॉलेज की एक विशेष समिति है, जिसका गठन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और भारत सरकार के द्वारा समय-समय पर निर्देशित नियमों के अधीन किया गया है । इस समिति का मुख्य कार्य महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से जुड़े मामलों का निवारण, प्रतिशोध और प्रतिकार है । कॉलेज में इस समिति के सहयोग से सतर्कता,सद्भावपूर्ण व्यवहार और सुरक्षित वातावरण के कारण ऐसा परिवेश निर्मित हुआ कि वर्ष 2023-24 में इस प्रकार की कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई ।

बिजली, पानी और स्वच्छता समिति संयोजिका : डॉ. राजकुमारी पाण्डेय

(लाइट, वाटर एंड सेनिटेशन)

वाटर, लाईट एंड सेनिटेशन कमिटी का गठन विद्यार्थियों को जल विद्युत और स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया है । वर्ष 2023 में समिति के सदस्यों ने समय-समय पर कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया और रिपोर्ट दी । 1अक्टूबर, 2023 को 'एक तारीख एक घन्टा' नाम से एक राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें हमारे कॉलेज की वाटर, लाईट एंड सेनिटेशन कमिटी,एन.एस.एस, आई.क्यू.ए.सी. और संकल्प समिति के 10 प्राध्यापकों और 90 विद्यार्थियों ने भाग लिया और कॉलेज के पास प्रताप विहार स्लम एरिया में जाकर सड़क और अन्य स्थानों पर फैले कचरे को साफ किया तथा साथ ही वहाँ के निवासियों को साफ सफाई के महत्व को बताया ।

फीडबैक रिपोर्ट समिति संयोजक : श्रीमती उदिता, श्री आदित्य प्रताप सिंह

पी.जी.डी.ए.वी. महाविद्यालय (सांध्य) 2015-2016 सत्र से दोनों सेमेस्टर (Odd और Even) के लिए विद्यार्थियों से फीडबैक ले रहा है । एक सेमेस्टर में लिखित रूप से फीडबैक लेने के बाद पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया गया है । सेमेस्टर जनवरी-मई, 2016 के लिए पहली बार ऑनलाइन फीडबैक लिया गया था, तब से यह प्रक्रिया जारी है । प्रत्येक सेमेस्टर में कम से कम 50% उपस्थिति वाले विद्यार्थियों के फीडबैक का ही विश्लेषण किया जाता है । कॉलेज ने गत वर्ष अभिभावकों एवं नियोक्ताओं से फीडबैक लेना प्रारंभ किया था और इस वर्ष से पूर्व विद्यार्थियों से भी फीडबैक लेना प्रारंभ कर दिया है । फीडबैक कॉलेज अभिभावकों, कॉलेज के अध्यापकों तथा पूर्व विद्यार्थियों से भी फीडबैक प्राप्त करता है । जुलाई-नवंबर 2022 तक के सभी फीडबैक का विश्लेषण किया जा चुका है एवं इसका विवरण IQAC के साथ साझा भी किया जा चुका है । जनवरी, 2023 से दिसंबर 2023 तक के सभी फीडबैक छात्रों से एकत्रित किये जा चुके हैं । जनवरी 2023 के बाद प्राप्त हुए फीडबैक विश्लेषण का कार्य प्रक्रियाधीन है और बहुत जल्द पूरा कर लिया जाएगा ।

ई-वॉल -मैगज़ीन समिति संयोजक: श्री आलोक कुमार

ई-वॉल मैगज़ीन समिति एक विभागीय समिति है । इस समिति के सदस्यों ने मासिक रूप से वॉल - मैगज़ीन को फिजिकल रूप में और ई - वॉल - मैगज़ीन को ऑनलाइन मोड में अपडेट किया । प्रत्येक विभाग के विद्यार्थी वालंटियर्स ने उस विभाग से संबंधित सामग्री चित्रों, लेखों, नवीनतम समाचारों के माध्यम से उपलब्ध करवाई, जिन्हे विभागीय होम - पेज के E - Wall Magazine टैब पर और वॉल-मैगज़ीन पर डाला जाता है ।कॉलेज की ई-वॉल मैगज़ीन समिति महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग के साथ मिलकर काम करती है । इस समिति में प्रत्येक विभाग से एक सदस्य होता है । महाविद्यालय के विभागीय वेबसाइट पर ई-वॉल पत्रिका के लिए एक समर्पित वेब पेज होता है, प्रत्येक विभाग, विभाग से संबंधित नवीनतम समाचार, लेख, पोस्टर या कोई अन्य प्रासंगिक सामग्री पीडीएफ या जेपीजी या किसी अन्य प्रारूप में विभागीय वेब पेज पर अपलोड करता है साथ ही साथ विभागीय दीवार पत्रिका अनुभाग पर भी यह चस्पा किया जाता है । प्रत्येक विभाग की ई-वॉल मैगजीन हर 15 दिन में अपग्रेड होती है ।

शिक्षक कल्याण समिति संयोजक : डॉ. नीतीश बागड़ी

समिति ने दिनांक 18 फरवरी, 2023 को ऐन, पी. एस. समिति व आई. क्यू. ए. सी. के संयुक्त तत्वावधान में (Compression of all Investments for Wealth Creation) विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया । दिनांक 7 अप्रैल, 2023 को प्राध्यापक कक्ष के प्रवेश द्वार के सामने कृत्रिम पौधों से युक्त गमलों को सुशोभित किया गया । दिनांक 21 अप्रैल, 2023 को योगा क्लब के साथ मिल कर “सहज योग” पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । 8 दिसंबर, 2023 को शिक्षक कल्याण समिति ने सभी संकाय सदस्यों को लॉकर की पुनः लेबलिंग और आवंटन का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया ।

कैंटीन समिति संयोजक : आदित्य प्रताप सिंह

कॉलेज की कैंटीन कमेटी के सदस्य महीने में दो बार कैंटीन में जाकर प्रबंधन, साफ-सफाई और वेस्ट फूड मैनेजमेंट की जांच करते हैं । कैंटीन प्रबंधक के साथ यह सुनिश्चित किया गया कि कॉलेज कैंटीन में धूम्रपान और शराब पीना सख्त वर्जित हो । कैंटीन केवल स्वस्थ, पौष्टिक और ताजा भोजन ही छात्रों एवं शिक्षकों को उपलब्ध कराएगी । कैंटीन का खाना बनाने वाला स्थान साफ-सुथरा होना चाहिए । कैंटीन में कुर्सियों की उचित व्यवस्था होनी चाहिए । कैंटीन समिति के द्वारा समय-समय पर छात्रों के बीच संतुलित भोजन, स्वस्थ एवं स्वच्छ जीवन शैली के प्रति जागरूकता कार्यक्रम कराए जाते हैं । इसी क्रम में 20 मार्च, 2024 को कैंटीन समिति ने कॉलेज की अन्य समितियों के सहयोग से "स्वच्छता: जीवन का एक तरीका" विषय पर एक व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया । इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई और अपने विचार प्रस्तुत किये ।यह प्रतियोगिता बहुत ही सफल एवं ज्ञानवर्धक रही ।

मेंटर-मेंटी समिति संयोजिका : श्रीमती उदिता अग्रवाल सह-संयोजक – डॉ. बीना मीना

हमारा महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को एक आदर्श, तनावमुक्त वातावरण और उचित मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है । इस क्रम में महाविद्यालय पिछले कई वर्षों से मेंटर-मेंटी व्यवस्था का अनुसरण कर रहा है, जिसमें छात्रों को अकादमिक के साथ - साथ गैर - शैक्षणिक समस्यायों के सन्दर्भ में भी परामर्श दिया जाता है । कॉलेज के विद्यार्थियों को छोटे-छोटे समूहों में बांटा जाता है और प्रत्येक समूह को शिक्षण संकाय से मेंटर के रूप में एक सदस्य आवंटित किया जाता है । इस व्यवस्था के तहत, मेंटर-मेंटी सूची की जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर दो नोटिस के माध्यम से प्रदर्शित की जाती है, एक नोटिस शिक्षकों के लिए जिसमें विभागानुसार शिक्षक सूची में मेंटर्स के नाम के सामने उनके मेंटियों के कक्षा और रोल नंबर दिए जाते हैं और विद्यार्थियों के लिए नोटिस के साथ कक्षावार सूची के अनुसार मेंटर का नाम संलग्न किया जाता है । यह पूरी सूचना मेल द्वारा भी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को भेजी जाती है । विद्यर्थियों को मेंटर की mail ids की सूची भी भेजी जाती है । मेंटी की नाम, फोन नंबर, मेल आदि की सूची कॉलेज पोर्टल पर मेंटर के लिये उपलब्ध है । मेंटी के पोर्टल पर भी मेंटर की जानकारी उपलब्ध है । छात्राओं को किसी भी समस्या के लिये बिना संकोच किसी भी महिला शिक्षिका से संपर्क करने का परामर्श भी दिया जाता है । सत्र 2023-24 के लिए MENTOR - MENTEE अनुपात 32 है ।

अपशिष्ट प्रबंधन समिति संयोजक : डॉ. मयंक पांडेय

अपशिष्ट प्रबंधन समिति कॉलेज परिसर में उत्पन्न अपशिष्ट कागज़, प्लास्टिक, खाद्य और जैविक तथा ई-कचरा का प्रबंधन एवं निस्तारण करती है । कॉलेज ने प्रभावी अपशिष्ट कागज़ के प्रबंधन के लिए 'जागृति' अपशिष्ट पेपर रीसाइक्लिंग से करार किया है । स्वर्ण लता मदरसन ट्रस्ट द्वारा सीएसआर फंड के तहत आईपीसीए द्वारा प्रदान किए गए दो 'एरोबिन' कंपोस्टर कॉलेज परिसर के भीतर स्थापित किए गए हैं । कंपोस्टरों का उद्घाटन 7 सितंबर, 2022 को प्रो. आर.के. गुप्ता (प्राचार्य), श्री शैलेंद्र कुमार सिंह, (एडीएम दक्षिण-पूर्वी दिल्ली), डॉ.राधा गोयल(उप निदेशक,आईपीसीए) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया । इन कंपोस्टरों का इस्तेमाल खाने के कचरे को खाद में बदलने के लिए किया जाएगा । अपशिष्ट प्रबंधन समिति कॉलेज परिसर में उत्पन्न अपशिष्ट कागज़, प्लास्टिक, खाद्य और जैविक तथा ई-कचरा का प्रबंधन एवं निस्तारण करती है । एमसीडी सेंट्रल जोन ने 31 अक्टूबर, 2023 को आयोजित एक कार्यक्रम में कॉलेज को प्रभावी और कुशल ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक रोल मॉडल के रूप में आमंत्रित किया और जीरो वेस्ट कैंपस के रूप में चिह्नित किया । प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए आईपीसीए और स्वर्णलता मदरसन ट्रस्ट ने संयुक्त रूप से कॉलेज को स्वर्ण श्रेणी में प्रथम स्थान से सम्मानित किया ।

समर्थ - प्रतियोगी परीक्षा सोसायटी संयोजक : डॉ. परमीत सिंह

पी.जी.डी.ए.वी.कॉलेज (सांध्य) की सिविल सेवा सोसायटी 'समर्थ'ने 2022-2023 में एक सफल सत्र पूरा किया और 2023-2024 में अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जिसमें प्राचीन और मध्यकालीन भारतीय इतिहास पर व्यापक पाठ्यक्रम शामिल थे । जिसमें आधुनिक भारतीय इतिहास के साथ-साथ भारतीय संविधान और भूगोल पर कक्षाएं शामिल थीं । सदस्यों के व्यक्तित्व विकास और वर्तमान मामलों की समझ को बढ़ाने के उद्देश्य से बहस, अस्थायी, लेख लेखन और प्रतियोगिताओं को शामिल करने के लिए शिक्षाविदों से परे गतिविधियों का विस्तार किया गया। इसके अतिरिक्त, सोसाइटी ने इजरायल-हमास संघर्ष पर एक विस्तृत केस स्टडी का आयोजन किया, जिसमें भारत के लिए इसके ऐतिहासिक संदर्भ और निहितार्थ का आकलन किया गया । कॉलेज की गतिविधियों से परे, छात्रों ने अंतर-कॉलेज प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लिया, अपने कौशल का प्रदर्शन किया और संस्थानों में साथियों से बहुत कुछ सीखा । 2023-2024 के समर्थ सत्र ने मार्च में करियर मार्गदर्शन सेमिनार से लेकर वाद विवाद, व्यापक ऑनलाइन सत्र और ज्ञानवर्धक समूह चर्चा तक की विविध प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया । विषयों में मोटे तौर पर भारतीय संविधान, भूगोल और वर्तमान मामलों के साथ-साथ प्राचीन, मध्ययुगीन और आधुनिक भारतीय इतिहास सहित विभिन्न विषय शामिल थे । उदाहरण के लिए, जून में, ऑनलाइन सत्रों की एक श्रृंखला ने मौर्य साम्राज्य के माध्यम से महाजनपदों की अवधि को कवर

किया । जुलाई तक, समूह चर्चा और वाद- विवाद में समान नागरिक संहिता पर चर्चा की, जबकि नवंबर में छात्रों ने आधुनिक भारतीय इतिहास (13 तारीख को) और भूगोल (8 तारीख को) के विषयों पर परिचयात्मक सत्रों में भाग लिया। इस दौरान, निबंध लेखन प्रतियोगिताओं (30 नवंबर, 2023 को), क्विज़ और सहयोगी परियोजनाओं ने महत्वपूर्ण सोच और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा दिया । मार्च में सत्रों का समापन भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनों, सुधारकों और सरकारी विधेयकों की गहन खोज के साथ हुआ, जिससे प्रतिभागियों को उनके विषयों की बारीक समझ मिली ।

यह शैक्षणिक सत्र समर्थ के लिए विकास और सीखने का दौर रहा है। हम आने वाले वर्ष में भी ऐसे ज्ञानवर्धक सत्र की अपेक्षा करते हैं और छात्रों को कालेज के सहयोग और प्राचार्य के मार्गदर्शन में ज्ञान और उत्कृष्टता की खोज में प्रेरणादायक और सशक्त बनाने की दिशा में कार्यरत हैं।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ संयोजिका : डॉ. अनीता बजाज

अकादमिक दृष्टि से यह वर्ष भी कॉलेज के लिए पदोन्नति का वर्ष रहा । दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकारियों को साधुवाद है कि उन्होंने वर्षों से पदोन्नति के लंबित मामलों को हल किया । हमारे कॉलेज में भी 23 शिक्षकों की लंबित पदोन्नति हुई, जिसमें हमारे प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता द्वारा निभाई गई भूमिका बेहद सराहनीय है । 9 सहायक प्रोफेसरों को CAS-2018 के तहत स्टेज I से स्टेज II में पदोन्नत किया गया । 18 सहायक प्रोफेसरों को CAS - 2018 के नियमानुसार II स्केल से III स्केल तक पदोन्नत किया गया । 14 सहायक प्रोफेसरों को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया । हमारे 6 सहयोगियों को एक वर्ष के भीतर लगातार तीन प्रमोशन मिली । यह दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है कि पहली बार कॉलेज में प्रोफेसरशिप दी गई और इस प्रावधान के तहत कॉलेज के 12 एसोसिएट प्रोफेसरों को चयन समिति: द्वारा प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया । प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत होने वाले शिक्षकों में क्रमशः 4 हिंदी विभाग से, 3 राजनीति विज्ञान से और 3 इतिहास विभाग, 2 वाणिज्य विभाग, 1शारीरिक शिक्षा विभाग से हैं ।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (IQAC) का मुख्य कार्य कॉलेज तथा इसमें होने वाली विभिन्न गतिविधियों में गुणवत्ता सुनिश्चित करना है । हमारा कॉलेज उत्कृष्टता के सभी मानकों को सतत पूरा करते हुए नई सोपानों पर पहुँचे, यही IQAC का लक्ष्य है । इस उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में, IQAC ने कॉलेज और विश्वविद्यालय में अनेक समितियों और सेल के साथ मिलकर विभिन्न कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए । NAAC आवश्यकताओं के अनुसार 14 जून 2023 को वार्षिक शैक्षणिक और प्रशासनिक ऑडिट सफलतापूर्वक आयोजित किया गया । दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के समापन दिवस पर हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी उपस्थित थे । 30 जून, 2023 को कॉलेज स्टाफरूम में इस कार्यक्रम का सीधा-प्रसारण दिखाया गया था । प्रधानमंत्री के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में लगी प्रदर्शनी में हमारे कॉलेज की प्रदर्शनी भी दिखायी गयी । हमारे कॉलेज में चार एसोसिएट प्रोफेसरों को प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया, जिसमें IQAC ने अपनी भूमिका निभायी । 23 अगस्त, 2023 को भारत के चंद्रयान यान, चंद्रयान -3 के चंद्रमा पर उतरने का ऐतिहासिक क्षण का कॉलेज स्टाफरूम में सीधा-प्रसारण दिखाया गया । 12 फरवरी, 2024 को, IQAC और CPDHE के संयुक्त तत्वावधान में "नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क" पर एक वेबिनार आयोजित किया गया जिसमें प्रोफेसर नमिता राजपूत मुख्य वक्ता थीं । 15 फरवरी 2024 को एचएसई विश्वविद्यालय, सेंट पीटर्सबर्ग, रूस के शिक्षाविदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने हमारे कॉलेज का दौरा किया और कॉलेज के शिक्षकों और छात्रों के साथ बातचीत की । उन्होंने शिक्षकों के लिए "21वीं सदी के लिए कम्प्यूटेशनल सामाजिक विज्ञान: लोगों के 'डिजिटल पदचिह्नों का अध्ययन" विषय पर और छात्रों के "सुरक्षा के कई पहलू: सैद्धांतिक और अनुभवजन्य दृष्टिकोण" विषय पर एक व्याख्यान भी दिया । कॉलेज के वाणिज्य विभाग, उद्यमिता सेल और IQAC ने संयुक्त रूप से 8 और 9 मार्च, 2024 को "Nurturing Start-up and Entrepreneurship Culture in Viksit Bharat @ 2047, Conquering Challenges and Embracing Opportunities" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया । IQAC और संस्कृत विभाग ने मिलकर 7 मार्च 2024 को "पत्रवाचन प्रतियोगिता" आयोजित की और 9 अप्रैल 2024 को हिंदू नव वर्ष और आर्य समाज का स्थापना दिवस मनाया । कॉलेज के शैक्षणिक, प्रशासनिक, वित्तीय एवं अन्य आयामों में अधिक दक्षता एवं कार्यकुशलता लाने के लिए (IQAC) द्वारा आंतरिक ऑडिट किया जा रहा है ।

संस्कृति और नैतिकता प्रकोष्ठ संयोजिका: श्रीमती प्रियंका चटर्जी

कॉलेज में संस्कृति और नैतिकता प्रकोष्ठ के गठन का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों के जीवन में अपने समाज व राष्ट्र के लिए सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों के लिए दायित्व-बोध विकसित करना है । इस प्रकोष्ठ के द्वारा यह भी प्रयास किया जाता है कि विद्यार्थी अपने देश की संपन्न संस्कृति और परंपरा के प्रति सचेत रहें । इन्हीं उद्देश्यों को ध्यान में रखकर इस वर्ष भी सेल ने कई आयोजन किए, जो जानकारी से भरपूर, अपनी जड़ों से जुड़े और बहुत ही मनोरम थे, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं । जुलाई 19, 2023 को सेल ने कई समितियों व ब्रह्मकुमारियों के साथ मिलकर “How to Lead a Lotus-Like Life” विषय पर शैक्षिक व गैर शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए एक व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें मुख्य वक्ता का रूप में राज योगा बी. के. एकता जि ने अपना बहुत ही महत्त्वपूर्ण वक्तव्य दिया। उन्होंने एक फूल के माध्यम से वाणी ,शरीर और मन की शुद्धता पर बल दिया। यह व्याख्यान बहुत ही सफल रहा।4 मार्च, 2024 को कॉलेज की अन्य समितियों के सहयोग से 'संस्कृति और नैतिकता सेल' द्वारा 'विकसित भारत के लिए गीता-आधारित 'नीडोनोमिक्स की प्रासंगिकता' विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया । सेमिनार में प्रोफेसर मदन मोहन गोयल, पूर्व कुलपति और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र के सेवानिवृत्त प्रोफेसर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित हुए । प्रो. गोयल ने 2047 तक भारत को विकसित स्थिति की ओर ले जाने में आध्यात्मिक कम्पास के रूप में नीडोनॉमिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया । सेमिनार में 68 छात्रों ने भाग लिया ।कॉलेज की ओर से, संस्कृति और नैतिकता सेल ने 13 मार्च, 2024 को इंडिया इंटरनेशनल समिट, लोधी रोड, नई दिल्ली में आध्यात्मिक और मूल्य शिक्षा शिखर सम्मेलन में भारतीय पारिस्थितिकी और पर्यावरण संस्थान से मूल्य-आधारित अकादमिक उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त किया । इस पुरस्कार के लिए 3 शिक्षकों और 3 छात्रों को नामांकित किया गया था । इस्कॉन, नई दिल्ली के सहयोग से, संस्कृति और नैतिकता सेल ने अप्रैल में दो वार्ताएँ आयोजित कीं । पहली वार्ता 12 अप्रैल को ऑनलाइन आयोजित की गई जिसमें रामनवमी पर 'रामायण की शिक्षाएँ' विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता परम पूज्य रसराज प्रभु थे । इस वेबिनार में 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया । दूसरा व्याख्यान 26 अप्रैल 2024 को कॉलेज में 'तनाव प्रबंधन' पर ऑफ़लाइन आयोजित किया गया जिसमें वक्ता श्री अनंत प्रभु जी थे, जिसमें शिक्षकों के साथ 120 छात्र उपस्थित रहे ।

महिला विकास प्रकोष्ठ **WDC** संयोजिका **:** प्रो**.** मीना शर्मा

“एक पहल-महिला विकास प्रकोष्ठ' स्त्रियों के जीवन में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन कर महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य करता है । दक्षिण पूर्व जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के सहयोग से महिला विकास सेल ने परियोजना 'स्पर्श' की पहल के तहत विषय पर एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया - देखभाल करें और निशान नहीं, गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक और साइबर जागरूकता का प्रावधान । यह सत्र वर्ल्ड वाइड वेब दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया था ।दक्षिण पूर्व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से अधिवक्ता मीनू शर्मा, अपराध शाखा से वरिष्ठ निरीक्षक मंजूर आलम को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया । अधिवक्ता मीनू शर्मा ने एसिड हमलों, ऊससे हिंसा से निपटने के लिए कानूनी उपायों और पीड़ितों को सरकार की ओर से राहत और सहायता पर अपना व्याख्यान दिया । उन्होंने सभी से जीवित बचे लोगों के प्रति सतर्क रहने और उनका समर्थन करने का आग्रह किया ताकि उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने में मदद मिल सके । उन्होंने लिंग आधारित भेदभाव के लिए गर्भधारण पूर्व और प्रसवपूर्व निदान तकनीकों के प्रावधान जैसे संवेदनशील विषय पर भी प्रकाश डाला । पीसीपीएनटीसी एक्ट एवं उसके प्रावधानों पर चर्चा की गई । साइबर अपराध के विशेषज्ञ एसआई मंजूर ने दर्शकों को साइबर हमलों के लगातार बढ़ते खतरे और डिजिटल सुरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित किया । उन्होंने ऑनलाइन उत्पीड़न और पहचान की चोरी के मामलों सहित विभिन्न साइबर अपराध मामलों पर प्रकाश डाला । व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा, गोपनीयता बनाए रखने और साइबर खतरों से बचाव के लिए आवश्यक युक्तियों और निवारक उपायों पर चर्चा की गई । सेल ने 12 मार्च, 2024 को अपना वार्षिक दिवस आयोजित किया । संजय भाटिया, आईपीएस,

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध शाखा, दिल्ली पुलिस सम्मानित अतिथि थे और न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एमएल मेहता, पूर्व न्यायाधीश दिल्ली उच्च न्यायालय कार्यक्रम के

मुख्य अतिथि थे । महिला विकास प्रकोष्ठ में सक्रिय सभी सदस्यों को उनके समर्पण एवं योगदान के लिए सम्मानित किया गया । सेल में सराहनीय कार्य के लिए विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये । पद धारकों को प्रतिष्ठित निर्णायकों द्वारा सम्मानित किया गया । महिला सशक्तीकरण के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में उनके अमूल्य समर्थन और मार्गदर्शन को मान्यता देते हुए, शिक्षकों को हस्तनिर्मित कार्ड प्रस्तुत किए जाने के साथ सत्र का समापन गर्मजोशी से हुआ ।

मातृभाषा प्रकोष्ठ संयोजक : डॉ. अनिल स्वदेशी

भारतीय भाषा दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में मातृभाषा प्रकोष्ठ के द्वारा भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. शशांक तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे । इस प्रोग्राम में 18 विद्यार्थियों ने, अपनी भिन्न-भिन्न भाषाओं में जैसे तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, कश्मीरी, संस्कृत एवं ब्रजभाषा आदि में "मेरा देश, मेरी शान" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए । श्रीमती प्रियंका चटर्जी ने बांग्ला और डॉ. ईशा ने पंजाबी भाषा के विकास पर प्रकाश डाला । कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर रवींद्र गुप्ता ने भारतीय भाषा दिवस मनाने की प्रासंगिकता पर बल दिया और विद्यार्थियों को अधिक से अधिक अपनी भाषाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. शशांक तिवारी ने तमिल साहित्य में सुब्रमण्यम स्वामी के योगदान को इंगित करते हुए उन्होंने बताया कि प्रो. सुब्रमण्यम भारती ने वंदे मातरम को तमिल में रूपांतरित करके राष्ट्रीयता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । इसके साथ ही फरवरी माह में एक लोकगीत गायन प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपनी-अपनी मातृभाषा में मधुर प्रस्तुतियां दी । प्रकोष्ठ द्वारा किये गए कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को उनकी मातृभाषा के अलावा भारत की अन्य भाषाओं से परिचित कराना होता है ।

इंटर्नशिप और प्लेसमेंट सेल संयोजिका : डॉ. मृदुला अरोड़ा ,सह संयोजक-डॉ.आलोक कुमार

इस वर्ष प्लेसमेंट एंड इंटर्नशिप सेल ने इन्टर्नशाला में अपनी रैंकिंग को बेहतर किया । इंटर्नशाला एक अग्रणी नियुक्ति तथा प्रशिक्षण हेतु मंच है । यह रोज़गार अभ्यार्थियों को स्टार्ट अप्स, कॉर्पोरेट जगत तथा लघु और मध्यम व्यवसायियों को एक मंच पर लाने का काम करता है । इस सत्र में कोविड महामारी के पश्चात् प्लेसमेंट तथा इंटर्नशिप सेल के लिए थोड़ा बेहतर समय आया वरन इस क्षेत्र में चुप्पी छायी हुई थी ।हमारे लिए बहुत गर्व का विषय रहा कि G-20 (सितम्बर 2023) को जो वैश्विक जमावड़ा हुआ उसमें हमारे कॉलेज से छह विद्यार्थियों का चयन हुआ । विश्व के नेताओं ने जिस स्थान पर एकत्रित होना था उन महत्त्वपूर्ण स्थानों पर इन्हें तैनात किया गया । वर्ष 2023 में तकरीबन 180 विद्यार्थियों ने विभिन्न कम्पनियों में इंटर्नशिप की । मार्च, 2024 तक 35 विद्यार्थी बतौर इंटर्न लगे । Placements में पिरामल में (2.50-3.23 LPA) में 10 विद्यार्थियों का चयन हुआ ।True Blue (3.75 LPA) में दो विद्यार्थी, Bajaj Capital (3.6-4.2 LPA) में तीन विद्यार्थी, NTT data (2.50-3.75 LPA) में दो विद्यार्थी तथा Zomato (4 lakh LPA) में एक विद्यार्थी का चयन हुआ । KPMG और TCS से हमारी बातचीत अंतिम दौर में चल रही है और हम उम्मीद करते हैं कि बहुत जल्द ही हमारे कुछ और विद्यार्थियों का भी चयन हो जायेगा । कॉलेज की वेबसाइट पर प्लेसमेंट एवं इंर्टनशिप की रिपोर्ट विस्तार से अपलोड की गई है ।

गांधी स्टडी सर्किल संयोजिका : सुश्री संगीता शर्मा

गाँधी स्टडी सर्किल का मूल उद्देश्य है,"अपने को खोजने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप खुद को दूसरों की सेवा में खो दें ।" 12 जनवरी, 2023 को स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस को युवा दिवस के रूप में मनाते हुए स्वामी विवेकानन्द और महात्मा गांधी के विचारों पर युवाओं को केंद्र में रख कर चर्चा रखी गई कि आज के युवा किस प्रकार राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्ती भूमिका निभा सकते हैं । महाविद्यालय से 5 विद्यार्थियों राहुल, ताजदार, गरिमा, अजय और आदित्य ने इसमें भाग लिया । 13 सितंबर, 2023 को महाविद्यालय के गांधी स्टडी सर्किल और राष्ट्रीय सेवा योजना ने संयुक्त तत्वधान में 'गांधी : विचारों और व्यवहारों में' विषय पर संवाद का सफल आयोजन किया ।

10 अक्टूबर, 2023 विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में गांधी स्टडी सर्किल द्वारा गांधी जी का युवाओं के प्रति संदेश एवं मार्गदर्शन विषय पर रचनात्मक लेखन का आयोजन किया गया । इस 12 जनवरी, 2024 को कॉलेज के विद्यार्थियों ने गांधी भवन में प्रस्तुत होकर विभिन्न सामाजिक कार्यों की वीडियो क्लिप दिखाकर सामाजिक कार्यों संबंधी जानकारी प्रदान की । 19 जनवरी, 2024 को गांधी भवन द्वारा एक पुस्तक, "मोदी@डीयू: कलर्स ऑफ सैंटेनरी सेलिब्रेशन" का आयोजन किया गया । यहां माननीय श्री अर्जुन राम मेघवाल जी, केंद्रीय मंत्री, विधि एवं न्याय मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार) और कुलपति प्रो.योगेश सिंह जी का सान्निध्य प्राप्त हुआ । इसमें महाविद्यालय के 12 विद्यार्थियों ने सहभागिता की । 30 जनवरी, 2024 को गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि देने के लिए महाविद्यालय के गांधी स्टडी सर्किल, राष्ट्रीय विकास योजना, शुभाशीष और युवा सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में 42 विद्यार्थियों द्वारा वृद्ध आश्रम, ओखला नई दिल्ली में गांधी जी के सेवा भाव को आदर्श मानते हुए वृद्धजनों की सेवा की गई । 20 मार्च, 2024 को महाविद्यालय के गांधी स्टडी सर्किल, कैंटीन कमेटी, संप्रभु और वाटर, लाइट एंड सेनिटेशन कमेटी के संयुक्त तत्वधान में गांधी जी द्वारा बताए गए स्वच्छता के महत्व को ध्यान में रखते हुए ' स्वच्छता : एक जीवन शैली के रूप में' विषय पर संवाद का आयोजन किया गया । इन कार्यक्रमों में महाविद्यालय के गांधी स्टडी सर्किल की महाविद्यालय की विभिन्न सोसायटी से जुड़े सहायक प्राध्यापकों ने अपना सहयोग समय-समय पर देते हुए गांधी जी के विचारों को महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ मिलकर समाज में धरातल पर लाने का प्रयास किया है ।

अनुसंधान एवं विकास सेल संयोजिका : डॉ. रुचिरा पाठक

वर्ष 2023-2024 के लिए अनुसंधान एवं विकास सेल ने I.Q.A.C और गणित विभाग के सहयोग से 13 मार्च, 2024 को "स्नातक छात्रों के लिए अनुसंधान पद्धति" विषय पर एक वार्ता का आयोजन किया । प्रोफेसर अनुराधा गुप्ता, प्रोफेसर दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, अतिथि वक्ता थीं । फ्रैक्टल्स: मैथमेटिक्स सोसाइटी की संयोजक डॉ. कामिनी रावत कार्यक्रम की समन्वयक थीं ।

राजभाषा प्रकोष्ठ नोडल अधिकारी-डॉ.डिम्पल गुप्ता

वर्ष 2022 के मई माह में पी. जी. डी .ए .वी महाविद्यालय (सांध्य) में दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार राजभाषा प्रकोष्ठ की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य यह है कि भारत सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करते हुए संबंधित सभी बिंदुओं पर द्विभाषी रूप में प्रथम भाषा के रूप में पहले हिंदी का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए एवं दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग हो । इस Ük`aखला में 3 अगस्त, 2022 को कुछ रबड़ की मोहरें हिंदी में बनवाई गई । इसके साथ-साथ पत्र शीर्ष, फ़ाइल कवर, विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों के पहचान पत्र, अवकाश फॉर्म, चिकित्सा फॉर्म एवं लिफाफों पर पते इत्यादि द्विभाषी रूप में पहली भाषा के रूप में हिंदी तथा दूसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी में मुद्रित किये जा रहे हैं । इसी कड़ी में हाल ही में महाविद्यालय में नवनियुक्त स्थायी हुए शिक्षक साथियों को नियुक्ति पत्र भी दोनों भाषाओं हिंदी एवं अंग्रेजी में

दिए गए । इसके साथ महाविद्यालय का प्रोस्पेक्टस भी हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों में छापा गया । महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट भी हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में छापी / प्रकाशित की जाती है । विगत कुछ समय में महाविद्यालय के प्रत्येक तल पर पुस्तकालय एवं कंप्यूटर लैब में भी सभी नाम पट्टिकाएं हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में बनवाई गई हैं, महाविद्यालय में निकलने वाली सूचनाएं भी अधिकांशतः दोनों भाषओं में निलकती हैं । विश्वविद्यालय की गृह पत्रिका में प्रकाशित किये जाने हेतु पी .जी.डी.ए.वी महाविद्यालय (सांध्य) के तीन संकाय सदस्यों द्वारा स्वरचित मौलिक रचनाएं भी प्रकोष्ठ में भेजी गई हैं ।राजभाषा नीति का अनुपालन करने के लिए महाविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुछ कार्यक्रम एवं कार्यशालाओं का आयोजन भी प्राचार्य जी के निर्देशानुसार किया गया । इस दृष्टि से 20 जून, 2023 को पी .जी .डी.ए.वी महाविद्यालय (सांध्य) के राजभाषा प्रकोष्ठ एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन समिति के द्वारा G 20, विद्या विस्तार स्कीम एवं अभिव्यक्ति यूथ पार्लियामेंट के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों के लिए राजभाषा वार्षिक

कार्यक्रम संबंधी सम्पूर्ण जानकारी हेतु आभासी (Online) माध्यम से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ प्रोफेसर पूरन चंद टंडन जी की उपस्थिति रही । राजभाषा हिंदी प्रशिक्षण के इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के 50 प्राध्यापकों ने भाग लिया ।

दिनांक 14 अक्टूबर, 2023 को आइ. क्यू. ए. सी, इंद्रधनुष, हिंदी साहित्य सभा,राजभाषा प्रकोष्ठ, दृश्यम,एथेना एवं उड़ान संस्था के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय "साहित्य कला संगम " का आयोजन किया गया । इसके अंतर्गत अंतर महाविद्यालय स्तर पर चार प्रतियोगिताएं सफलतापूर्वक संपन्न हुई, पहली प्रतियोगिता स्वरचित कविता वाचन की थी, जिसमें 53 विद्यार्थी उपस्थित हुए, दूसरी भाषण प्रतियोगिता में 79 विद्यार्थी उपस्थित रहे,तीसरी प्रतियोगिता पोस्टर मेकिंग की थी, जिसमें 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया, चौथी प्रतियोगिता फोटोग्राफी की थी, जिसमें 15 विद्यार्थियों ने भाग लिया । अंत में पुरस्कृत प्रतिभागियों को ट्रॉफी और महाविद्यालय की पत्रिका एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गए व सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए गए । इसी शृंखला में 7 नवम्बर, 2023 को हिंदी साहित्य सभा एवं राजभाषा प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय साहित्योत्सव के अंतर्गत हिंदी में अंतः महाविद्यालय स्तर पर तीन प्रतियोगिताएं करायी गई जिनमें पहली प्रतियोगिता प्रश्नोत्तरी, दूसरी निबंध लेखन व तीसरी स्वरचित कविता प्रतियोगिता थी, तीनों प्रतियोगिताओं में कुल 40 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

प्रकोष्ठ द्वारा 23 नवम्बर, 2023 को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन समिति, हिंदी साहित्य सभा, फ़ैक्टल्स मैथमेटिक्स सोसाइटी एवं इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के प्राध्यापकों, प्रशासनिक कर्मियों और विद्यार्थियों के लिए राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया,जिसका विषय "राजभाषा हिंदी का प्रशासन में उपयोग : व्यवहारिक कठिनाइयां व समाधान" था ।सर्वप्रथम राजभाषा प्रकोष्ठ की नोडल ऑफिसर डॉ. डिम्पल गुप्ता जी ने सभी गणमान्य अतिथि विद्वानों का औपचारिक स्वागत किया । महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. रवींद्र कुमार गुप्ता जी ने राजभाषा प्रकोष्ठ के उद्देश्य एवं कार्यों का उल्लेख करते हुए राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा हिंदी के महत्व को बहुत ही सहज एवं व्यवहारिक रूप से सभी के समक्ष रखा । इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्रीमान रघुवीर शर्मा (सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय, भारत सरकार) ने राजभाषा हिंदी के प्रयोग में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों और उनके समाधान बताते हुए कहा कि विद्यालय और महाविद्यालय ही वो पहली सीढ़ी होती हैं जो नींव के रूप में कार्य करती है । उन्होंने यह भी बताया कि द्विभाषिकता की स्थिति आना भी राजभाषा हिंदी के विकास के लिए महत्वपूर्ण है । इससे अंग्रेजी का प्रयोग भले ही समाप्त न हुआ हो, लेकिन हिंदी का प्रयोग काफी बढ़ा है । उन्होंने बताया कि वर्तमान में हिंदी भाषा तेजी से बढ़ती हुई भाषा है । रघुवीर जी ने इस बात पर ध्यान आकृष्ट किया कि भाषा कठिन या आसान नहीं होती बल्कि व्यवहार में लाने पर वह सरल लगती है । उन्होंने अंत में कहा कि हिंदी ही वह भाषा है जिसने स्वतंत्रता की लड़ाई में सबको एकजुट किया था और आगे भी यही भाषा भारत को संगठित कर पुनः विश्वगुरु बनाने की ओर अग्रसर हो रही है । इस कार्यक्रम में 62 प्राध्यापकों,18 गैर-शिक्षक कर्मियों और लगभग 120 विद्यार्थियों ने भाग लिया और

वे राजभाषा कार्यान्वयन कार्यशाला से लाभान्वित हुए ।इस प्रकार यह कार्यशाला सफल रूप से सम्पन्न हुई । 19 मार्च, 2024 को हिंदी साहित्य सभा ओर राजभाषा कार्यान्वन समिति के संयुक्त तत्वावधान में भाषण एवं काव्य-वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विषयों से विद्यार्थियों ने भाग लिया ।प्राचार्य जी के कुशल मार्गदर्शन में प्रतियोगिता आरंभ हुई ।अंत में सभी विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान की गई । भविष्य में भी समिति के निर्देशानुसार जहाँ-जहाँ द्विभाषा की आवश्यकता है, उन कार्यों को भी जल्द से जल्द संपन्न किया जाएगा ।

WUS Cell

संयोजिका : डॉ. बीना मीना छात्र प्रतिनिधि: प्रियांशु भारद्वाज

WUS (World University Service) एक अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, मानव अधिकार, विकास, सामाजिक न्याय, जैसे क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर शैक्षिक जगत एवं विद्यार्थियों की भागीदारी को बढ़ावा देना है । इसी क्रम में WUS Cell के द्वारा समय-समय पर विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर

जन-जागरूकता अभियान व कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है । WUS Cell, WDC और IIC ने लर्निंग लिंकस फाउंडेशन के साथ संयुक्त तत्वावधान में एक दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया । यह कार्यशाला 19 जून से 29 जून,2023 तक चली । कार्यशाला का विषय था-"स्किल डेवलपमेंट एंड डाटा एनालिटिक्स" । इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को डाटा एनालिटिक्स क्षेत्र की जानकारी देना और उसके महत्त्व एवं आवश्यकता के प्रति जागरूक करना था । विशेषज्ञों ने एम एक्स -एक्सल, डाटा फार्मेटिंग, एक्सपोर्ट इमपोर्टिंग डाटा, पिवट टेबल, फाउंड फंक्शन एवं टेक्स्ट डाटा पर प्रतिभागियों का विशेष ज्ञानवर्धन किया ।

डब्ल्यू. यू. एस. सेल' के द्वारा 'सेंट्रल बैंक आफ इंडिया' के संयुक्त तत्वावधान में VIGILANCE AWARENESS WEEK 2023 के अन्तर्गत एक इन्टर कॉलेज व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । सेल ने 3 नवंबर, 2023 को एक व्याख्यान का आयोजन किया जिसका विषय "Strengthening Vigilance Mechanisms to Combat Corruption in India" रखा गया । इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया । प्रतियोगिता में 20 छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज कराई । प्रतियोगिता के समय कॉलेज प्राचार्य प्रो. रवीन्द्र कुमार गुप्ता जी, डिप्टी रीजनल हेड मिस्टर प्रीतम लाल गंगवानी जी (सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया), मैनेजर शिप्रा काया जी (सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया) विजिलेंस अवेयरनेस अधिकारी (सेंट्रल बैंक ऑफ इण्डिया) उपस्थित रहे । इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने देश एवं समाज में भ्रष्टाचार को लेकर विभिन्न पहलुओं पर बात की तथा भ्रष्टाचार के निराकरण के लिए विभिन्न सुझाव भी दिए । प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को पेन, फाइल और सर्टिफिकेट दिये गये एवं विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप धनराशि भी प्रधान की गई । यह प्रतियोगिता बहुत ही ज्ञानवर्धक रही ।डब्ल्यू. यू. एस. सेल एवं कॉलेज की अन्य समितियों के द्वारा ब्लड बैंक चंद्र लक्ष्मी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में एक ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया गया । यह ब्लड डोनेशन कैंप 20 मार्च, 2024 को आयोजित किया गया । इस कैंप में कॉलेज के विद्यार्थी, टीचिंग, नॉन टीचिंग फैकेल्टी के सदस्यों ने बड़े ही उत्साह पूर्वक भाग लिया ।ब्लड डोनेशन में भाग लेने वाले सभी सदस्यों को ससम्मान सर्टिफिकेट प्रदान किया गया । यह ब्लड डोनेशन कैंप बहुत ही सफल और उत्साहित करने वाला रहा ।

उद्योग संस्थान इंटरेक्शन सेल संयोजक-डॉ. जय शंकर शर्मा

कॉलेज और उद्योग के साथ-साथ कॉलेज और अन्य शोध संस्थानों के बीच सहजीवी संबंध विकसित करने के लिए उद्योग संस्थान इंटरेक्शन सेल (तृतीय सेल) की शुरुआत वर्ष 2018 में प्राचार्य प्रो.आर के गुप्ता के मार्गदर्शन में की गई थी । सेल का उद्देश्य उद्योग के दौरे, ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप और उद्योग परियोजनाओं के माध्यम से छात्र और संकाय के लिए उद्योग के संपर्क के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करना है, पाठ्यक्रम डिजाइन, वितरण और मूल्यांकन में उद्योग के पेशेवरों को शामिल करना ताकि छात्र उद्योग को तैयार किया जा सके,

उद्योग के पेशेवरों की मदद की जा सके । उच्च शिक्षा, सतत शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से उनकी योग्यता, ज्ञान और कौशल का उन्नयन करना ताकि उद्योगों को अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श के माध्यम से उनकी समस्याओं को हल करने में मदद मिल सके । उपरोक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए सेल ने 7 अक्टूबर, 2023 को वाणिज्य संघ, फिनशाला: द फाइनेंस क्लब, बी.ए. प्रोग्राम समिति और वित्तीय साक्षरता पर विद्या विस्तार योजना के सहयोग से एक वेबिनार का आयोजन किया । यह गतिविधि ज़ूम पर आयोजित की गई जिसमें लगभग 70 छात्रों ने भाग लिया । वेबिनार के परिणामस्वरूप छात्र आधुनिक निवेश विकल्प, सेवी की भूमिका और निवेशक की उचित परिश्रम आदि को समझने में सक्षम थे । सेल ने 10 जनवरी, 2024 को IIT दिल्ली के इनोवेशन एंड इन्क्यूबेशन सेंटर की यात्रा भी आयोजित की । इस यात्रा में 30 छात्रों ने भाग लिया । ट्रिप के परिणामस्वरूप छात्र इनक्यूबेशन सेंटर के संचालन, उनके द्वारा स्टार्ट-अप को प्रदान की जाने वाली अवसंरचना, कैसे वे आदर्श वातावरण और धन प्रदान करते हैं, को समझने में सक्षम हुए । ऐसी औद्योगिक यात्राओं से विद्यार्थी यह भी सीखते हैं कि विचारों को कैसे प्राप्त किया जाए, सॉफ्ट स्किल्स का महत्व, एक उपयुक्त और समान विचारधारा वाले सह-संस्थापक को कैसे खोजा जाए आदि । यह छात्रों के लिए एक बहुत ही फायदेमंद यात्रा रही क्योंकि उन्होंने "ट्वीक लैब्स" के सह-संस्थापक अनंत शर्मा और “स्क्रैप अंकल” (SCRAP UNCLE) के संस्थापक मुकुल छाबड़ा के साथ बातचीत की । कुछ ऐसा करने की प्रेरणा के साथ हमारे छात्रों की बढ़ी हुई जानकारियों और नैतिकता के साथ यात्रा समाप्त हुई जिसने छात्रों के मस्तिष्क पर अपना प्रभाव छोड़ा । इसके बाद 1 फरवरी, 2024 को हमने IIT दिल्ली के इनक्यूबेशन सेंटर की यात्रा का आयोजन किया । इस ट्रिप में 32 विद्यार्थियों ने भाग लिया । इस दौरे के बाद छात्र स्टार्ट-अप की कार्य संस्कृति, इन्क्यूबेशन सेंटर में इंटर्नशिप के अवसर, इन्क्यूबेशन अवधि के दौरान स्टार्ट-अप के लिए विशिष्टता, कानूनी सहायता और निगमन के लिए आवश्यक अन्य सेवाओं आदि को समझने में सक्षम हुए । छात्रों ने "सरफेस मोटो इलेक्ट्रिक वाहन स्टार्ट-अप" के संस्थापक सैयद शाहबाज़ के साथ बातचीत की, जिनका उद्देश्य ऐसे उत्पादों का निर्माण करना है जो लाखों लोगों को दुनिया भर में टिकाऊ यात्रा करने में मदद करेंगें ।कुल मिलाकर यह छात्रों के रोज़गार के लिए लाभदायक सेल है ।

स्किल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल **(SIEC)/ "**इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल**" / (NISP)**

संयोजिका **:** श्रीमती सोनिया ढींगरा और डॉ**.** सोनिका नागपाल

कॉलेज में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के 'नेशनल इनोवेशन एंड स्टार्ट-अप पॉलिसी' के कार्यान्वयन के लिए गठित कॉलेज की 'इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल' (IIC) ने साल भर कई कार्यक्रम किए । कॉलेज में शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल के 'नेशनल इनोवेशन एंड स्टार्ट - अप पॉलिसी' के कार्यान्वयन के लिए गठित 'इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल' (IIC) ने साल भर कई कार्यक्रम किए । इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल द्वारा WDC, WUS, LLF के संयुक्त तत्वावधान में 12 से 19 सितंबर, 2023 तक "स्किल डेवलपमेंट एंड डेटा एनालिटिक्स" विषय पर एक सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया । SIEC ने 22 जुलाई, 2023 को 'Lean Start-ups: Understanding the nuances of the Journey' विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें देशमुख ग्लोबल मैनेजमेंट सॉल्यूशंस के श्री अरविंद देशमुख प्रमुख वक्ता थे । 28 अगस्त, 2023 को Udhmodya फाउंडेशन (दिल्ली विश्वविद्यालय का स्टार्ट-अप इकोसिस्टम) के सहयोग से 'Accelerators Facilitating Early-Stage startups' पर एक वार्ता आयोजित की गई । उदमोद्या फाउंडेशन के इनक्यूबेशन संचालन प्रबंधक डॉ. संजय कुमार को कार्यक्रम के लिए मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था । 28 अगस्त, 2023 को अभिव्यक्ति, कौटिल्य परिषद, सृष्टि और SAVI के सहयोग से एक इंटर-कॉलेज बिजनेस पिचिंग प्रतियोगिता- 'Innovation Arena' का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा दिमागों को स्थायी लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से अपने अभिनव विचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है । 30 सितंबर, 2023 को 'Problem solving And Ideation' विषय पर एक अन्य वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें डीडीयू कॉलेज की प्रोफेसर रविंदर कौर मुख्य वक्ता थीं । 28 अक्टूबर, 2023 को कॉमर्स एसोसिएशन के साथ 'Entrepreneurship and Innovation as Career Opportunity' विषय पर एक और सहयोगी वेबिनार का आयोजन किया । टी.आई.एम.ई. की प्रशिक्षक सुश्री अदिति शर्मा को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था । 3 नवंबर, 2023 को वाणिज्य संघ के सहयोग से सहकारी मेले और इनक्यूबेशन केंद्र का दौरा आयोजित

किया गया । छात्रों को अपसाइक्लिंग प्रक्रिया में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों और मशीनों से परिचित कराया गया । छात्रों को एनसीयूआई हाट में वंचित महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टालों से भी प्रेरणा मिली । इसके अलावा, 1 मार्च, 2024 को 'Design Thinking and Innovation' विषय पर एक सहयोगी वेबिनार का आयोजन किया गया था, जिसमें डीडीयू कॉलेज की प्रोफेसर रविंदर कौर प्रमुख वक्ता थीं । सेल की ओर से 8-9 मार्च,2024 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन "Nurturing Startup & Entrepreneurial Culture in VIKSIT BHARAT @2047: Conquering Challenges and Embracing Opportunities" विषय पर किया गया था ।

अर्था सेल **(Eartha)**

संयोजिका **:** डॉ**.** डिम्पल गुप्ता छात्र प्रतिनिधि **:** मुन्ना शर्मा

अर्था सोसाइटी एक गैर लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य समाज में विविध महत्वपूर्ण विषयों एवं समस्याओं पर चर्चा करते हुए समाज में जागरूकता फैलाना है, साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी विद्यार्थियों को विविध विषयों से संबंधित विषयों के बारे में शिक्षित करना है । अर्था सोसाइटी छात्रों के बीच विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है । इस दृष्टि से दिनांक 20 अक्टूबर, 2023 को अर्था के विद्यार्थियों द्वारा यौन उत्पीड़न जागरूकता संबंधी परिचर्चा का आयोजन किया । इस परिचर्चा में छात्रों ने यौन उत्पीड़न की स्थितियों को समझने, उनकी पहचान करने एवं अपनी आत्मरक्षा संबंधी अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा एवं इसके समाधान पर बल दिया । 16 फरवरी, 2024 शुक्रवार के दिन अर्था द्वारा मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया ।इसका उद्देश्य छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य एवं तनाव संबंधी समस्याओं से निपटने के तरीकों के बारे में शिक्षित करना था ।13 मार्च, 2024 को सोसायटी द्वारा नशा मुक्ति संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें नशे की लत, कारण, दुष्प्रभाव एवं इससे मुक्ति के उपायों की चर्चा की । 16 अप्रैल, 2024 को अर्था सोसाइटी द्वारा मासिक धर्म पर जागरूकता संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया । सोसाइटी की नोडल अधिकारी डॉ. डिम्पल गुप्ता ने परस्पर संवाद और प्रश्नोत्तर द्वारा छात्र एवं छात्राओं को इस विषय से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण तथ्यों,स्वास्थ्य एवं स्वच्छता का ध्यान रखना,मासिक धर्म से संबंधित रूढ़ियों एवं अंधविश्वासों का निराकरण आदि से अवगत कराया । इस कार्यक्रम में 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया ।

फ़िल्म निर्माण एवं फोटोग्राफी सेल **(**दृशयम**)** संयोजिका**:**डॉ**.**गरिमाभारद्वाज**,** श्री रणकेश मीणा

फिल्म एवम् फोटोग्राफी सेल वर्षभर महाविद्यालय परिसर में आयोजित होने वाले लगभग सभी कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाता है । वर्ष 2023-24 में टीम दृश्यम ने न केवल विश्वविद्यालय में फोटोग्राफी से संबंधित आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लिया अपितु अनेक प्रतियोगिताओं में विजयी भी रही । दिनांक 3 फरवरी, 2024 को सेमिनार कक्ष में हमारे आदरणीय प्राचार्य प्रोफेसर रवींद्र कुमार गुप्ता जी के कुशल मार्गदर्शन में फिल्म एवम् फोटोग्राफी सेल की तरफ से “फिल्म मेकिंग की कला” विषय पर एक कार्यशाला का सफल आयोजन किया । फिल्म मेकर श्री क्षितिज शीतक जी अतिथि वक्ता के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे । श्री शीतक जी ने कम बजट में अच्छी फ़िल्म कैसे बनाएं? साथ ही लाइटिंग एवम छायांकन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी विद्यार्थियों के साथ साझा की तथा फोटोग्राफी कला की महत्ता पर भी प्रकाश डाला । कार्यक्रम में कुल 32 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही ।

इनेक्टस संयोजिका **:** श्रीमती सोनिया ढींगरा

इनेक्टस ने 22 जुलाई, 2023 को 'Lean Startups: Understanding the Nuances of The Journey' विषय पर एक सहयोगी वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें देशमुख ग्लोबल मैनेजमेंट सॉल्यूशंस के श्री अरविंद देशमुख प्रमुख वक्ता थे । 30 सितंबर, 2023 को 'Problem Solving and Ideation' विषय पर एक अन्य सहयोगी वेबिनार का आयोजन किया, जिसमें डीडीयू कॉलेज की प्रोफेसर रविंदर कौर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं । 28 अक्टूबर, 2023 को कॉमर्स एसोसिएशन और स्किल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल

(SIEC) के साथ 'Entrepreneurship and Innovation as Career Opportunity' विषय पर एक तीसरा सहयोगी वेबिनार आयोजित किया, जिसमें TIME की एक ट्रेनर सुश्री अदिति शर्मा को स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया था । इनेक्टस द्वारा 3 नवंबर, 2023 को कॉमर्स एसोसिएशन और स्किल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सेल के सहयोग से सहकारी मेले और इनक्यूबेशन केंद्र का दौरा आयोजित किया गया । छात्रों को अपसाइक्लिंग प्रक्रिया में उपयोग किए जाने वाले विभिन्न उपकरणों और मशीनों से परिचित कराया । छात्रों को एनसीयूआई हाट में वंचित महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टालों से भी प्रेरणा मिली । 1 मार्च, 2024 को 'Design Thinking and Innovation' विषय पर एक चौथा सहयोगी वेबिनार आयोजित किया गया था, जिसमें डीडीयू कॉलेज की प्रोफेसर रविंदर कौर मुख्य वक्ता थीं।

राष्ट्रीय युवा संसद योजना संयोजिका : डॉ. करिश्मा सारस्वत

पी. जी. डी. ए. वी. कॉलेज (सांध्य) ने छात्रों में लोकतंत्र की भावना फैलाने के उद्देश्य से मई, 2022 में अभिव्यक्ति-द यूथ पार्लियामेंट सोसाइटी का गठन किया । इस समाज का मुख्य उद्देश्य उन छात्रों को एक मंच प्रदान करना है जो नई चीजें सीखने व अपने पारस्परिक और वाद-विवाद कौशल विकसित करने में रुचि रखते हैं । सभी छात्रों को कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं के आयोजन और प्रबंधन में योगदान करने और प्रतिस्पर्धी इंट्रा-कॉलेज और इंटर कॉलेज कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है । यूजीसी से प्राप्त पत्र के अनुसार सोसायटी अनेक (इंटर-कॉलेज और इंट्रा-कॉलेज) जी 20 जनभागीदारी कार्यक्रमों के आयोजन में शामिल थी । कार्यक्रम कॉलेज की विभिन्न समितियों के सहयोग से आयोजित किए गए थे । प्रतियोगिताओं में निबंध लेखन प्रतियोगिता (10जून,2023),क्विज प्रतियोगिता(12 जून,2023),रील इट अप - ऑनलाइन रील मेकिंग प्रतियोगिता (26 अगस्त, 2023),इनोवेशन एरिना - बिजनेस पिच प्रतियोगिता (28 अगस्त,2023),पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता (17 सितम्बर, 2023)मॉडल संयुक्त राष्ट्र 2023 (23 सितंबर, 2023) आदि करवायीं गयीं । विजेताओं को 23 सितंबर, 2023 को आयोजित G-20 जनभागीदारी समापन समारोह में ट्राफियां प्रदान की गईं ।अभिव्यक्ति सोसायटी ने कॉलेज की संस्कृति परिषद और दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में 31 अक्टूबर, 2023 को "G20 इंडो-जर्मन संगोष्ठी और सांस्कृतिक उत्सत्राव" के आयोजन में भी बड़े पैमाने पर शामिल था । अभिव्यक्ति सोसाइटी ने 25 नवंबर, 2023 को कॉलेज के नॉर्थ ईस्ट सेल के सहयोग से शॉर्ट वीडियो स्क्रानिंग और इंट्रा-कॉलेज स्पीच प्रतियोगिता का आयोजन करके संविधान दिवस और जन जातीय गौरव दिवस मनाया ।अभिव्यक्ति सोसाइटी ने 11 मार्च, 2024 को नेहरू युवा केंद्र – दक्षिण पूर्व दिल्ली, युवा मामले और खेल मंत्रालय के सहयोग से "जिला स्तरीय आस-पड़ोस युवा संसद" का भी आयोजन किया ।विजेताओं को कॉलेज की ओर से नकद ईनाम एवं ई-सर्टिफिकेट तथा और प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिए गए ।

रोटारैक्ट क्लब

संयोजिका : रुचिता माछ्ल अध्यक्ष :कशिश सिंह

रोटारैक्ट क्लब सामुदायिक सेवा और सामाजिक कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए पूरे वर्ष प्रभावशाली कार्यक्रमों और पहल की एक श्रृंखला में सक्रिय रूप से शामिल रहा है । एक समान लक्ष्य से एकजुट होकर, रोटारैक्ट (रोटरी-इन-एक्शन) के सदस्य "स्वयं से ऊपर सेवा" के आदर्श वाक्य को अपनाते हैं, जो उनके समुदायों और उससे परे सकारात्मक बदलाव के लिए एक शक्तिशाली शक्ति का प्रतीक है । क्लब को जिला स्तर पर समुदाय में उत्कृष्ट योगदान के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है ।वर्ष की शुरुआत 2 जून, 2023 को रिटायर्ड लव गुप्ता (अध्यक्ष 2022-23) के सफल कार्यकाल का सम्मान करते हुए धन्यवाद समारोह – 'कृतज्ञता' के साथ हुई । इस कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों और साथी रोटारैक्ट क्लबों की उपस्थिति के साथ भाषण, प्रदर्शन और एक पुरस्कार समारोह आयोजित किया । 1 से 6 जुलाई, 2023 तक, क्लब ने HOPE 4.0 का आयोजन किया, जो विभिन्न सामाजिक कारणों पर केंद्रित कार्यक्रमों की एक सप्ताह लंबी श्रृंखला थी । गतिविधियों में विज्ञान प्रयोग और वंचित बच्चों के लिए स्टेशनरी वितरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर चर्चा, स्वच्छता जागरूकता अभियान, योग सत्र और ओआरएस वितरण शामिल थे । 15 जुलाई, 2023 को क्लब ने कैरियर लॉन्चर कोचिंग के साथ मिलकर "एमबीए प्रवेश परीक्षा के लिए तैयारी रणनीति" पर एक वेबिनार

आयोजित किया, जिससे पचास से अधिक प्रतिभागियों को लाभ हुआ । 20 अगस्त, 2023 को "फन फ्यूजन फेयर" एक मुख्य आकर्षण था, जहां क्लब ने प्रदर्शन और प्रतियोगिताओं के साथ-साथ स्थानीय विक्रेताओं की हस्तनिर्मित वस्तुओं को प्रदर्शित करने वाले एक कार्निवल की मेजबानी की, जिसने 150 से अधिक व्यक्तियों को प्रभावित किया । प्रोजेक्ट चाहत, 28 अगस्त, 2023 को लॉन्च किया गया, जिसका उद्देश्य स्थानीय और स्व-निर्मित व्यवसायों का समर्थन करना है । क्लब ने गैर सरकारी संगठनों की हस्तनिर्मित वस्तुओं को प्रदर्शित करने वाले एक स्टॉल के माध्यम से चार हजार रुपये से अधिक जुटाए । 24 सितंबर, 2023 को क्लब ने प्रोजेक्ट मिस्कारा के लिए डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट आईना के साथ मिलकर अक्षरधाम में राजेंद्र आश्रम में पुरुष प्रजनन स्वास्थ्य और स्वच्छता पर एक सत्र आयोजित किया । प्रोजेक्ट परिंदे के तहत 14 अक्टूबर, 2023 को "मस्ती की पाठशाला" में जंगपुरा के पास झुग्गी-झोपड़ी के बच्चों के लिए एक शैक्षणिक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें 40 से अधिक बच्चों को स्टेशनरी किट वितरित की गईं । 22 अक्टूबर, 2023 को सहारा के हिस्से के रूप में क्लब के "खाद्य दान अभियान" का उद्देश्य जंगपुरा मेट्रो स्टेशन और विनोबापुरी में भोजन वितरित करके वंचित वर्ग को खाना खिलाना था । नेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर सोशल एम्पावरमेंट के सहयोग से 25 दिसंबर, 2023 को जिंगल गाला 3.0 ने प्रदर्शन, खेल और दावतों के माध्यम से बेला एस्टेट स्लम के बच्चों के लिए क्रिसमस की खुशियां ला दीं । रोटारैक्ट क्लब ने वर्ष 2024 में कई प्रभावशाली कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें वंचित वर्ग के बच्चों के साथ गणतंत्र दिवस समारोह, वरिष्ठ नागरिकों के साथ लोहड़ी उत्सव और विभिन्न संगठनों के सहयोग से एक रक्तदान शिविर शामिल है । 13 जनवरी, 2024 को रोज़वनम ओल्ड एज होम में लोहड़ी उत्सव में अलाव, मिठाइयाँ और वरिष्ठ नागरिकों के साथ आकर्षक बातचीत शामिल थी, जिससे बुजुर्गों के प्रति सम्मान और प्रशंसा की भावना पैदा हुई । गणतंत्र दिवस समारोह में बच्चों को दिन के महत्व के बारे में शिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें 70 से अधिक बच्चों के लिए नृत्य प्रदर्शन, फेस पेंटिंग, खेल और दावतें शामिल थीं । अंततः, 20 मार्च 2024 को रक्तदान शिविर ने सावधानीपूर्वक योजना और कार्यान्वयन का प्रदर्शन किया, जिसमें स्वयंसेवक जागरूकता बढ़ाने और एक सफल दान प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए लगन से काम कर रहे थे ।

योग सभा **(Yoga Club)**

संयोजिका : डॉ. श्रुति विप योग प्रशिक्षक : पुष्प विद्यार्थी समन्वयक : मानसी वर्मा

दैनिक जीवन में योग शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक रूप से यौगिक अभ्यासों को आत्मसात करने का एक प्रयास है । योग केंद्र सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को कॉलेज के योग कक्ष में अभ्यास सत्र आयोजित कर रहा है । 21 जून, 2024 को कॉलेज के सेमिनार हॉल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया । 22 और 23 जून को आयोजित 'डीयू योग सम्मेलन' में योग केंद्र के 6 छात्रों ने भाग लिया । कॉलेज योग केंद्र ने 7 से 9 अगस्त, 2023 तक दिल्ली विश्वविद्यालय ईसीए ट्रायल्स की मेजबानी की । संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की 'हर घर ध्यान' पहल के सहयोग से 15 सितंबर, 2023 को एक परिचयात्मक सत्र "अपनी वास्तविक क्षमता को अनलॉक करना" आयोजित किया गया, जिसमें 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया । योग के लाभों के बारे में जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए 18 फरवरी, 2024 को "इंडिया गेट" पर आउटडोर योग सत्र आयोजित किए गए ।

मार्केटिंग और कंज्यूमर अवेयरनेस क्लब संयोजिका : डॉ. सारिका शर्मा

मार्केटिंग एंड कंज्यूमर अवेयरनेस क्लब का उद्देश्य विद्यार्थियों को सूचना प्रदान करना एवं प्रतिमान अनुसंधान (Paradigm Research) और समकालीन विषयों पर जानकारी प्रदान करना है । इस क्लब के द्वारा मार्केटिंग की विभिन्न अवधारणाओं को समझने के लिए सेमिनार और वेबिनार का आयोजन किया जाता है जिससे विद्यार्थियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए एक मंच प्रदान हो सके । इस क्लब का गठन वर्ष 2018 में किया गया था । क्लब के द्वारा विद्यार्थियों को डिजिटल मार्केटिंग,

एक्सपेरिमेंटल मार्केटिंग, बज़ मार्केटिंग, रिलेशनशिप मार्केटिंग, ग्रीन/ सस्टेनेबल मार्केटिंग, सी.आर.एम., रूरल मार्केटिंग, इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग, स्पोर्ट्स मार्केटिंग आदि से अवगत कराया जाता है । इस वर्ष 15 अप्रैल, 2024 को ZEST - मार्केटिंग एंड कंज्यूमर अवेयरनेस क्लब ने कॉमर्स एसोसिएशन और IQAC के सहयोग से एक वेबिनार आयोजित किया, जिसका विषय: - "द पावर ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (AI) इन मॉडर्न मार्केटिंग" था, जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. मधु मुरदइ जी(जे आर एन आर वी यू विश्वविद्यालय, उदयपुर) उपस्थित हुईं । अतिथि ने AI पे चर्चा करते हुए इसकी महत्ता पर भी प्रकाश डाला । उन्होंने AI की परिवर्तनकारी क्षमताओं पर जोर दिया, विशेष रूप से चैटबॉट्स को सशक्त बनाने और व्यक्तिगत प्राथमिकताओं के अनुरूप व्यक्तिगत ग्राहक सहायता प्रदान करने में कैसे सहयोग करता है, इस पर महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान की ।

फिनशाला **(**वित्त क्लब**)** संयोजिका **:** श्रीमती रिम्मी जैन

फाइनेंस क्लब द्वारा दिनांक 17 नवम्बर, 2023 को कॉमर्स एसोसिएशन व वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एवं मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट सर्विसेज के साथ साझेदारी से “Financial Literacy” विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया । एसीबीएम ग्लोबल मेंटर के निदेशक, एडुएसिस्ट लर्निंग कर्व में मैनेजिंग पार्टनर व कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोंसिबिलिटी में सलाहकार डॉ. अमन चावला मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे ।वेबिनार में डॉ. अमन ने छात्रों को म्यूच्यूअल फंड्स के निवेश, प्रोडक्ट स्कीम्स व टैक्सेशन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की फाइनेंस क्लब द्वारा दिनांक 19जनवरी, 2024 को कॉमर्स एसोसिएशन, आई. क्यू. ए. सी., आईआईएफएल व दक्षिणा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में “The Impact of early Financial Intelligence” विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया । दिल्ली स्टॉक एक्सचेंज के निदेशक व फेडरेशन ऑफ़ इंडियन स्टॉक एक्सचेंजेस के अध्यक्ष आदरणीय श्री बी. के. सभरवाल मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित हुए ।उन्होंने कम उम्र से ही वित्तीय कौशल विकसित करने के परिवर्तनकारी प्रभावों पर प्रकाश डाला, साथ ही इक्विटी बाजार में शीघ्र निवेश से होने वाले

फायदों के बारे में छात्रों का ध्यान दिलाया । दिनांक 26फरवरी, 2024 को फाइनेंस क्लब द्वारा कॉमर्स एसोसिएशन के सहयोग से सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड का दौरा किया गया ।इस दौरे में छात्रों ने सेबी की कार्यप्रणाली के बारे में जाना । इस दौरे से छात्रों ने नैतिक निवेश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझा ।

रेड रिबन क्लब **(RRC)** संयोजिका **:** डॉ**.** मीनाक्षी यादव

रेड रिबन क्लब भारत सरकार द्वारा स्कूलों और कॉलेजों में शुरू किया गया एक ऐसा आंदोलन है, जिसके माध्यम से छात्र एच.आई. वी./ एड्स के बारे में जागरूकता फैलाएंगे । यह क्लब एड्स से पीड़ित लोगों के समर्थन में खड़ा है । यह छात्रों की स्वास्थ्यवर्धक जीवन शैली विकसित करने की दिशा में सभी छात्रों के बीच स्पष्ट विचारों की परिकल्पना करता है । शैक्षणिक संस्थानों में RRC की भूमिका यही है कि युवाओं को सही, संक्षिप्त और पर्याप्त जानकारी के साथ शिक्षित करना व एच.आई.वी./एड्स के बारे में जागरूकता के स्तर को बढ़ाना । क्लब एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने, स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने और व्यक्तियों के बीच सामुदायिक जुड़ाव की भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कार्यक्रमों और अभियानों की एक श्रृंखला आयोजित की। वर्ष की शुरुआत 13 अप्रैल, 2023 को रक्तदान अभियान के साथ हुई । शिविर का आयोजन रोटारैक्ट क्लब ऑफ कॉलेज और आईक्यूएसी के सहयोग से किया गया था । शिविर सुबह 10:00 बजे शुरू होकर शाम को 4:00 बजे तक चला । शिविर को प्रभावी ढंग से आयोजित किया गया था और रक्तदान से पहले सभी उचित जांच की गई थी । रेड रिबन क्लब G-21, IQAC और विद्या विस्तार योजना के सहयोग से 21 सितंबर, 2023 को "युवाओं के अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण पर जीवन शैली की भूमिका" पर एक रचनात्मक पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने एचआईवी/एड्स की रोकथाम, इस कलंक में कमी और प्रभावित लोगों के

समर्थन के बारे में महत्वपूर्ण संदेश फैलाते हुए अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया । क्लब एक डिजिटल वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें स्वास्थ्य सहायता के क्षेत्र में प्रसिद्ध विशेषज्ञ डॉ.कमल के परवाल शामिल थे, जो हमारे सदस्यों और समुदाय को नवीनतम विकास, रोकथाम के तरीकों और उपलब्ध उपचार विकल्पों के बारे में शिक्षित करने के लिए पधारे थे । एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए क्लब द्वारा आयोजित एक इंटर कॉलेज वाद-विवाद प्रतियोगिता "बियॉन्ड द स्टिग्मा" का आयोजन किया गया । इस बहस में विभिन्न कॉलेजों के छात्रों की भागीदारी देखी गई, जिन्होंने एचआईवी/एड्स के विभिन्न पहलुओं, जैसे रोकथाम, उपचार, कलंक, भेदभाव और सामाजिक समर्थन पर अपने विचार प्रस्तुत किए । 23 जनवरी, 2024 को कॉलेज परिसर में "ट्री फॉर लाइफ" नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसका मुख्य उद्देश्य एचआईवी एड्स की रोकथाम और उपचार के बारे में जागरूकता फैलाना और लोगों को एचआईवी के परीक्षण के लिए प्रोत्साहित करना था । स्वयंसेवकों द्वारा सूचनात्मक कार्ड और पोस्टर तैयार किए गए थे और उन्हें एक पेड़ पर लटका दिया गया था, जो एचआईवी की रोकथाम, परीक्षण और उपचार के बारे में जानकारी प्रदान करता था, जिससे बीमारी के बारे में मिथकों और गलत धारणाओं को दूर करने में मदद मिली ।पहले के रक्तदान अभियान की सफलता के कारण आरआरसी ने फिर से एक रक्तदान अभियान का आयोजन किया जो 20 मार्च 2024 को आयोजित किया गया था, इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीवन बचाने और स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों का समर्थन करने में रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना था । व्यापक पदोन्नति और समन्वय प्रयासों के माध्यम से, हमने छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और समुदाय के सदस्यों से भागीदारी को प्रोत्साहित किया । इस आयोजन ने न केवल महत्वपूर्ण संख्या में रक्त इकाइयों के संग्रह की सुविधा प्रदान की, बल्कि प्रतिभागियों के बीच एकजुटता और सामुदायिक भावना को भी बढ़ावा दिया ।

मानव संसाधन क्लब संयोजिका : डॉ.रुचिरा पाठक

मानव संसाधन क्लब ने आईक्यूएसी,कॉमर्स एसोसिएशन, प्लेसमेंट और इंटर्नशिप सेल और विद्या विस्तार योजना के सहयोग से 6 दिसंबर, 2023 को लीडरशिप एंड बिहेवियर कोच और ग्रोथ फैसिलिटेटर, सम्मानित सुश्री उर्वशी भट्टाचार्य द्वारा "सफल मानव संसाधन कर्मियों के लिए सीखने की मानसिकता" पर एक वेबिनार का आयोजन किया ।

एडऑन कोर्सेज और योजनाएं

लीगल अवेयरनेस संयोजिका: प्रो. मीना शर्मा

औपचारिक पाठ्यक्रमों के अलावा, कॉलेज ने छात्रों की प्राकृतिक प्रतिभा और रचनात्मक कौशल को उजागर करने और उनके समग्र व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य से कई पूरक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं । इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए कॉलेज में वर्ष 2016 में 'कानूनी जागरूकता' पाठ्यक्रम का पहला बैच शुरू किया गया । तब से अब तक कुल 14 बैच पूरे हो चुके हैं । लीगल अवेयरनेस प्रोग्राम के 14 वें बैच का शुभारम्भ 30 अक्टूबर, 2023 को डी.एल. एस. ए. साउथ ईस्ट के संयुक्त तत्वावधान में हुआ | कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री विनीक जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही । इस कार्यक्रम में इस वर्ष कुल 10 सत्र आयोजित किये गये । कार्यक्रम में प्रतिष्ठित न्यायाधीशों व अधिवक्ताओं द्वारा मुख्यतः डी.एल. एस. ए., पोस्को ऐक्ट, ट्रैफिक चालांस, ई-ऍफ़ आई. आर., हिंदू-मैरिज एक्ट व जेंडर जस्टिस आदि विषयों के बारे में प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी दी गयी । इस कोर्स में कुल 43 प्रतिभागियों ने भाग लिया । सेल द्वारा 5 दिसम्बर, 2023 को अधिवक्ता श्री संजय दत्त के मार्गदर्शन में पुलिस थाना, कालकाजी का दौरा किया गया । विद्यार्थियों को वास्तविक परिस्थितियों से परिचित करवाने के

उद्देश्य से 7 दिसम्बर, 2023 को अधिवक्ता श्री संदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में तिहाड़ जेल का दौरा किया गया । विद्यार्थियों को न्यायालय संबंधित जानकारी देने के उद्देश्य से 15 फ़रवरी, 2024 को अधिवक्ता श्री संजय दत्त के मार्गदर्शन में साकेत कोर्ट का दौरा किया गया । लीगल अवेयरनेस प्रोग्राम के 14वें बैच का समापन समारोह 21 फ़रवरी, 2024 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ । समापन समारोह में श्री रजनीश कुमार गुप्ता ऐलडी- प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन जज कम चेयरपर्सन, (डी.एल. एस. ए. साउथ ईस्ट) ने मुख्य अतिथि के रूप में व श्री विनीक जैन की विशिष्ट अतिथि के रूप में गरिमामयी उपस्थिति रही । कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किये गए । लीगल अवेयरनेस प्रोग्राम के 14वें बैच तृतीय वर्ष के छात्र निखिल को भी प्रमाणपत्र व स्मृतिचिह्न प्रदान किया गए ।

विद्या विस्तार योजना समिति

संयोजिका : डॉ. कृष्णा शुक्ला छात्र प्रतिनिधि : हर्ष मिश्रा

दिल्ली विश्वविद्यालय की इस अत्यंत महत्त्वपूर्ण योजना में हमारा महाविद्यालय अहम भागीदार है । हमारे महाविद्यालय ने दो अति विकट व दुर्लभ स्थानों के महाविद्यालयों के साथ एम.ओ.यू. किया, जो कि हमारी इस योजना के अधीन है । इस योजना में पाकिस्तान के निकट राजस्थान की सीमा से जुड़े शिव नामक स्थान के राजकीय कॉलेज को अपना साथी बनाया । यह जलवायु व भौगोलिक दृष्टि से अति पिछड़ा इलाका है, जहां लोगों के पास मोबाइल फोन व इंटरनेट की सुविधा पर्याप्त नहीं है । महाविद्यालय में पर्याप्त प्राध्यापक भी नहीं है । इस क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति भी अति विकट है । भयंकर गर्मी - सर्दी के अलावा वर्षा व पेयजल की अत्यंत कमी है । छात्र किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेने के बजाय अपनी माता- पिता की मदद पेयजल जुटाने में करते रहते हैं । दूसरा भागीदार एस.एस.एन.जे. कॉलेज, वर्धा (महाराष्ट्र) है, जिस की स्थिति बाड़मेर महाविद्यालय की अपेक्षा थोड़ी ठीक है । हमारे महाविद्यालय की ओर से सभी ऑनलाइन वेबिनारों में दोनों साथी महाविद्यालयों को आमंत्रित किया गया है तथा उनकी सहभागिता भी रही है ।

शुभ आशीष योजना संयोजक : डॉ. जयपाल

पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) के द्वारा वर्ष 2018 के अगस्त महीने में मानवीय संवेदनाओं पर आधारित 'शुभ आशीष' नामक विशेष आभियान का आरंभ किया गया था, जिसके अंतर्गत महाविद्यालय के सभी विभाग के विद्यार्थी प्रत्येक महीने में एक बार या अधिकतम दो बार वृद्धाश्रम का दौरा करते हैं । शुभ आशीष समिति निरंतर, पारिवारिक गतिविधियाँ और सेवाभाव कार्य में कॉलेज के अधिक से अधिक विद्यार्थियों को सम्मिलित करके उनको

सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित कर रही है । इस कार्य के लिए इस समिति से 10 से 15 विद्यार्थियों की टीम निरंतर वृद्ध आश्रम में 250 से ऊपर निस्सहाय, बेघर और विकलांग वृद्धजनो और दृष्टि बाधित समस्या से पीड़ित व्यक्तियों की सेवा कर रही है । 28 अगस्त, 2023 को शुभ-आशीष समिति के 10 विद्यार्थियों ने 'गुरु विश्राम वृद्ध आश्रम' गौतमपुरी, नई दिल्ली में वृद्धजनों की सेवा की और वृद्धजनों के प्रति अपनत्व भाव प्रस्तुत कर उनके अकेलेपन को कम कर खुश रखने का प्रयत्न किया । 9 नवंबर, 2023 को शुभ आशीष समिति के 14 विद्यार्थियों ने 'गुरु विश्राम वृद्ध आश्रम' गौतमपुरी, नई दिल्ली में 250 से ऊपर वृद्धजनों के साथ दीपावली एवं होली के उत्सव अत्यंत उत्साह के साथ मनाया । त्यौहार के दौरान हमारे विद्यार्थियों द्वारा वृद्धजनों को विभिन्न प्रकार की मिठाईयाँ, फल वितरित किए गए । विद्यार्थियों द्वारा एक नृत्य का प्रस्तयुतिकरण आयोजित किया गया और उसके उपरांत शॉल, चादर और गर्म टॉप वृद्धजनों को दिए गए । विद्यार्थियों ने वृद्धजनों की सेवा की। 30 जनवरी 2024 को शुभ आशीष, राष्ट्रीय सेवा योजना, गाँधी स्टडी एवम् युवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में 42 विद्यार्थियों ने वृद्ध आश्रम, ओखला नई दिल्ली में गाँधी जी के सेवा भाव को आदर्श मानते हुए वृद्धजनों की सेवा की । 6 फरवरी, 2024 को शुभ आशीष टीम के 15 विद्यार्थियों ने ब्लाइंड

रिलीफ एसोसिएशन, नई दिल्ली मे दृष्टि बाधित समस्या से पीड़ित व्यक्तियों की सेवा की और उनसे बातचीत कर उनकी जीवन शैली के बारे में जाना । यह टीम वहां दृष्टिबाधित छात्रों से भी मिली और उन्होंने हमारे छात्रों को बताया कि वे पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न कौशल संबंधी गतिविधियों जैसे सिलाई, कला और शिल्प, मालिश चिकित्सा और कंप्यूटर के विभिन्न अनुप्रयोगों में भी भाग ले रहे हैं । समिति ने 1 मार्च, 2024 को जलाधिकार फाउंडेशन यूनाइटेड रेजिडेंट आफ दिल्ली, द लीगल राइट्स आर्गेनाइजेशन आफ इंडिया व कॉलेज की संस्पर्श व राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में प्रकृति प्रदत्त पानी के व्यवसाय को रोकने एवं प्लास्टिक की बोतल के पानी से होने वाले रोगादि से संबंधित विषय पर दिल्ली स्थित बाराखम्बा रोड़ एवं निकटस्थ कनॉट प्लेस क्षेत्र में जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया गया । इस अभियान में जलाधिकार फाउंडेशन के कैलाश जी व राष्ट्रीय स्वाभिमान आन्दोलन के सुकर्मा चौधरी के साथ कॉलेज से डॉ. जयपाल व डॉ. कुलदीप सिंह सहित महाविद्यालय के 75 से अधिक छात्र-छात्राओं ने सम्मिलित होकर प्लास्टिक के निर्माण में बीपीए नामक रसायन के इस्तेमाल से होने वाली स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी समस्याओं से लोगों को अवगत कराया । 13 मार्च,2024 को टीम के 10 विद्यार्थियों ने ब्लाइंड रिलीफ एसोसिएशन, नई दिल्ली मे दृष्टि बाधित व्यक्तियों की सेवा की और उनसे बात चीत कर उनकी जीवन शैली के बारे में जाना । 23 मार्च, 2024 को सत्याग्रह मंडप, राजघाट, नई दिल्ली में पी. जी. डी. ए. वी. महाविद्यालय (सांध्य), जलाधिकार फाउंडेशन, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति एवं राष्ट्रीय स्वाभिमान आंदोलन के संयुक्त तत्वाधान में विश्व जल दिवस के अवसर पर " जल का व्यवसायीकरण: आवश्यकता या अभिशाप" विषय पर विभिन्न विशेषज्ञ द्वारा संवाद किया गया । इस संवाद में शुभ आशीष, राष्ट्रीय सेवा योजना एवम् पर्यावरण समिति के 50 छात्रों ने हिस्सा लिया और विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत व्याख्यान को सुना और विश्वास दिलाया कि वो जल संरक्षण के साथ-साथ जल के प्रदूषण, दुरुपयोग और व्यवसाय को रोकने में अपना भरपूर योगदान देंगे । शुभ आशीष योजना के अन्तग?त रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया ।

संस्पर्श समिति संयोजक: डॉ. कुलदीप सिंह

'संस्पर्श' कॉलेज की एक ऐसी समिति है जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय के बरामदे में सीढ़ियों के निकट एक दान पेटी स्थापित की गयी है । इस पेटी में महाविद्यालय के शिक्षक, छात्र और गैर-शैक्षणिक सदस्य कुछ भी दान करने के लिए स्वतंत्र हैं । संस्पर्श समिति ने कनॉट प्लेस, नई दिल्ली में स्थित 'सहयोग' एनजीओ का सहयोग किया है । 'सहयोग' एनजीओ 'अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम ट्रस्ट' द्वारा प्रारम्भ की गई एक परियोजना है । जब भी स्थापित पेटी भर जाती है, तो महाविद्यालय कपड़े और अन्य दान की गई वस्तुओं को 'सहयोग' एनजीओ को भेज देते हैं । यह समिति वर्तमान में इसके संयोजक डॉ. कुलदीप सिंह के मार्गदर्शन में कार्यरत है । इस समिति को स्थापित करने का पुनीत विचार हमारे प्राचार्य प्रोफ़ेसर रवीन्द्र कुमार गुप्ता जी का था, हम उनके आभारी हैं और उनके कुशल मार्गदर्शन में काम कर रहे हैं । 21 अक्टूबर, 2023 को संस्पर्श ने 'सहयोग' एनजीओ को 5 पेटी कपड़े दान किये एवं 7 फरवरी, 2024 तथा 8 मई, 2024 को संस्पर्श ने 296 कपड़े एकत्रित किये ।

अरुंधति भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र संयोजक: प्रो. हरीश अरोड़ा

कॉलेज ने एक नया शिक्षा केंद्र खोला है जिसे अरुंधति भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र नाम दिया है । महाविद्यालय के 'अरुंधति भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र' ने भारतीय भाषा समिति (शिक्षा मंत्रालय,,भारत सरकार) के संयुक्त तत्वाधान में "भारतीय भाषाएं और भारतीय ज्ञान परम्परा' विषय पर दो दिवसीय (फ़रवरी 11-12, 2024) राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की । महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा एवं अरुंधती भारतीय ज्ञान परम्परा केंद्र, के संयुक्त तत्वाधान में 'भारतीय ज्ञान परम्परा' विषय पर दो सप्ताह (23.01.2023 - 06.02.2023) का फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया ।

दृश्यम: फिल्म एवम् फोटोग्राफी सेल

संयोजक – श्रीमती गरिमा भारद्वाज, सहसंयोजक – श्री रणकेश मीणा

महाविद्यालय की फिल्म एवम् फोटोग्राफी सेल वर्षभर महाविद्यालय परिसर में आयोजित होने वाले लगभग सभी कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाती हैं । वर्ष 2023-24 में टीम दृश्यम नें न केवल विश्वविद्यालय में फोटोग्राफी से संबंधित आयोजित प्रतियोगितायो में भाग लिया अपितु अनेक प्रतियोगिताओ में विजयी भी रही । दिनांक 3 फरवरी, 2024 को सेमिनार कक्ष में हमारे आदरणीय प्राचार्य श्री रविन्द्र कुमार गुप्ता जी के कुशल मार्गदर्शन में फिल्म एवम् फोटोग्राफी सेल की तरफ से “फिल्म मेकिंग की कला” विषय पर एक कार्यशाला का सफ़ल आयोजन किया गया । फिल्म मेकर श्री क्षितिज शीतक जी अतिथि वक्ता के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे । श्री शीतक जी ने कम बजट में अच्छी फ़िल्म कैसे बनाए, साथ ही लाइटिंग एवम छायांकन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी विद्यार्थियों के साथ साझा की तथा फोटोग्राफी की कला की महत्ता पर भी प्रकाश डाला । कार्यक्रम में कुल 32 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही । हमारे लिए यह एक बहुत बड़ा अवसर था कि KIIFFA ने (काशी इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड) अपने चौथे आयोजन के लिए हमारे कॉलेज को चुना । महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर रवींद्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में इस भव्य आयोजन को 20 एवं 21 अप्रैल, 2024 को NCC, NSS, व सांस्कृतिक समिति ने मिलकर महाविद्यालय, के सभागार में आयोजित किया । काशी इंडियन इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल में विभिन्न भाषाओं में बनी शार्ट मूवीज़ दिखाई गयीं । अब तक टीवी माध्यम से फ़िल्म महोत्सव देखते आये हैं लेकिन इस बार हमारे कॉलेज में फ़िल्म फेस्टिवल मनाया गया, जिसे देखना सुखद लगा । KIIFFA का यह चौथा आयोजन है । फिल्मों को पुरस्कृत करने के साथ-साथ दुनिया भर में सिनेमा के विकास को बढ़ावा देने और समर्थन करने के लिए यह एक वैश्विक मंच है । यह मंच स्वतंत्र फिल्मों की स्क्रीनिंग, उसके प्रचार-प्रसार, अंतरराष्ट्रीय फिल्म निर्माताओं के बीच ज्ञान, विचारों, संस्कृति और मूल्यों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है । अनुभवी निर्माताओं और प्रथम बार निर्माण कर रहे फिल्म निर्माताओं के लिए यह एक बहुत बड़ा आयोजन है । इसमें उपस्थित लोगों में सिनेमा के छात्र, युवा फिल्म निर्माता, वितरक, खरीददार, सिनेमा प्रेमी और सिनेमा के क्षेत्र से जुड़े अन्य लोग शामिल हैं । KIIFFA में लगातार अच्छी-अच्छी छोटी फिल्में देखने को मिल रही हैं । कॉलेज ने अपनी भागीदारी निभाते हुए कुछ सांस्कृतिक कार्यक्रम किये और एक शार्ट फ़िल्म भी तैयार की । इस बार इस मंच ने अपने समय की मशहूर अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरी को "लाइफ टाइम अचीवमेंट कीफा 2024" देते हुए पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया । उन्होंने अपने वक्तव्य में KIIFFA के द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उसे सामाजिक जीवन से जुड़े हुए पहलुओं को सिनेमा जगत में प्रस्तुति को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया और सभी पुरस्कार विजेताओं को हार्दिक बधाई दी व कहा KIFFA के द्वारा किया गया यह प्रयास आने वाले समय मे अपनी अलग पहचान बनाएगा । इस फेस्टिवल में अतिथियों के रूप में गोविंद पांडे, राहुल देव, अनिल जोशी, डॉ.प्रवीण शुक्ला,पी.के. आजाद,निलेश शर्मा, फेस्टिवल डायरेक्टर प्रेरणा अग्रवाल, KIFFA एम.डी. नवीन अग्रवाल, आदित्य रुगटा, चितरंजन त्रिपाठी, आचार्य राधा मोहन मनोरी, अनिल कुमार बाजपेई, विनीत कुमार लोहिया, नीलेश शर्मा, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर रवींद्र कुमार गुप्ता आदि की उपस्थित के साथ ही अनुभवी निर्माता और प्रथम बार फिल्म निर्माण कर रहे फिल्म निर्माताओं के साथ ही सिनेमा के छात्र, युवा फिल्म निर्माता, वितरक,,खरीददार, सिनेमा प्रेमी और सिनेमा के

क्षेत्र से जुड़े अन्य लोगों की उपस्थिति से सभागार खचाखच भरा रहा । KIFFA के द्वारा महाविद्यालय में लगातार प्रेरणा प्रदान करने वाली दो दिन में अंतर्राष्ट्रीय भाषाओँ के स्तर पर छोटी एवं बड़ीलगभग 80 फ़िल्मों को दिखाया गया । इसके अतिरिक्त एक्सीलेंस अवार्ड, प्रेस्तिजियस अवॉर्ड, फेम अवार्ड, एप्रिसिएशन अवार्ड, गेस्ट ऑफ़ ऑनर

अवार्ड, आदि प्रदान किए गए । पी.जी.डी.ए.वी. सांध्य महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर रवींद्र कुमार गुप्ता जी को एक्सीलेंस अवॉर्ड एवं प्रेस्तिजियस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया । महाविद्यालय के छात्रों को "खोटा बचपन" फिल्म के लिए "बेस्ट स्टूडेंट ऑफ़ ईयर अवार्ड" से सम्मानित किया गया यह महाविद्यालय के लिए गर्व की बात है । कॉलेज प्राचार्य ऐसे भव्य आयोजनों के लिए हमेशा तैयार रहते हैं । इस कार्यक्रम के संयोजन के लिए डॉ. हरि प्रताप एवं श्रीमती उदिता अग्रवाल का फेस्टिवल की डायरेक्टर प्रेरणा अग्रवाल ने हार्दिक रूप से धन्यवाद दिया । हमारे पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) का नाम एक ऐसे नामी फ़िल्मी मंच के इतिहास में जुड़ा है, यह हमारे लिए गर्व की बात है ।

यूथ फॉर क्वालिटी भारत मिशन नोडल अधिकारी: श्रीमती प्रियंका चटर्जी

भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा स्थापित यह एक स्वायत्त निकायहै । यह क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया ने क्वालिटी भारत @100 मिशन के तत्वावधान में भारत के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन की गई एक परिवर्तनकारी पहल है । इस मिशन के तहत कॉलेज के छात्रों ने 12-26 जनवरी, 2024 तक क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 'गुणवत्ता पखवाड़ा' के निबंध लेखन, पोस्टर मेकिंग से लेकर विभिन्न ऑनलाइन वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और नुक्कड़ नाटक प्रतिस्पर्धी और गैर-प्रतिस्पर्धी प्रतियोगताओं में भाग लिया । कॉलेज की एन.सी.सी. और एन.एस. एस. इकाइयों ने 24 जनवरी, 2024 को 'गुणवत्तापूर्ण भारत, विकसित भारत' की शपथ ली । छात्रों को 7 फरवरी, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित 'यूथ फॉर क्वालिटी भारत फेस्ट' में आमंत्रित किया गया, जहां उन्हें पीयूष गोयल, एमसी मैरी कॉम, वीरेंद्र सिंह चौहान, अमित टंडन जैसी प्रसिद्ध हस्तियों को सुनने व गणेश आचार्य और उनकी मंडली के प्रदर्शन को देखने का अवसर मिला । इस उत्सव में कुल 26 छात्र और 4 शिक्षक शामिल हुए ।

परीक्षा और आंतरिक असाइनमेंट निगरानी समिति श्री रमेश कुमार

इस समिति ने प्राचार्य के मार्गदर्शन और दिल्ली विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा के निर्देशन में पूरे वर्ष काम किया है । समिति कॉलेज में होने वाली सभी परीक्षा गतिविधियों और परीक्षा शाखा के साथ समन्वय बनाकर करती है । समिति ने दिल्ली विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा के मानदंडों के अनुसार कॉलेज की सभी आंतरिक और बाहरी परीक्षाओं के कुशल संचालन का ध्यान रखा है । महाविद्यालय परीक्षा समिति के कार्यों में पाठ्यक्रमों के लिए आंतरिक/बाह्य/व्यावहारिक परीक्षा आयोजित करना, परीक्षाओं के सुचारू संचालन की योजना, आंतरिक परीक्षाओं और बाहरी व्यावहारिक परीक्षाओं के लिए कार्यक्रम और योजना की घोषणा, निरीक्षण ड्यूटी चार्ट और परीक्षा हॉल में सीट आवंटन और आंतरिक / व्यावहारिक परीक्षा प्रतियों के मूल्यांकन के लिए संकायों की नियुक्ति, परीक्षाओं के लिए परीक्षा कक्ष आवंटित करना, यह सुनिश्चित करना कि सभी प्रश्नपत्र पहले ही प्राप्त हो जाएं । सभी उत्तर पुस्तिकाएं और आवश्यक सहायक दस्तावेज़ एकत्र करना,परीक्षाओं के बाहरी/आंतरिक मूल्यांकन की व्यवस्था करना,आंतरिक/प्रैक्टिकल/एसईसी द्वारा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका, पुरस्कार पत्रक का संग्रहण और अंकों का संकलन, परीक्षा संबंधी मुद्दों से संबंधित छात्रों और कर्मचारियों की शिकायतों/शिकायतों का समाधान करना इत्यादि करना है । श्री नरेंद्र कुमार (वरिष्ठ सहायक) और कार्यालय स्टाफ बहुत ही कुशल तरीके से परीक्षा संबंधित सभी गतिविधियों को पूरा करता है । यह समिति प्राचार्य के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण और परीक्षा नियंत्रक, दिल्ली विश्वविद्यालय के निर्देशानुसार काम कर रही है । समिति ने आंतरिक मूल्यांकन से संबंधित मामलों पर चर्चा के लिए ओएसडी परीक्षा, दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ एक बैठक 19 फरवरी, 2024 (सोमवार) को ऑनलाइन आयोजित की गई थी ।

नॉर्थ-ईस्ट सेल संयोजिका : सुश्री पल्लवी दत्ता

19 अप्रैल, 2024 को, सेल का बहुप्रतीक्षित नॉर्थ-ईस्ट फेस्ट, ईस्टर्न इको '24, कॉलेज के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया, जिसकी शुरुआत औपचारिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई, जो ज्ञान और संस्कृति की रोशनी का प्रतीक है । कॉलेज की सांस्कृतिक सोसायटी की संयोजिका श्रीमती उदिता अग्रवाल ने अपने प्रेरणादायक शब्दों से सभागार में उपस्थित मेहमानों और विद्यार्थियों का स्वागत किया । नॉर्थ ईस्ट सेल की संयोजिका सुश्री पल्लवी दत्ता ने बड़े उत्साह और समावेशिता के साथ सभी का स्वागत किया । तत् प?चात शिक्षा जगत और संस्कृति में अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रोफेसर रत्नोत्तम दास अपने संबोधन से बहुमूल्य अंतर्दृष्टि व ज्ञान से सभा को समृद्ध किया । सांस्कृतिक समारोह की शुरुआत कॉलेज के प्रतिभाशाली प्रथम वर्ष के छात्र इफथ मिर्जा द्वारा मंत्रमुग्ध करने वाले असमिया नृत्य प्रदर्शन के साथ हुई । अपनी जीवंत अभिव्यक्तियों से मिर्जा ने असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया । इसके बाद लोकनृत्य एवं लोकगीत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की गतिविधियों में उत्तर-पूर्वी राज्यों के सांस्कृतिक स्थलों और परंपराओं पर प्रकाश डालने वाली एक लघु वीडियो स्क्रीनिंग भी शामिल थी । इस वीडियो ने उपस्थित लोगों को क्षेत्र की विरासत की समृद्ध टेपेस्ट्री की एक झलक प्रदान की, जिससे उनकी उत्तर-पूर्वी राज्यों की समझ और गहरी हो गई ।

वीडियो स्क्रीनिंग के अलावा, मेहमानों ने एक जीवंत प्रश्नोत्तरी में भाग लिया, जिसमें उत्तर-पूर्वी संस्कृति, इतिहास और भूगोल के बारे में उनके ज्ञान का परीक्षण किया गया । क्विज़ ने न केवल एक शैक्षिक अवसर के रूप में काम किया बल्कि उपस्थित लोगों के बीच मैत्रीपूर्ण प्रतिस्पर्धा और जुड़ाव को भी प्रोत्साहित किया । उत्सव का एक मुख्य आकर्षण उत्तर-पूर्वी राज्यों की पारंपरिक पोशाक का मनमोहक प्रदर्शन भी था । रंग-बिरंगे और जटिल डिजाइन वाले परिधानों से सजी मॉडलों ने क्षेत्र की पोशाक विविधता का प्रदर्शन किया और अपनी खूबसूरती और सुंदरता से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया । पारंपरिक पोशाक का प्रदर्शन प्रत्येक राज्य की अद्वितीय सांस्कृतिक पहचान और शिल्प कौशल के एक दृश्य उत्सव के रूप में कार्य करता है । उत्सव का माहौल स्पष्ट था क्योंकि छात्रों और मेहमानों ने समान रूप से उत्तर-पूर्वी राज्यों को बनाने वाली संस्कृतियों की जीवंत टेपेस्ट्री का जश्न मनाया । ईस्टर्न इको'24 ने न केवल कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान किया बल्कि उत्तर-पूर्व की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए एकता और प्रशंसा की भावना को भी बढ़ावा दिया । कार्यक्रम के सफल समापन पर उपस्थित लोग एक अविस्मरणीय शाम को लेकर गए और भविष्य में ऐसी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की कामना करने लगे ।

भारत की **G20** अध्यक्षता का उत्सव संयोजिका**:** श्रीमती उदिता अग्रवाल

पूरे भारतवर्ष के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय ने भी अपने अंतर्गत विभिन्न विभागों और कॉलेजों में सांस्कृतिक-सह-शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करके भारत की G20 प्रेसीडेंसी का जश्न मनाने का निर्णय लिया । इसके लिये दिल्ली विश्वविद्यालय की संस्कृति परिषद द्वारा विश्वविद्यालय के केवल 15 कॉलेजों और 3 विभागों को इसके लिए नोडल केंद्र के रूप में चुना गया । पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (सांध्य) को इन नोडल केंद्रों में से एक के रूप में चुना जाना गर्व का विषय था । इस कार्य के लिये कॉलेज की ओर से श्रीमती उदिता अग्रवाल को नोडल अधिकारी और डॉ. करिश्मा सारस्वत को सह-अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया । परिषद द्वारा हमारे कॉलेज के साथ जी20 राष्ट्र जर्मनी को सम्बद्ध किया गया । भारत और जर्मनी के बीच द्विपक्षीय संबंधों का उत्सव मनाने और उनके बीच भविष्य की संभावनाओं को लेकर 31 अक्टूबर, 2023 को कॉलेज परिसर में एक भव्य कार्यक्रम 'G20 Indo-German Symposium and Cultural Extravaganza' का आयोजन किया गया । कार्यक्रम को शैक्षणिक और सांस्कृतिक दो हिस्सों में विभाजित किया गया । शैक्षणिक खंड में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार साझा करने के लिए भारत और जर्मनी के प्रसिद्ध विशेषज्ञों और विद्वानों को आमंत्रित किया गया । सत्र की अध्यक्षता, पी.जी.डी.ए.वी. कॉलेज (प्रात: एवं सांध्य) के गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष श्री अजय सूरी जी ने की । दिल्ली विश्वविद्यालय की कल्चर काउंसिल के डीन प्रो. रविंदर कुमार जी मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सम्मिलित रहे । इस समारोह में कॉलेज की गवर्निंग बॉडी के कोषाध्यक्ष श्री शिव रमन गौड़ भी विशिष्ट अतिथि के रूप

में उपस्थित थे ।तीन प्रतिष्ठित विशेषज्ञ वक्ताओं ने सम्मानित अतिथियों के रूप में माननीय श्री. गुरजीत सिंह जी (जर्मनी,इथियोपिया, इंडोनेशिया और अन्य कईं राष्ट्रों में पूर्व भारतीय राजदूत),प्रोफेसर उम्मु सलमा बावा (प्रोफेसर और जीन मोनेट चेयर, सेंटर ऑफ यूरोपियन स्टडीज, स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जेएनयू) व श्री जोनास टी. मैडसेन, आर्थिक और वैश्विक विषय विभाग, जर्मनी संघीय गणराज्य दूतावास) ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।इस अवसर पर चित्रों, साहित्य, वीडियो और पोस्टर के माध्यम से भारत-जर्मन संबंधों के विभिन्न पहलुओं को प्रस्तुत करने के लिए एक इंडो-जर्मन प्रदर्शनी भी आयोजित की गई । सांस्कृतिक कार्यक्रमों का उद्देश्य संगीत और नृत्य प्रदर्शन के रूप में दोनों देशों की समृद्ध और विविध लोक संस्कृतियों का जश्न मनाना था । इस खंड में श्री राम चौपाई गायन, भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन ओडिसी और कथक, भारत के जनजातीय नृत्य और जर्मनी का लोक नृत्य प्रस्तुत किए गये । पूरे कॉलेज परिसर में विस्तृत सजावट के माध्यम से भारत की G20 प्रेसीडेंसी की सच्ची भावना का उत्सव मनाया गया । इस आयोजन को सफल बनाने के लिए बड़ी संख्या में छात्रों और संकाय सदस्यों ने विभिन्न क्षमताओं में कार्यक्रम में भाग लिया । दिल्ली विश्वविद्यालय की कल्चर काउंसिल के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम में हमारे द्वारा दयाल सिंह और कमला नेहरु कॉलेज को जोड़ा गया । इस आयोजन को सफल बनाने में हमें जर्मनी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय का भी पूर्ण सहयोग मिला ।इसी कड़ी में विद्यार्थियों के लिए जर्मन भाषा पर एक ऐड ऑन कोर्स का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया । शिक्षा मंत्रालय द्वारा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों के बीच जागरूकता पैदा करने और भारत के G-20 प्रेसीडेंसी का उत्सव मनाने के लिए कॉलेज ने प्रशासनिक और शैक्षणिक स्तर पर कई उपाय किए हैं । G20 का लोगो शामिल था । क्विज, भाषण, मॉडल यूनाइटेड नेशंस, रील मेकिंग, पोस्टर मेकिंग, सस्टेनेबल बिजनेस आइडिया आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन G20 विषय पर किया गया । हमारे 6 विद्यार्थियों को भारत सरकार के अंतर्गत 'पेड इनटर्नशिप प्रोग्राम' में इनटर्न के रूप में चयनित किया गया । इन विद्यार्थियों ने 9-12 सितम्बर,2023 को भारत मंडपम में आयोजित प्रतिष्ठित G20 बैठक में सहायकों के रूप में भूमिका निभाई ।

विकसित भारत**@ 2047** संयोजिका **:**डॉ**.** ललिता सिंह

"विकसित भारत @ 2047: युवाओं की आवाज़ " भारत सरकार के द्वारा चलाया गयी एक ऐसी योजना है जिसमें भारत को अपने 100 वर्ष की यात्रा में किस प्रकार एक विकसित देश बनाया जा सकता है, इस संदर्भ में युवाओं की भूमिका सुनिश्चित करना चाहता है । इसके साथ ही भारत की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, वैज्ञानिक, शिक्षा, नवाचार सभी दृष्टियों से विकास किस स्तर पर किया जाए कि भारत शीघ? ही विकसित हो सके । इस योजना के तहत हमारी कमेटी के द्वारा 4 मार्च को "विकसित भारत के गीता आधारित “नोडोनामिक्स की प्रासंगिकता" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी, 7 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर "नारी सशक्तिकरण और विकसित भारत” विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी, 8 एवं 9 मार्च को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी *“विकसित भारत@2047 में स्टार्टअप और उद्यमशील संस्कृति का पोषण: अवसर, चुनौतियाँ और समाधान" का आयोजन किया गया व 11 मार्च "पड़ोसी युवा संसद" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया । 8 मई को विकसित भारात दौड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमे हमारे कॉलेज के 96 विद्यार्थियों ने भाग लिय।

पीपुल्स च्वाइस अभियान संयोजक डॉ**.**नीलम कपूर**,**श्री रजनीश शर्मा
छात्र समन्वयक**:** यश व्योमकेश सिंह

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की पहल के तहत कॉलेज द्वारा नवंबर 2023 से पीपुल्स च्वाइस अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (FMCG) सेक्टर से लेकर कंज्यूमर ड्यूरेबल्स तक के विभिन्न स्थानीय उत्पादों को शामिल किया गया, जहाँ कच्चे माल की खरीद से लेकर अंतिम उपभोक्ता तक उनके संचालन का अध्ययन किया गया। इस पहल में कॉलेज के कई छात्र शामिल थे। उन्होंने इन उत्पादों के निर्माण और वितरण चैनलों के बारे में जानकारी हासिल की। इस पहल के तहत, कॉलेज के कुशल छात्रों द्वारा 148 व्यावसायिक प्रस्ताव बनाए गए। इन प्रस्तावों के अलावा, कई छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे स्टार्ट-अप और माइक्रो बिजनेस के बारे में जागरूकता पैदा करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए ब्लॉग लिखे।

पुस्तकालय एवं वाचनालय संयोजक: श्री पवन कुमार मैठानी

शिक्षा संस्थान में पुस्तकालय रीढ़ की हड्डी के समान कार्य करता है और पुस्तकालय के बिना किसी शैक्षणिक परिवेश की पूर्णता की कल्पना करना संभव नहीं है । वस्तुतः पुस्तकालय कल्पवृक्ष की तरह होता है जिसके प्रभाव क्षेत्र के अधीन होकर ज्ञान का साधक मनोनुकूल फल प्राप्त करता है । अति प्राचीन सामग्री से लेकर एक दम आधुनिक शोधों/आविष्कारों के लिखित, अंकित एवं प्रकाशित दस्तावेजों को हम पुस्तकालय के माध्यम से बड़ी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं । शिक्षा संस्थान में विद्यार्थी, शिक्षक एवं कर्मचारी सबके लिए पुस्तकों की जरुरत को पुस्तकालय ही पूरा करता है । निश्चित ही पुस्तकालय के सहयोग से ही हम शिक्षा के वास्तविक लक्ष्य को पूरा करते हैं । हमारे कॉलेज का पुस्तकालय इस दृष्टि से पूरी तरह सक्षम कहा जा सकता है । कॉलेज पुस्तकालय को स्वचालन (Automation) की दृष्टि से अधिक उपयोगी बनाने के उद्देश्य से पुस्तकालय में क्लाउड-बेस लाईब्रेरी सॉफ्टवेयर कोहा (Koha) कार्य कर रहा है । कोहा-सॉफ्टवेयर के द्वारा विद्यार्थियों एवम् संकाय सदस्यों को घर बैठे मोबाइल पर पुस्तकालय सेवा उपलब्ध करवा रखी है । जिससे वे अपनी वांछित पुस्तक को आसानी से सर्च कर सकें ।

28 मार्च, 2024 तक पुस्तकालय में इस समय विभिन्न विषयों से संबधित 58,108 पुस्तकें हैं । शैक्षणिक सत्र 2023-2024 में 28 मार्च 2024 तक 1,93,206 रुपए की 488 पुस्तकें खरीदी गई है । इस वर्ष पुस्तकालय मद में कुल 5,55,000 रुपए के व्यय का अनुमान हैं । वाचनालय में संस्कृत हिन्दी और अंग्रेजी भाषाओं के 61 दैनिक, साप्ताहिक, मासिक पत्र-पत्रिकाएं एवम् जर्नल नियमित रूप से उपलब्ध रहते हैं ।पुस्तकालय के महत्व का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि 1 जुलाई, 2023 से लेकर 28 मार्च, 2024 तक प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों द्वारा कॉलेज पुस्तकालय से 91,958 बार पुस्तकें पढ़ने के लिए जारी करवाई गई । कॉलेज में पुस्तकालय संबंधी सेवाएं दोपहर 1:30 से रात्रि 8:30 बजे तक उपलब्ध रहती है । परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुये विद्यार्थियों को अध्ययन की अतिरिक्त सुविधा देने के उद्देश्य से परीक्षाओं से एक माह पूर्व से पुस्तकालय सेवाओं को प्रातः 9:00 बजे से उपलब्ध करवायी जाती है । पुस्तकालय जब प्रातः 9:00 बजे से खुलता है तब विद्यार्थियों को विशेष सुविधा के तहत् जो विद्यार्थी किसी कारणवश प्रातः नाश्ता करके नहीं आ पाते हैं, उन्हें कॉलेज द्वारा कॉलेज परिसर स्थित कैन्टीन से निःशुल्क नाश्ता/भोजन करने कि सुविधा उपलब्ध करवायी जाती है ।

पुस्तकालय सेवाओं का अधिक-से-अधिक लाभ देने के उद्देश्य से पुस्तकालय द्वारा सत्र 2023-2024 में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए दिनांक 1फ़रवरी,2024, 02 फ़रवरी,2024 व 5 फ़रवरी,2024 को कोर्स के अनुसार पुस्तकालय में ओरियंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें अधिक संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लेकर लाईब्रेरी ओरियंटेशन कार्यक्रम का लाभ उठाया । ओरियंटेशन के दौरान पुस्तकालय प्रभारी श्री पवन कुमार मैठानी द्वारा विद्यार्थियों को निम्नलिखित विषयों की जानकारी दी गयीः-

1. How to use the Library through OPAC
2. How to search books through OPAC (Library Software KOHA)
3. How to access E-Journals
4. How to access E-Books

कॉलेज प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को ई-सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ देने के उद्देश्य से पुस्तकालय द्वारा N-List, दिल्ली यूनिवर्सिटी लाईब्रेरी सिस्टम द्वारा उपलब्ध Remote Access की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध करवायी गयी ।

पुस्तक प्रदर्शनी: -

सत्र 2023-2024 में कॉलेज में आयोजित विभिन्न महत्वपूर्ण आयोजनों के अवसर पर पुस्तकालय द्वारा निम्नलिखित विषयों की पुस्तक प्रदर्शनी लगाई गयीः-

(i) 14 अगस्त, 2023 को कॉलेज में आयोजित अखण्ड भारत संकल्प दिवस के अवसर पर कॉलेज पुस्तकालय में भारत विभाजन से संबधित उपलब्ध पुस्तकों की प्रदर्शनी लगायी गयी!

(ii) 30 अक्टूबर, 2023 को G-20 के अवसर पर आयोजित भारत-जर्मनी सबध: वर्तमान परिदृश्य और भावी दिशा विशेषक आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर कॉलेज पुस्तकालय में उपलब्ध जर्मन भाषा और साहित्य से संबधित पुस्तकों की प्रदर्शनी लगायी गयी ।

iii) 22जनवरी, 2024 को श्री राम जन्म भूमि अयोध्या में श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर कॉलेज के पुस्तकालय में पुस्तक रूपी धरोहर में संरक्षित श्री राम साहित्य के रूप में उपलब्ध साहित्य की प्रदर्शनी लगायी गयी ।

(iv) 15 फरवरी, 2024 को कॉलेज में HSE University, St. Petersburg, Russia के एक शैक्षिणिक दल के भ्रमण के अवसर पर कॉलेज पुस्तकालय में रश्यिन भाषा और साहित्य पर उपलब्ध साहित्य की प्रदर्शनी लगायी गई ।

कोहा (KOHA) लाईब्रेरी सॉफ्टवेयर: कॉलेज पुस्तकालय को स्वचालन (Automation) की दृष्टि से अधिक उपयोगी बनाने के उद्देश्य से 1अक्टूबर, 2021 से पुस्तकालय में क्लाउड बेस नया लाईब्रेरी सॉफ्टवेयर पर कार्य शुरू किया । यह सॉफ्टवेयर क्लाउड बेस होने के कारण विद्यार्थी व संकाय सदस्य घर बैठे अपने मोबाइल पर किसी भी पुस्तक को सर्च कर सकते हैं । पुस्तकालय कमेटी ने 16 मार्च, 2022 को कॉलेज की अन्य कमेटियों की सहभागिता से व Avior Technologies Pvt Ltd. के सहयोग से संकाय सदस्य, विद्यार्थियों एवम् कर्मचारियों के लिए प्रातः 11: 30 बजे से कोहा सॉफ्टवेयर पर एक वेबिनार आयोजित किया, जिसका विषय 'Library Automation using KOHA' था । कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों को ई - सेवा (ई - बुक्स, ई - जर्नल) का अधिक से अधिक निःशुल्क लाभ देने के उद्देश्य से कॉलेज पुस्तकालय ने सितंबर, 2017 से N - LIST (National Library and Information Services Infrastructure for Scholarly Content), INFLIBNET (Information and Library Network Centre, Gandhi Nagar, Gujarat), की संस्थागत सदस्यता ली है । N - LIST के माध्यम से उपयोगकर्ता कभी भी, कहीं से भी 6000 से अधिक ई - जर्नल्स एवं 1, 35, 000 से अधिक ई - पुस्तकों का लाभ ले सकता है ।

उरकुंड सॉफ्टवेयर (URKUND Software): संकाय के शोध कार्यों की गुणवत्ता जाँचने हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालय सिस्टम से कॉलेज पुस्तकालय को जून, 2021 से विशेष सुविधा के तहत उरकुंड सॉफ्टवेयर (URKUND Software) व 2023 से ड्रिलबिट प्लेज्यॅरिज्म सॉफ्टवेयर (DRILLBIT Plagiarism software) की विशेष सुविधा दी जा रही है ।

जिसका लाभ हमारे कॉलेज संकाय सदस्यों को प्रोफेसरशिप की पदोन्नति में मिला ।

पुस्तक निधि: कॉलेज में पुस्तक निधि की स्थापना सन् 1975 ई. में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा Rs. 15000/ - की सहायता राशि के साथ की गई थी । इस समय इस निधि में 1333 पुस्तकें हैं । इस निधि से पूरे साल कॉलेज के विद्यार्थियों को अध्ययन के लिये पुस्तकें प्रदान की जाती है । इस समय इस कोष में 4449 पुस्तकें हैं ।

विद्यार्थी सहायता कोष की स्थापना सन् 1958 की गई थी । जिसका मूल उद्देश्य निर्धन-विद्यार्थियों को पूरे वर्ष के लिए पुस्तकें प्रदान करना है । इस समय इस कोष में 4538 पुस्तकें हैं । इस वर्ष पुस्तक निधि कोष से 40 विद्यार्थियों को 322 पुस्तकें प्रदान की गयी । विद्यार्थी सहायता कोष में 2023-2024 के शैक्षणिक सत्र में कुल Rs.23,684.00 की 52 पुस्तकें खरीदी गयी ।

पुस्तक उपहार कोष: -पुस्तकालय में कॉलेज संकाय सदस्यों एवम् विद्यार्थियों से उपहार-स्वरूप प्राप्त निःशुल्क पुस्तकों का पुस्तक उपहार कोष स्थापित किया हुआ है । वर्तमान समय में इस पुस्तक उपहार कोष में 899 पुस्तक उपलब्ध हैं ।

दिव्यांग छात्रों को विशेष सुविधा: कॉलेज पुस्तकालय में दिव्यांग छात्रों को पढ़ाई में सहयोग देने के उद्देश्य से Angel Pro Classic Device (in built talking Daisy Player, E - Book Reader, Mp3 Player, Radio & amp; Voice Recorder) भी उपलब्ध है । यह सुविधा छात्र मनोज कुमार, रोल न. 2378 बी.ए. (प्रोग्राम) तृतीय वर्ष को निःशुल्क जारी की गयी है । दिव्यांग विद्यार्थियों को उनके अध्ययन में सहयोग देने के उद्देश्य से कॉलेज पुस्तकालय ने सत्र 2023-2024 में सात Daisy Player (Evo E11) कुल मूल्य 94,500 के खरीद कर दिव्यांग छात्रों को निःशुल्क वितरित किये । वर्तमान सत्र में कॉलेज के पांच दिव्यांग छात्र/छात्रायें इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं ।

साउंड प्रूफ कक्ष: शिक्षा के बढ़ते आयाम व ऑनलाइन कक्षाओं को मद्देनजर रखते हुए मार्च, 2022 में कॉलेज पुस्तकालय में एक साउंड प्रूफ कक्ष बनाया गया, जिसमें कॉलेज संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को वेबिनार व रिकोर्डिंग करने में आसानी होती है ।

अभिलेखागार: कॉलेज पुस्तकालय द्वारा अभिलेखागार (Archive) संचालित किया जाता है । जिसमें कॉलेज स्थापना वर्ष 1958 से लेकर अब तक के सारे रिकॉर्ड / सूचनाएं / फोटोग्राफ्स / सी. डी. सुरक्षित हैं ।

Twitter handle - @PGDAVEVE_DU

प्राचार्य प्रो. आर. के. गुप्ता के कुशल निर्देशन में तथा संयोजिका डॉ. श्रुति विप एवं डॉ. सोनिका नागपाल के मार्गदर्शन से महाविद्यालय में 24 मार्च, 2021 को ट्विटर एकाउंट खोला गया । इस ट्विटर एकाउंट को खोलने का मुख्य उद्देश्य सोशल मीडिया पर महाविद्यालय की उपस्थिति को सुदृढ़ करना था । जब से यह अकाउंट बनाया गया है तभी से महाविद्यालय की विभिन्न समितियों, प्रकोष्ठों तथा विभागों की महत्त्वपूर्ण गतिविधियों तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों की उपलब्धियों को निरंतर ट्विटर पर साझा किया जाता है । इसी श्रृंखला में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आवश्यक सूचनाओं को भी ट्विटर द्वारा साझा किया जाता है।

Twitter handle- @PGDAVEVE_DU

Followers- 570

इस वर्ष प्राध्यापक वर्ग से प्रोफेसर कृष्ण मुरारी, डॉ. जगमोहन राय व ग़ैर-शैक्षणिक वर्ग से श्री राम सिंह सेवानिवृत हुए। मैं उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना करता हूँ।अब मैं अपने कॉलेज के प्रशासकीय समिति के अध्यक्ष माननीय गौड़ जी का हृदय से बड़ आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके सार्थक निर्देशन एवं प्रेरणा से कॉलेज निरन्तर प्रगति की ओर उन्मुख है। साथ ही प्रशासकीय समिति के अन्य सभी कर्मठ सदस्यों के प्रति मैं कृतज्ञ हूँ जिनके अथक सहयोग से कॉलेज के प्रबंधन का संचालन निर्वाध गति से हो रहा है।कॉलेज में शिक्षा के अनुकूल रचनात्मक एवं सौहार्द्रपूर्ण वातावरण के निर्माण में हमारे कर्मठ शिक्षकों का भरपूर योगदान है और कॉलेज की सभी उपलब्धियों का श्रेय उन्हीं को जाता है. इसलिए मैं उन सबके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। इसी प्रकार मैं प्रशासनिक, एकाउंट्स, पुस्तकालय आदि में कार्यरत सभी कर्मचारियों को कॉलेज के प्रति उनकी सेवा के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। मैं सभी विद्यार्थियों को होने वाली परीक्षाओं में अच्छे परिणाम के लिए शुभकामनाएं देता हूँ और यह कामना करता हूँ कि वे जीवन के कर्म-क्षेत्र में निरंतर प्रगति करें तथा अपने शुभ लक्ष्य को प्राप्त करने में सदैव सफल हों।सम्माननीय महोदय, अंत में मैं कॉलेज परिवार की ओर से पुनः आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। यह हमारा परम सौभाग्य है कि आपने अपना बहुमूल्य समय हमारे इस कार्यक्रम के लिए प्रदान किया। अब मैं

आपसे विनम्र निवेदन करता हूँ कि इस अवसर पर उपस्थित कॉलेज परिवार को संबोधित कर अनुगृहीत करें। साथ ही कार्यक्रम के अंत में सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर उन्हें अपना आशीर्वाद प्रदान करें।

डॉ. रवीन्द्र कुमार गुप्ता

(प्राचार्य)

(वार्षिक विवरण लेखन -प्रो. आशा रानी एवं श्रीमती प्रियंका चटर्जी)